शुक्ल पक्ष, 23 वर्ष, अंक 165 पृष्ठ 08 मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | गुरूवार 11 जुलाई 2024 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

देवघर बाबाधाम में श्रावणी मेला 21 जुलाई से, तैयारियां जोरों पर

रांची

देवघर में 21 जुलाई से बाबाधाम में मेला शुरू हो जायेगा। इसकी तैयारी जोर-शोर से हो रही है। इसके मद्देनजर ऊर्जा विभाग ने भी तैयारी शुरू कर दी है। ऊर्जा विभाग की ओर से इस संबंध में आदेश जारी किया गया है, जिसमें ऊर्जा विभाग की ओर से अभियंताओं की एक टीम श्रावणी मेला में नियुक्त की गयी है।

ऊर्जा विभाग की ओर से बहाल ये टीम मेला से पूर्व विद्युत उपकरणों का जायजा लेगी। साथ ही मेला के दौरान विद्युत सज्जा और उपकरणों की निगरानी करेगी। इसके लिये उर्जा विभाग की ओर से वासुकीनाथ में भी अभियंताओं की बहाली की गयी है। जारी आदेश में बताया गया है कि बाबाधाम और वासुकीनाथ परिसर में विद्युत उपकरणों एवं विभिन्न स्थलों पर निर्मित पंडालों में किये गये अस्थायी बिजली कनेक्शन की सुरक्षा जांच और उसके उपायों को लेकर टीम काम करेगी। इसके तहत विद्युत निरीक्षक रांची प्रफुल्ल कुमार गुप्ता, सहायक विद्युत अभियंता रांची अजय कुमार सिंह, शैलेजानंद प्रकाश, दीपक रजक, कनीय अभियंता कुदन कुमार दास और विकास कुमार यादव की तैनाती श्रावणी मेला के लिए की गयी है।

अयोध्या में अरबों के भूमि घोटाले हुए हैं... मामले की जांच की जाए: अखिलेश यादव

लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि अयोध्या में अरबों रुपये के भूमि घोटाले हुए हैं। यहां पर भू-माफियाओं ने जमीनें खरीदी हैं। उन्होंने मांग की है कि इसकी जांच की जानी चाहिए।

सोशल मीडिया साइट एक्स पर उन्होंने लिखा कि जैसे-जैसे अयोध्या की जमीन के सौदों का भंडाफोड़ हो रहा है उससे ये सच सामने आ रहा है कि भाजपा राज में अयोध्या के बाहर के लोगों ने मुनाफा कमाने के लिए बड़े स्तर पर जमीन की खरीद-फरोख़्त की है। भाजपा सरकार द्वारा पिछले सात सालों से सर्किल रेट न बढ़ाना, स्थानीय लोगों के खिलाफ एक आर्थिक षड्यंत्र है।

आस्ट्रिया: यह युद्ध का समय नहीं- प्रधानमंत्री मोदी

संयुक्त राष्ट्र संघ और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं में बदलाव के लिए सहमत हैं, ताकि उन्हें मजबूत बनाया जाए: मोदी

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और आस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर के बीच बुधवार को प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। इसमें द्विपक्षीय साझेदारी के विभिन्न आयामों पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि वार्ता के दौरान व्यापार और निवेश, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, एआई, स्टार्ट-अप, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन, सांस्कृतिक सहयोग और लोगों से लोगों के बीच संबंध से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई। इससे पहले द्विपक्षीय संबंधों में नया इतिहास रखते हुए प्रधानमंत्री का आस्ट्रिया के चांसलर ने गर्मजोशी से स्वागत किया। संघीय चासंलर परिसर में उनका औपचारिक स्वागत किया गया। किसी भारतीय प्रधानमंत्री की ऑस्ट्रिया की यह ऐतिहासिक यात्रा 4 दशकों के बाद हो रही है। इस दौरान दोनों नेताओं ने साझा पत्रकारवार्ता को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देश संयुक्त राष्ट्र संघ और अन्य अंतराष्ट्रीय संस्थाओं में रिफॉर्म पर सहमत हैं।

आतंकवाद किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं: मोदी

दोनों देश आतंकवाद की कठोर निंदा करते हैं और इस बात पर सहमत हैं कि इसे किसी भी रूप में स्वीकार्य और न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने बताया कि दोनों नेताओं ने विश्व में चल रहे विवादों जैसे यूक्रेन संघर्ष और पश्चिम एशिया की स्थिति पर विस्तार से बात की। वे पहले भी कह चुके हैं कि यह युद्ध का समय नहीं है। साथ ही इस दौरान जलवायु परिवर्तन पर भी चर्चा हुई। आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे के लिए टकराव और जैव-ईंधन गठबंधन जैसी पहल में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता है।

पीएम मोदी का आपसी सहयोग पर जोर

पीएम मोदी ने आगे कहा, आने वाले दशक के लिए सहयोग का खाका तैयार किया है। यह केवल आर्थिक सहयोग और निवेश तक सीमित नहीं है। ढांचागत विकास, नवाचार, नवीकरणीय ऊर्जा, हाइड्रोजन, जल एवं अपशिष्ट प्रबंधन और क्वांटम जैसे क्षेत्रों में एक दूसरे के सामर्थ्य को जोड़ने का काम किया जाएगा। दोनों देशों की युवा शक्ति और विचारों को जोड़ने के लिए स्टार्ट अप को गति दी जाएगी। गतिशीलका और प्रवासन के मामले में साझेदारी पर पहले ही समझौता हुआ है। कानूनी प्रवासनन और कुशल कार्यबल को आगे बढ़ाने में सहयोग दिया जाएगा। आज मानवता के सामने मौसम में बदलाव और आतंकवाद जैसी चुनौतियों पर भी हमने विचार साझा किए। क्लामेट के संबंध में अंतरराष्ट्रीय सोलर साझेदारी, बायोफ्यूल साझेदारी जैसी पहलों से जुड़ने के लिए हम ऑस्ट्रिया को आमंत्रित करते हैं।

ऑस्ट्रिया हमारा दृढ़ और विश्वसनीय साझेदार है: मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपना दो दिवसीय रूस दौरा खत्म कर अब ऑस्ट्रिया में हैं। इस विदेश यात्रा में पीएम 9 जुलाई से 10 जुलाई तक ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना में रहेंगे। यह ऑस्ट्रिया की पीएम मोदी की पहली यात्रा है।

मेरी यह यात्रा ऐतिहासिक और विशेष: पीएम मोदी

पीएम मोदी ने आगे कहा, ह्यमुझे खुशी है कि मेरे तीसरे कार्यकाल की शुरूआत में ही मुझे ऑस्ट्रिया आने का मौका मिला। मेरी यह यात्रा ऐतिहासिक और विशेष है। 41 वर्ष के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने ऑस्ट्रिया का दौरा है। यह भी सुखद संयोग है कि यह यात्रा उस समय हो रही है, जब हमारे आपसी संबंधों के 75 वर्ष पूरे हुए हैं। लोकतंत्र और कानून के शासन जैसे मूल्यों में आपसी विश्वास हमारे संबंधों की नींव हैं। आपसी विश्वास से हमारे रिश्तों को बल मिलता है। आज मेरे और चांसलर नेहमर के बीच बहुत सार्थक बातचीत हुई। हमने आपसी सहयोग को और मजबूत करने के लिए नई संभावनाओं की पहचान की है। हमने फैसला लिया कि संबंधों को रणनीतिक दिशा प्रदान की जाएगी।

प्रदेश के 12 जिले बाढ़ से प्रभावित, आबादी को सुरक्षित निकाला: योगी

लखीमपुर खीरी

लखीमपुर खीरी जिले में बाढ़ प्रभावित इलाके की स्थिति का जायजा लेने को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार दोपहर 3:24 बजे शारदा नगर पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर मौजूद 10 बाढ़ पीड़ितों को राहत सामग्री किट बांटी। मुख्यमंत्री ने राहत किट वितरण के बाद महादेव गांव का निरीक्षण किया। बाढ़ के हालातों का जायजा लिया और ग्रामीणों से बात की। अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए ' मुख्यमंत्री ने बताया कि जिले की करीब एक लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित है। अभी जिले में कोई जनहानि की सूचना नहीं मिली है। पीड़ित परिवारों को पर्याप्त मात्रा में राशन सामग्री देने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि नदियों के जलस्तर में काफी वृद्धि हो गई थी। इसके कारण जुलाई के पहले सप्ताह में ही बाढ़ की विभीषिका से जूझना पड़ा। मुख्यमंत्री ने बताया कि बाढ़ से वर्तमान में प्रदेश के 12 जनपद प्रभावित हैं। बाढ़ से निपटने के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, एसएसबी, पीएसी की फ्लड यूनिट के साथ स्थानीय गोताखरों को भी लगाया गया। इसका परिणाम है कि बड़ी आबादी को सुरक्षित निकाला गया है। लखीमपुर खीरी जिले में 38 बाढ़ चौकियां स्थापित की गई हैं।

एक सप्ताह में खोला जाए शंभू बॉर्डर: पंजाब एवं ने हरियाणा हाईकोर्ट

चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने एक हफ्ते के भीतर शंभू बॉर्डर खोलने के आदेश दिए हैं। हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को यह आदेश दिए हैं। इस संबंध में हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को कहा कि हरियाणा सरकार एक हफ्ते में रोड क्लियर करे और वहां से बैरिकेड हटाए। हाईकोर्ट ने कहा कि

शंभू बॉर्डर पर स्थिति शांतिपूर्ण है। किसानों की मांग केंद्र सरकार से है और इसलिए उन्हें दिल्ली की तरफ जाने की छूट दे देनी चाहिए। सुनवाई के दौरान हरियाणा सरकार ने कहा कि अगर वे शंभू बॉर्डर से बैरिकेड हटा देते हैं तो फिर किसान अंबाला में घुस जाएंगे और एस पी ऑफिस का घेराव करेंगे। इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि वर्दी वालों को घबराना नहीं चाहिए। लोकतंत्र में किसानों को हरियाणा में घुसने या घेराव करने से नहीं रोका जा सकता। उल्लेखनीय है कि शंभू बॉर्डर पिछले 5 महीने से बंद चल रहा है और पंजाब के इन किसानों को रोकने के लिए हरियाणा पुलिस ने यहां 7 लेयर की बैरिकेडिंग कर रखी है। हाईकोर्ट के इस आदेश के बारे में किसान नेता मनजीत राय ने कहा कि हमें अभी आदेश की कॉपी नहीं मिली, लेकिन इस फैसले का स्वागत करते हैं।

एनीमिया मुक्त भारत अभियान में देश में छत्तीसगढ़ प्रथम स्थान पर

रायपुर

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के आइएफए सप्लीमेंटेशन की रिपोर्ट जारी की है, जिसके अनुसार एनीमिया मुक्त भारत अभियान में देश में छत्तीसगढ़ प्रथम स्थान पर है। छत्तीसगढ़ के बाद दूसरे स्थान पर गोवा और तीसरे पर चंडीगढ़ है।

इससे पहले देश में छत्तीसगढ़ का तीसरा स्थान था। जून-2022 तक राज्य छठवें स्थान पर था। एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत बच्चों, किशोरों, गर्भवती और शिशुवती महिलाओं को आइएफए सप्लीमेंटेशन उपलब्ध कराने में प्रदेश पहले स्थान पर है।

राजस्थान बजट: मेधावियों को लैपटॉप, चार लाख नौकरियों का संकल्प

जयपुर

करीब 33 साल बाद यह पहला अवसर है, जब राज्य का बजट केंद्र के बजट से पहले घोषित किया गाया है। विधानसभा का बजट सत्र आमतौर पर फरवरी-मार्च में होता है लेकिन इस साल लोकसभा चुनाव के कारण दीया कुमारी ने आठ फरवरी को विधानसभा में अंतरिम बजट पेश किया था। राजस्थान सरकार के बजट में सरकारी नौकरियों की बंपर भर्ती समेत कई बडे. एलान किए गए हैं।

शिक्षा के क्षेत्र के लिए हुए एलान

वित्त मंत्री दिया कुमारी ने ऐलान किया कि आठवीं, दसवीं और बारहवीं में मेरिट में आने वाले विद्यार्थियों को टैबलेट दिए जाएंगे,

जिनमें फ्री इंटरनेट भी रहेगा। इसके अलावा, प्रदेश में नई आईटीआई कॉलेज खोले जाने की भी घोषणा की गई है। दीया कुमारी ने एलान किया कि प्रदेश में बालिकाओं के पुलिस और सैनिक में भर्ती दिलाने के लिए संभागों में बालिका सैनिक स्कूल खोले जाएंगे। राजस्थान में इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी को लेकर 300 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके तहत भरतपुर, बीकानेर, अजमेर में कॉलेज को विकसित किया जाएगा इसके साथ ही प्रदेश के शहरी क्षेत्र में 150 करोड़ की लागत से शहरी क्षेत्र में लाइब्रेरी और वाई-फाई कनेक्शन दिए जाएंगे।

रोजगार और खेल के लिए घोषणाएं

राजस्थान बजट में प्रदेश में पुलिस के 5500 नए पद को सृजित करने की घोषणा की गई। इसके साथ ही बजट में पुलिस की सुविधा में भी विस्तार किया गया है। बजट में प्रदेश में 1500 डॉक्टरों और 400 नर्सिंग कर्मियों के नए पदों का एलान किया गया है। खेलो इंडिया की तर्ज पर हर साल प्रदेश में खेलो राजस्थान का एलान, 50 करोड़ खर्च किए जाएंगे। राष्ट्रीय युवा पुरस्कार की तरह राजस्थान यूथ आइकन अवार्ड दिया जाएगा। इस बार के बजट में रोडवेज में 1650 कर्मचारियों की भर्ती की भी घोषणा की गई है। दीया कुमारी ने बताया कि राजस्थान में युवाओं के लिए हमने अगले 5 सालों में 4 लाख सरकारी भर्तियां करने का संकल्प लिया है।

उड़द की कीमतों में नरमी का दावा

नई दिल्ली

केंद्र सरकार का दावा है कि उड़द की कीमतों में नरमी आने लगी है। बारिश से खरीफ के तहत बुवाई का रकबा भी बढ़ा है। सरकार ने कहा कि पिछले साल 3.67 लाख हेक्टेयर की तुलना में उड़द की बुवाई का रकबा इस खरीफ सीजन में 5.37 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है।

उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि सरकार की कोशिशों के परिणामस्वरूप उड़द की कीमतों में कमी आई है। किसानों को अपनी उपज का पर्याप्त मूल्य मिलना सुनिश्चित हुआ है। मंत्रालय ने बताया कि 05 जुलाई, 2024 तक उड़द की बुवाई का रकबा इस खरीफ सीजन में 5.37 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गया है।

सीएम ममता के खिलाफ मानहानि केस- हाईकोर्ट में सुनवाई

कोलकाता

राज्यपाल डॉक्टर सी.वी. आनंद बोस की ओर से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के खिलाफ दाखिल मानहानि मामले पर सुनवाई होगी। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बुधवार को यह स्पष्ट कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि दायर किए गए मानहानि के मुकदमे में अंतरिम आदेश की खातिर दाखिल किए गए राज्यपाल के आवेदन पर सोमवार को सुनवाई होगी। न्यायमूर्ति कृष्ण राव ने बुधवार को कहा कि इस मामले में सोमवार को सुनवाई करेंगे। न्यायमूर्ति राव ने

बोस के वकील को यह भी निर्देश दिया कि वह प्रतिवादियों को आवेदन की प्रतियां उपलब्ध करवाएं। राज्य सचिवालय में 27 जून को एक प्रशासनिक बैठक के दौरान बनर्जी ने कहा था, महिलाओं ने मुझे बताया है कि वह हालिया कथित घटनाओं की खबरें सुनने के बाद राजभवन जाने से डरती हैं। उनकी टिप्पणी पर राज्यपाल ने कहा था कि जन प्रतिनिधियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह गलत और निंदनीय धारणाएं न बनाएं। दो मई को राजभवन की एक संविदा महिला कर्मचारी ने बोस के खिलाफ छेड़छाड़ का आरोप लगाया था, जिसके बाद कोलकाता पुलिस ने जांच शुरू की थी। संविधान के अनुच्छेद 361 के तहत, किसी राज्यपाल के विरुद्ध उसके कार्यकाल के दौरान कोई आपराधिक कार्रवाई नहीं की जा सकती। कोलकाता पुलिस आयुक्त और डीसी सेंट्रल इंदिरा मुखर्जी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का आवेदन केंद्रीय गृह मंत्रालय से किया है।

भारत, फ्रांस, यूएई के फोकल प्वाइंट्स की हुई बैठक

नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत, फ्रांस और संयुक्त अरब अमीरात के फोकल प्वाइंट्स की बैठक वर्चुअली संपन्न हुई है। इस दौरान त्रिपक्षीय सहयोग की प्रगति पर चर्चा की गई है। इन क्षेत्रों में अर्थव्यवस्था, अवसंरचना, नवाचार, ऊर्जा, पर्यावरण, संस्कृति, शिक्षा और लोगों से लोगों के आदान-प्रदान समेत सहयोग शामिल है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक्स पर दी जानकारी

बता दें कि तीनों देशों के अधिकारियों के बीच ये चर्चा पिछले साल सहमत संयुक्त रोडमैप के अनुसार सहयोग पर केंद्रित थी। वहीं विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, भारत-फ्रांस-यूएई त्रिपक्षीय फोकल प्वाइंट बैठक वर्चुअली आयोजित की गई। इस दौरान चर्चा में फरवरी 2023 में सहमत संयुक्त रोडमैप के अनुसार त्रिपक्षीय सहयोग में प्रगति को शामिल किया गया।

सितंबर 2022 में हुई थी तीनों विदेश मंत्रियों की मुलाकात

वहीं विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान के अनुसार, फरवरी 2023 की शुरूआत में विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने भारत-फ्रांस-यूएई त्रिपक्षीय वार्ता में भाग लिया और रक्षा, ऊर्जा और पर्यावरण, नवाचार और लोगों के बीच आदान-प्रदान के क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। यह बैठक भारत-फ्रांस-यूएई के विदेश मंत्रियों की तरफ से 4 फरवरी, 2023 को टेलीफोन कॉल के दौरान एक रोडमैप को अपनाने के बाद हुई।

तीनों देशों के विदेश मंत्री अंतरराष्ट्रीय स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देने और तीनों देशों के बीच मौजूद रचनात्मक और सहयोगी संबंधों को और आगे बढ़ाने की अपनी साझा इच्छा की स्वीकृति में आपसी हित के कई क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार करने के उद्देश्य से एक औपचारिक त्रिपक्षीय सहयोग पहल स्थापित करने पर सहमत हुए।

अमरावती, अकोला, बुलढाणा, वाशिम और यवतमाल जिलों में 557 किसानों ने अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली

अमरावती मंडल में पिछले छह महीने में 557 किसानों ने की आत्महत्या: रिपोर्ट

अमरावती

महाराष्ट्र में खेती में हो रहे नुकसान को किसान सहन नहीं कर पा रहे हैं और आर्थिक तंगी से जूझते हुए मौत को गले लगा रहे हैं। सरकार की तरफ से जारी रिपोर्ट के अनुसार सिर्फ अमरावती मंडल में इस साल जनवरी से लेकर जून तक कुल 557 किसानों ने आत्महत्या कर ली है। जानकारी के मुताबिक अमरावती मंडल के पांच जिले अमरावती, अकोला, बुलढाणा, वाशिम और यवतमाल जिलों में 557 किसानों ने अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली है।

किस जिले में कितने किसानों ने की आत्महत्याएं?

अमरावती संभागीय आयुक्त कार्यालय की तरफ से तैयार की गई एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024 में जनवरी से जून के बीच संभाग में कुल 557 किसानों ने आत्महत्या की है। इनमें से सबसे अधिक 170 आत्महत्याएं अमरावती जिले में दर्ज की गईं, इसके बाद यवतमाल में 150, बुलढाणा में 111, अकोला में 92 और वाशिम में 34 आत्महत्याएं दर्ज की गईं। रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार ने 53 मामलों में मृतकों के परिवारों को सहायता प्रदान की है, जबकि 284 मामले जांच के लिए लंबित हैं।

कांग्रेस नेता ने केंद्र सरकार से की मांग

सरकारी रिपोर्ट में दर्शाए गए आंकड़ों पर प्रतिक्रिया देते हुए अमरावती लोकसभा सीट से कांग्रेस नेता बलवंत वानखड़े ने कहा कि महाराष्ट्र उन राज्यों में से एक है, जहां किसानों की आत्महत्याओं की संख्या सबसे अधिक है और इस मामले में अमरावती राज्य में सबसे ऊपर है। उन्होंने कहा, कि फसल का नुकसान, पर्याप्त बारिश की कमी, मौजूदा कर्ज का बोझ और समय पर कृषि ऋण का अभाव कुछ प्रमुख कारण हैं, जो किसानों को यह कदम उठाने के लिए मजबूर करते हैं।

सरकार को किसानों की आय दोगुनी करने के अपने आश्वासन को पूरा करना चाहिए और उन्हें सहायता प्रदान करनी चाहिए।

किसानों की आत्महत्या गंभीर मुद्दा- नीलेश पाटिल

वहीं राज्य सरकार के वसंतराव नाइक शेतकरी स्वावलंबी मिशन के अध्यक्ष नीलेश हेलोंडे-पाटिल ने कहा कि किसानों की आत्महत्या एक गंभीर मुद्दा है और ऐसी मौतों को रोकने के लिए मिशन समाधान खोजने के प्रयास कर रहा है।

बिहार: अब सहरसा में गिरी पुलिया

सहरसा

बिहार के सहरसा के महिषी प्रखंड अंतर्गत कुंदह पंचायत स्थित प्राणपुर एनएच 17 से बलिया-सिमर जाने वाली सड़क में बनी पुलिया बाढ़ की पानी के दबाब में बुधवार को ध्वस्त हो गया। पुल टूटने का वीडियो खूब वायरल हो रहा है।

बिहार सरकार में जदयू कोटे से मंत्री बने रत्नेश सादा के गृह पंचायत में ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा वर्ष 2010 में पुल बनवाया गया था, जो ध्वस्त हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह पुल महिषी प्रखंड के बलिया सिमर, कुंदह और नवहट्टा प्रखंड क्षेत्र के डरहार एवम सतौर को जोड़ती थी।

शिक्षणार्थी युवा कड़ी मेहनत और लगन से खरा उतरकर बने आत्मनिर्भर : कमलेश सोनी

मेजा ऊर्जा निगम सीपेट लखनऊ के साथ मिलकर परियोजना प्रभावित गांवों के बेरोजगार युवाओं के लिए शुरूआत किया कौशल विकास प्रशिक्षण

अखंड भारत संदेश

मेजा। मेजा ऊर्जा निगम नें केंद्रीय पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संस्थान (सीपेट) लखनऊ के साथ मिलकर परियोजना प्रभावित गांवो एवं आसपास के गांवों में बेरोजगार युवाओं के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण की शुरूआत किया है। जिसके मद्देनजर बीते 8 जुलाई को मेजा ऊर्जा निगम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कमलेश सोनी ने दोनों बैच के 60 युवाओं को लखनऊ ले जाने वाली बसों को हरी झंडी दिखाकर लखनऊ के लिए रवाना किया। उल्लेखनीय है कि 6 माह के लंबे प्रशिक्षण में भाग लेने वाले 60 प्रशिक्षु मेजा ऊर्जा निगम द्वारा परियोजना प्रभावित एवं आसपास के बेरोजगार आर्थिक दृष्टि से कमजोर एवं वंचित वर्ग के युवाओं को चयनित किया गया है। प्रथम बैच में 30 युवाओं को मशीन ऑपरेटर -प्लास्टिक प्रसंस्करण के लिए जहां प्रशिक्षण दिया जाएगा, वहीं दूसरे बैच में मशीन ऑपरेटर इंजेक्शन मोल्डिंग के लिए 30 युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

गौरतलब है कि दोनों बैचों को लगभग 960 घंटो का प्रशिक्षण देकर उन्हे प्लास्टिक इंडस्ट्री में रोजगार प्राप्त करने के योग्य बनाया जाएगा। बता दें कि इन 6 महीनों में युवाओं को सैद्धांतिक प्रशिक्षण के साथ-साथ प्रायोगिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इतना ही नहीं 6 महीनों तक सभी युवाओं को लखनऊ स्थित सीपेट हॉस्टल में निःशुल्क रहने की व्यवस्था की गयी है। इस दौरान चयन प्रक्रिया से लेकर प्लेसमेंट तक का सभी खर्च मेजा ऊर्जा निगम उठाएगा। इस प्रशिक्षण में करीब 67 लाख रुपए का व्यय होगा। विदित हो कि यह कौशल विकास प्रशिक्षण की दिशा में मेजा ऊर्जा निगम का दूसरा सफल प्रयास है। पिछले वर्ष, उपरोक्त प्रशिक्षण के अंतर्गत 22 युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर शत-प्रतिशत रोजगार प्रदान करवाया गया तथा इस वर्ष भी इसे सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएँ और साथ ही उनके जीवन स्तर में भी सुधार हो सके। इस अवसर पर, मेजा ऊर्जा निगम के सीईओ कमलेश सोनी नें सभी युवाओं को प्रोत्साहित कर लगन के साथ प्रशिक्षण पूरा करने के लिए प्रेरित करते हुए अपने सम्बोधन में कहा कि आप सभी से मेजा ऊर्जा निगम के साथ-साथ आपके परिवारजनों एवं समाज को बहुत उम्मीदें है जिसमें अपनी कड़ी मेहनत एवं लगन से आप सभी को खरा उतरकर आत्मनिर्भर बनना है। आप सभी देश की धरोहर हैं और आपकी उन्नति से ही देश की उन्नति है। श्री सोनी ने उपस्थित सभी ग्रामवासियों एवं प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं के परिजनो को आश्वासन देते हुए कहा कि मेजा ऊर्जा निगम कौशल विकास प्रशिक्षण के क्षेत्र में निरंतर कार्य करता रहेगा जिससे आसपास के बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सके।

संचारी रोग नियंत्रण हेतु प्राथमिक विद्यालय छतवा में आयोजित हुआ जागरूकता अभियान

अखंड भारत संदेश

मेजा। संचारी रोग नियंत्रण के मद्देनजर सीएचसी रामनगर के अधीक्षक डा ओम प्रकाश की मौजूदगी में बुधवार को प्राथमिक विद्यालय छतवा में जन जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। जिसकी मुख्य अतिथि छतवा गांव की प्रधान श्रीमती कंचन मिश्रा रही। जागरूकता अभियान में कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संचारी रोग से कैसे बचाव करना है इस बाबत डा ओपी ने विस्तार पूर्वक बताया और लोगों को जागरूक भी किया। इस अवसर प्रधान श्रीमती कंचन मिश्रा ने कहा कि अपने दायित्वों के निर्वहन में इसे सामाजिक और प्रशासनिक कार्यों से स्वयं को आत्म खुशी की अनुभूति होती है। इस मौके पर आशा बहुओं के अलावा विद्यालय के सभी अध्यापक बच्चे एवं गांव के ग्रामीण लोग प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

प्रधान पंचायतों में निर्भीक होकर कराए कार्य पुलिस का पूरा सहयोग रहेगा : एसो.कृष्ण मोहन

पंचायतों में विकास कार्यों पर अड़चनों के प्रति थाना प्रभारी ने आश्वस्त किया

करछना। मंगलवार को पंचायत सचिवालय करछना में प्रधान संघ की नवागंतुक थाना प्रभारी कृष्ण मोहन सिंह के साथ बैठक हुई जिसमें प्रधान संघ करछना के अध्यक्ष अवतार किशन सिंह उर्फ दादू सिंह के साथ कई ग्राम पंचायत के प्रधान व प्रधान प्रतिनिधि सम्मिलित हुए परिचय के बाद थाना प्रभारी ने क्षेत्र की समस्याओं के विषय में जानकारी ली तथा ग्राम सभा में हो रहे कार्यों व विवादों के विषय में जानकारी ली तथा प्रधान गणों को आश्वस्त किया कि ग्राम विकास के कार्यों में किसी प्रकार की आने वाली अड़चनों को दूर करने एवं कानून व्यवस्था भंग न हो सभी प्रकार की दिक्कतो का मिल बैठकर हल करने के साथ- साथ कानून व्यवस्था को भी दुरुस्त किया जाएगा। इस मौके पर प्रधान संघ महामंत्री व प्रधान चनैनी धीरेश तिवारी धीरू, प्रधान प्रतिनिधि पुरैनी अवधेश पाण्डेय ,प्रधान महोरी राज कुमार सिंह, प्रधान संघ के पूर्व अध्यक्ष प्रधान प्रतिनिधि तरौल रमेश चंद्र मिश्र, प्रधान मनैया प्रतिनिधि अमर नाथ द्विवेदी,प्रधान प्रतिनिधि कबरा चंद्र प्रकाश तिवारी, प्रधान खजुरी परमानंद मौर्या प्रधान कैथी धरवारा प्रतिनिधि बीरू सिंह सहित कई ग्राम प्रधान व प्रतिनिधि सम्मिलित हुए।

धूमधाम से मनाया जा रहा है रोग हरण हनुमान जन्मोत्सव

झूंसी। रेलवे पुलिया के पास स्थित रोग हरण हनुमान जी का जन्मोत्सव विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी देवरहा बाबा मंच न्यास द्वारा उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। वार्षिकोत्सव के अवसर पर 7 जुलाई से नव दिवसीय सीताराम नाम संकीर्तन महायज्ञ चल रहा है। जानकारी देते हुए आश्रम के महंत श्री रामदास महाराज ने बताया कि श्री सीताराम नाम संकीर्तन का समापन 16 जुलाई को होगा इस दौरान सुंदरकांड पाठ एवं भजन संध्या के साथ संत दर्शन को महाप्रसाद का भी वितरण किया जाएगा। रामदास महाराज लोगों से अपील की कि अधिक से अधिक समय निकालकर भगवान श्री रोग हरण हनुमान जी महाराज की पावन शरण में बैठकर श्री सीताराम नाम संकीर्तन कर विधिक तापो से मुक्त होकर इहलोक और परलोक का वांछित लाभ प्राप्त करें।

तातारगंज गांव के जल निगम की मोटर जली, आधा दर्जन से अधिक गांवों में पेयजल संकट गहराया

अखंड भारत संदेश

जसरा। ग्रामीण पेयजल योजना के तहत लगभग 40 वर्ष पूर्व स्थापित जल निगम में एक ओर जहां पानी की आपूर्ति के लिए बिछाई गई पाइपलाइन जर्जर हो गई है, वहीं आए दिन जल निगम में तकनीकी खराबी के कारण पानी की आपूर्ति बाधित हो जाती है। जिससे गांव में पानी के लिए हाहाकार मच जाता है। इस बात को लेकर ग्रामीण खंड विकास अधिकारी जसरा अनीश अहमद से शिकायत भी किया। तातारगंज गांव में स्थापित जल निगम की मोटर अचानक जल गई । जिससे आधा दर्जन से अधिक गांवों में पेय जल संकट गहरा गया है। लगभग 10 दिन पूर्व जल निगम की मोटर बिजली की वोल्टेज के कारण अचानक जल गई। जिससे तातारगंज गांव सहित छिड़िया, परसरा, सरसेड़ी, सुजौना, चिल्ला, सेंधुवार ,मरुआ, दौना, पांडर, पचखरा आदि गांव में लोगों को पीने के पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। वहीं नलों में पानी न आने से लोग परेशान है। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत बीडीओ जसरा अनीश अहमद से किया। बीडीओ ने तत्काल अवर अभियंता जलनिगम निरंजन वर्मा से बात की। निरंजन वर्मा ने बताया कि तातारगंज का जलनिगम ग्राम प्रधान बृजेश सोनकर को हैन्ड ओवर कर दिया गया है। अब पूरी जिम्मेदारी ग्राम प्रधान की है। जिस पर बीडीओ जसरा ने प्रधान को तत्काल जले हुए मोटर को ग्राम निधि के रूपए से बनवाने के लिए कहा है। ग्रामीण बीडीओ की बात मान कर अपने-अपने घरों को लौट गये। वहीं पर ग्रामीणों को पानी की व्यवस्था करने में प्रतिदिन घंटों का समय भी बर्बाद हो रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि लगभग 30 हजार लीटर की टंकी को भरने के लिए पूरी रात मोटर को चलाना पड़ता है। उसके बाद कई गांव में पानी की आपूर्ति की जाती है। वहीं लोगों ने जल निगम के पंप को जल्द से जल्द बनवाए जाने की मांग की है। जिससे समस्या का समाधान हो सके।

जल जीवन मिशन योजना का भविष्य उज्वल नहीं दिख रहा

चयनित ग्राम सभाओं में मिशन की पानी की टंकियां निर्माण सामग्री उठवा ले जा रहे ठिकेदार, निर्माण कार्य अधार में, ग्राम प्रधान अल्हवा ने कार्यवाही हेतु लिखी चिट्ठी

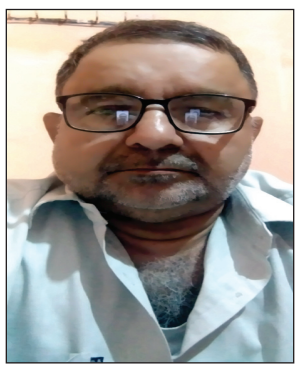

कोरांव। सरकार द्वारा नमामि गंगे जल योजना के तहत जल जीवन मिशन के द्वारा ग्राम सभाओं में शुद्ध पेय जलापूर्ति के लिए हो रही जल पाइप लाइन का निर्माण कार्य तीव्रता से तो चालू है किंतु तीन चार गांवों के मध्य मुख्य पाइप लाइन से सीधे जल प्रपात से होने वाली जल पाइप लाइन से भंडारण करने वाली पानी की टंकी का निर्माण कार्य ठीकेदारों की आपसी मनमुटाव के चलते अधर में लटक गया है। और निर्माण कार्य दाई संस्था द्वारा बरती जा रही लापरवाही के कारण निर्माण पूर्ण करने के बजाय निर्माण सामग्री ही उठवा ले जा रहे हैं। बता दें कि ग्राम सभा अल्हवा में जल पाइप लाइन का कार्य पूर्ण हो गया है किंतु तीन चार ग्रामों में सप्लाई होने वाली जल टंकी का कार्य शुरू तो कर दिया गया किंतु फाउंडेशन का पूर्ण कार्य होने के बावजूद कथित ठिकेदार ने निमार्णाधीन टंकी कार्य हेतु लगी स्टील सरिया आदि निर्माण सामग्री उठवा ले गया। जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है साथ ही ग्राम प्रधान अल्हवा शहजादे पत्रकार को जानकारी होते ही अवशेष निर्माण सामग्री ले जाने पर रोक लगा दिया है। और उच्च स्तरीय शिकायत भी कर दिया है। ज्ञात हो कि ग्राम सभा में निर्माण हो रही पानी की टंकी से ग्राम अल्हवा के अतिरिक्त जमुआ, धुंस और बंसीपुर तक पेय जला पूर्ति में जल पाइप लाइन के माध्यम से होना है।

स्थानीय नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

यातायात नियमों का पालन करें, पवन पांडे

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा नियमानुसार में जागरूकता के लिए जमुनापार में एल 10 बोर्ड लग गए जिसका विमोचन परीक्षक पवन पांडे ने किया। इस अवसर पर पार्षद धरनेश सिंह अरविंद राय अध्यक्ष उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक संघ, श्वेता साहू जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय मानव अपराध नियंत्रण ब्यूरो,वरिष्ठ नागरिक धर्मवीर यादव, रचना त्रिवेदी, अजयसिंह, यासीन, अभिषेक तिवारी, अमनदीप, रोहित यादव, बीना, निहारिका, सुनिधि नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के संरक्षक महेंद्र अरोड़ा मौजोद रहे डिस्प्ले बोर्ड के विमोचन के बाद मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि ने पौधारोपण किया एवं केंद्र के छात्रों और स्थानीय नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया पार्षद धरनेश ने समस्या बताते हुए कहा कि केन्द्र स्थानीय क्षेत्र के लिए बहुत ही लाभदायक है। जिसके यहां क्षेत्र का विकास तेजी से होगा। नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के छात्रों ने शपथ ली कि वे हमेशा यातायात नियमों का पालन करेंगे और जागरूकता फैलाएंगे। विद्यार्थियों ने आदर्श नागरिक बन कर ट्रैफिक नियमो का पालन करने की शपथ ली। इस कार्यक्रम में कॉलेज के अधिकारियों का एक दल उन्होंने प्रशिक्षण केन्द्र के बाहर प्रशिक्षण नियम लागू करने को लेकर एक अभियान चलाया जिसमें उन्होंने बोर्ड स्तर पर लोगों को जागरूक करने के लिए कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाग लिया तथा पांडे ट्रैफिक इंस्पेक्टर, मोहम्मद कौसर रोहित आदि लोग मौजूद रहे केन्द्रे के बहार सभी ने वृक्षारोपण कर वातावरण को प्रदूषण मुक्त रखने की बात कही मोहम्मद कौसर एडमिशन इंचार्ज एन आई टी सी ने बताया वह शैक्षणिक सुविधाओं और प्रशिक्षण प्लेसमेंट से बहुत संतुष्ट हैं, उन्होंने घोषणा की कि एनआईटीसी प्रयागराज में सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण और कौशल विकास केंद्रों में से एक है।

न्यूज झरोखा

समस्याओं के निरारकण को लेकर दो विभाग के अधिकारियों से भाजपा प्रतिनिध मण्डल ने की मुलाकात

जसरा। विधानसभा बारा के जसरा में कोरोना काल से बंद की गई काशी एक्सप्रेस व जसरा बाजार में जल निकासी की ब्यवस्था को लेकर बारा विधायक डा० वाचस्पति द्वारा क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण का प्रयास करने हेतु भाजपा मंडल अध्यक्ष जगत नारायण शुक्ला की अगुवाई में एक प्रतिनिधि मंडल दोनों विभागों के अधिकारियों से मिलकर समस्याओं को रखा साथ ही निराकरण की अपील की। जिसमें जसरा स्टेशन पर काशी स्पेशल ट्रेन के ठहराव के लिए रेल महाप्रबंधक एवं मार्केट में जल निकासी हेतु नाली के निर्माण कार्य को लेकर एनएच के अधिशासी अभियन्ता से मुलाकात किया। रेल महाप्रबंधक प्रयागराज ने कहा कि माननीय रेलमंत्री जी को आपका यह पत्र भेज कर ट्रेन के ठहराव के लिए प्रयास किया जाएगा,जब कि एन एच के अधिशासी अभियंता ने तत्काल सर्वे कराकर नाली ब्यवस्था को बहाल कराने की बात कही। इस अवसर पर प्रमुख रूप से विधायक प्रतिनिधि विजय कुमार निषाद , आशीष सोनकर प्रधान जसरा, दीपचंद गुप्ता ,अश्विनी केसरवानी ,कमलेश पांडेय के अलावा कई सम्भ्रांत लोग उपस्थित रहे।

मेजारोड के लखनपुर में स्कार्ट फार्म ट्रैक ट्रैक्टर एजेंसी का हुआ उद्घाटन सात ट्रैक्टरों की हुई डिलेवरी

मेजा। मेजारोड के लखनपुर में बुधवार को मां गायत्री इंटरप्राइजेज के डीलर एवं पूर्व प्रधान द्वारा स्कार्ट फार्म ट्रैक ट्रैक्टर एजेंसी का उद्घाटन किया गया जिसके मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि मेजा गंगा प्रसाद मिश्र रहे। उल्लेखनीय है कि उक्त एजेंसी का उद्घाटन पूरे विधि विधान के साथ पूजा अर्चना के पश्चात प्रमुख प्रतिनिधि गंगा प्रसाद मिश्र द्वारा फीता काटकर किया गया। इस दौरान एजेंसी खुलने के पहले ही दिन कुल सात ट्रैक्टरों की बिक्री की गई जिसमें पांच ट्रैक्टर नगर निगम प्रयागराज और दो ट्रैक्टर क्षेत्रीय किसानों को डिलेवरी की गई। डिलेवरी हुए सभी ट्रैक्टरों में स्कार्ट फार्म ट्रैक के टांप ब्रांड के थे। इस मौके पर कंपनी के आरबीएम संदीप चौधरी एबीएम प्रियांशु दुबे पूर्व ब्लाक प्रमुख मुन्नन शुक्ला मेजा पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर अमरेश तिवारी तथा राहुल तिवारी के अतिरिक्त कई अन्य लोग प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

ग्राम पंचायतों के मिनी सचिवालय के बंद पाए जाने पर होगी कार्यवाही : एडीओ पंचायत

शंकरगढ़। विकासखंड के ग्राम सभा कपारी में बने मिनी सचिवालय के सदैव बंद रहने से ग्रामीणों में असंतोष व्याप्त है। क्षेत्र के विकासखंड अंतर्गत ग्राम सभा कपारी गांव में बने मिनी सचिवालय के सदैव बन्द रहने से लोग सरकारी योजनाओं से वंचित हो रहे है। जहां एक ओर योगी सरकार ग्रामीण को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए गांव-गांव में पंचायत भवन मिनी सचिवालय बनाकर ग्रामीणों को हर सरकारी योजनाओं का लाभ देने का प्रयास कर रही है। वहीं दूसरी ओर पंचायत सहायक सरकार की उम्मीदों पर पानी फेर रहे हैं। क्षेत्र के कपारी गांव में बना मिनी सचिवालय के बंद होने की शिकायत लोगों द्वारा हमेशा की जाती थी। बुधवार को जब मीडिया की टीम के पहुंचने पर मिनी सचिवालय पर ताला लटकता रहा था। जबकि सरकार द्वारा प्रत्येक ग्राम सभा में पंचायत भवन में पंचायत सहायक की नियुक्ति की गई है। जिनकी ड्यूटी सुबह 10 बजे से सांयकाल 5 बजे तक निर्धारित की गई है। साथ ही उन्हें इसका मानदेय भी दिया जाता है परन्तु इसके बावजूद पंचायत सहायक घर बैठे मानदेय ले रहे है। इस ओर संबंधित अधिकारियों का कोई ध्यान नही है। इसकी जानकारी तुरंत एडीओ पंचायत हरिदेव सिंह को दिए जाने पर उन्होंने मामले को संज्ञान में लेते हुए कार्यवाही किये जाने की बात कही।

करछना के भिटरिया गांव में लगा भारतीय किसान यूनियन (भानू) का चौपाल

प्रयागराज। भारतीय किसान यूनियन (भानु) किसान क्रांति दल के बैनर तले गांव गांव चौपाल आज दिनांक 10 जुलाई को करछना के भिटरिया गांव में मंडल मीडिया प्रभारी कृष्ण राज सिंह के नेतृत्व में लगाई गई जिसमे मुख्य अतिथि प्रदेश महासचिव डा बीके सिंह जी और प्रदेश संरक्षक राकेश सिंह जी ने किसानों की समस्याओं को सुना और रूपा देवी को करछना तहसील अध्यक्ष महिला मोर्चा बनाया गया और कई लोगों को सदस्यता दिलाई गई। चौपाल में मौजूद जिसमें प्रदेश सचिव पुष्पराज सिंह ,मंडल अध्यक्ष आर बी सिंह बघेल , मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा सुमन अवस्थी , जिलाध्यक्ष पंकज प्रताप सिंह , मेजा विधान सभा अध्यक्ष के पी पांडेय , ब्लाक अध्यक्ष सुमन पांडे ,तहसील अध्यक्ष संदीप पाण्डेय और भी कई समस्त कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे।

गृहकर एवं जलकर के डिजिटल भुगतान हेतु आयोजित रैली सम्पन्न

प्रयागराज। बुधवार को नगर निगम प्रशासन द्वारा निर्धारित डिजिटल पेमेन्ट महा अभियान के तहत निधर्धारित की गयी, रैली का आयोजन हैजा अस्पताल से नटियारा रोड, मटियात रोब से होते हुए पुलिस चौकी तक किया गया। जिसमें समस्त नगर वासियों / भवन स्थानियों / कार पावाओं से नगर निगम के गृहकर व जलकर के भुगतान को डिजिटल माध्यमों से जमा किये जाने की अपील की गयी. जो भुगतान सम्बन्धी प्रकिया में अब तक सबसे नवीनतम पारदर्शी एवं उन्नत व्यवस्था है जिसमे नागरिक जब चाहे अपने सवन के गृहकर की जानकारी स्वंय अपने स्तर पर कर सकता है। उक्त रैली में प्लास्टिक उन्मूलन अभियान को भी शामिल किया गया। जिसका उद्देश्य नगर निगम के परिसीमा में प्लास्टिक की पन्नियों के छोटे-छोटे प्रतिबन्धित प्लास्टिक, रिसाईकिल प्लास्टिक के सामानों आदि को नष्ट किये जाने एवं उनका पर्यावरण एवं जनस्वास्थ्य की दृष्टि से उपयोग न करने हेतु नागरिकों को जागरूक किया गया। उक्त रैली में जोनल अधिकारी श्री संजय मंगगाई के नेतृत्व में कर अधीक्षक श्री झम्मन सिंह, राजस्व निरीक्षक श्रीगती आकांक्षा यादव, श्रीनती संगीता गुप्ता श्रीमती अर्चना बिन्द, श्रीमती आरती सिंह, मुख्य सफाई एवं खाद्य निरीक्षक श्री गोविन्द वाजपेयी, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक श्री बिरेन्द्र विकम सिंह, कर समाहर्ता श्री राजेश कुमार, श्री लक्ष्मण प्रसाद, श्री श्यामू पटेल, श्री सूरज प्रताप सिंह, श्री अमिताभ बनर्जी व जलकल विभाग के कर्मचारी, आई०ई०सी० की टीम एवं अन्य आउसोर्स कर्मचारी रैली में सम्मिलित हुए।

हंडिया में आकाशीय बिजली गिरने से 3 की मौत

धान की रोपाई कर रहे थे तीनों, पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए भेजे शव

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। हंडिया में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 3 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई ' घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।हंडिया के विझमनिया जरांव निवासी नागेश्वर बिंद (45) घर के पास धान की रोपाई कर रहा था। इसी बीच अचानक तेज बारिश के दौरान वह आकाशीय बिजली के चपेट में आ गया। जिससे मौके पर उसकी दर्दनाक मौत हो गई ' मृतक गांव में ही जनरल स्टोर चलता था और घर पर ही रहकर खेती किसानी करता था।वहीं क्षेत्र के मिश्री गांव में एक महिला सुमन देवी (40) व श्वेता कुमारी (17) अपने-अपने खेतों में धान की रोपाई कर रही थी। इसी बीच अचानक से दोनों भी आकाशीय बिजली की चपेट में आ गई। जिससे इनकी भी दर्दनाक मौत हो गई।

आकाशीय बिजली गिरने से महिला किसान की मौके पर ही मौत

ग्राम गाढ़ा प्रधान लालता सिंह पटेल की भयाहू हैं मृतका, जरई उखाड़ रहीं थी महिला

कोरांव। थाना कोरांव क्षेत्र के ग्राम गाढ़ा में ग्राम प्रधान लालता प्रसाद सिंह पटेल के छोटे भाई जंग बहादुर सिंह की पत्नी श्रीमती कमलावती देवी पटेल उम्र करीब 45 साल तीन बच्चों की मां है कि मृत्यु आकाशीय बिजली गिरने से हो गई। मृतका कमलावती के तीन बच्चों में दो पुत्रियों की शादी कर चुकी हैं एक पुत्र है। घटना करीब दो बजे दिन की है। खेत में धान के रोपाई हेतु जरई उखाड़ रहीं थी,ऐसा बताया गया। प्रधान लालता सिंह ने सभी सक्छम अधिकारियों को सूचित कर दिया है। समाचार लिखे जाने तक लाश गांव में ही रखा गया है। अधिकारियों के निर्णय के बाद कोई कार्यवाही आगे होगी।

आकाशीय बिजली गिरने से महिला की हुई मौत

सहसों। थाना सराय इनायत के पुलिस चौकी सहसों अंतर्गत बभनकुईयां गांव में बुद्धवार को आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। जिससे ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहसों के बभनकुइयां गांव में बुद्धवार को दिन में करीब 3 बजे आकाशीय बिजली गिरने से गांव निवासी कुसुम देवी 25 वर्ष पत्नी अजय कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। कुसुम देवी को एक पुत्री 5 वर्ष की है तथा पति मजदूरी कर अपना एवं परिवार का भरण पोषण करते हैं। कुसुम देवी लगभग 3 बजे बारिश होने लगी तो वह घर के बाहर रखी चारपाई को अंदर कर रही थीं उसी समय तेज गड़गड़ाहट व चमक के साथ बिजली गिरी और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

फाईल फोटो मृतक कुसुम देवी।

उनकी मौत से परिजन समेत गांव में हाहाकार मच गया। सूचना पाकर सहसों पुलिस मौके पर पहुंचकर लिखा पढ़ी करके लाश का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए प्रयागराज भेज दिया। जिससे परिजनों का रो रो होकर बुरा हाल है।

सपा विधायक इरफान सोलंकी मामले की सुनवाई अब 18 जुलाई को

हाईकोर्ट में वकीलों की हड़ताल के चलते टली सुनवाई

प्रयागराज। सपा के निर्वतमान विधायक इरफान सोलंकी के केस की सुनवाई बुधवार को टल गई। हाईकोर्ट में वकीलों की हड़ताल के चलते मामले की सुनवाई को टाल दिया गया। अब मुकदमे की सुनवाई 18 जुलाई को होगी। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति राजीव मिश्रा की अदालत में चल रही है।जाजमऊ की डिफेंस कॉलोनी निवासी नजीर फातिमा की झोपड़ी में आग लगाने के मामले में आठ नवंबर 2022 को इरफान सोलंकी, उनके भाई रिजवान, इजरायल आटेवाला, मो.शरीफ, शौकत अली, अनूप यादव, महबूब आलम, शमशुद्दीन उर्फ चच्चा, एजाजुद्दीन उर्फ सबलू, मो.एजाज, मुरसलीन भोलू, शकील चिकना के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी।तीन जून को कानपुर की एमपी/एमएलए कोर्ट ने इरफान व उनके भाई रिजवान, इजरायल आटेवाला, मो.शरीफ व शौकत अली को दोषी करार देते हुए सात साल की सजा सुनाई थी। सजा पर रोक लगाने की माग के साथ इरफान और रिजवान ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

20 जुलाई से होगा रूट डायवर्जन, प्रयागराज से वाराणसी, जौनपुर, गोरखपुर की बसें फाफामऊ व सहसों से जाएंगी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। 22 जुलाई से सावन मास की शुरूआत हो रही है। जलाभिषेक के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु वाराणसी जाएंगे। उनकी सुरक्षा व सहूलियत को देखते हुए रूट डायवर्जन की तैयारी की गई है। सामान्य यात्रियों को रूट डायवर्जन से परेशानी भी होगी। प्रयागराज से वाराणसी, जौनपुर व गोरखपुर जाने वाली रोडवेज बसें झूंसी व अंदावा के बजाय तेलियरगंज, फाफामऊ होते हुए सहसों की ओर से भेजी जाएंगी। उधर, से आने वाली बसें भी इसी रूट से होकर प्रयागराज तक आएंगी। यह रूट डायवर्जन 20 जुलाई की रात से शुरू होगा और 19 अगस्त तक रहेगा। दूरी बढ़ने से रोडवेज बसों के किराए में भी वृद्धि होगी। कांवियों का जत्था प्रयागराज के संगम का पवित्र जल लेकर काशी के बाबा विश्वनाथ मंदिर जाएंगे। यही कारण है शास्त्री ब्रिज व अंदावा रूट को खाली रखा जाएगा।

15 जुलाई से बंद रहेगा चंद्रलोक डॉट पुल का रास्ता : चंद्रलोक डॉट पुल को 15 जुलाई से अगले तीन माह के लिए बंद कर दिया जाएगा। दरअसल, चंद्रलोक डॉट पुल के मरम्मत का कार्य होने के चलते उत्तर मध्य रेलवे की ओर से यह निर्णय लिया गया है और इस संबंध में नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया गया है। रेलवे की पीआरओ (प्रयागराज मंडल) अमित कुमार सिंह ने बताया कि चंद्रलोक डॉट पुल का रास्ता 15 जुलाई से 14 अक्टूबर तक के लिए बंद किया जा रहा है।

7720 लेखपालों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के सभागार में किया गया सजीव प्रसारण

सांसद फूलपुर व विधायक गणों द्वारा जनपद प्रयागराज के लिए चयनित 229 लेखपालों को नियुक्ति पत्र किया गया वितरित

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ जी के द्वारा बुधवार को लोकभवन सभागार, लखनऊ में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अन्तर्गत लेखपाल चयन परीक्षा-2022 के आधार पर लेखपाल के पद पर चयनित एवं संस्तुत हुए 7720 लेखपालों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम, का सजीव प्रसारण इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन हॉल के सभागार में किया गया। इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन हॉल के सभागार में आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर सांसद फूलपुर प्रवीण पटेल, विधायक फाफामऊ गुरू प्रसाद मौर्या, विधायक बारा डॉ. वाचस्पति, विधायक कोरांव राजमणि कोल, मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत, जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल, मुख्य राजस्व अधिकारी कुंवर पंकज की उपस्थिति में जनपद प्रयागराज में लेखपाल पद पर चयनित हुए कुल 229 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर सांसद प्रवीण पटेल द्वारा जनपद प्रयागराज हेतु चयनित हुए सभी 229 लेखपालों को उनके

नियुक्ति पत्र प्राप्त करने की बधाई एवं उनके भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन आपके जीवन के लिए सर्वोत्तम है। आप सबको प्रदेश के सभी लोगो की सेवा करने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी व दायित्व मिला है, जिसे आप बड़ी तन्मयता, साफ-नियत व ईमानदारी से निभायें। उन्होंने कहा कि आप जिस क्षेत्र में जा रहे है, वहां पर आपको रोज आमजन की समस्याओं के समाधान का अवसर प्राप्त होगा साथ ही आपके सामने कई चुनौतिया भी आयेंगी, क्योंकि लोगो की ज्यादातर समस्यायें राजस्व विभाग से ही सम्बंधित होती है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति न्याय चाहता है और यदि आपके द्वारा ईमानदारी से गांव के स्तर पर ही राजस्व से सम्बंधित छोटी-छोटी समस्याओं व झगडों का निराकरण कर दिया जायगा, तो वे बड़ी समस्या व झगड़े का रूप नहीं ले पायेगें। उन्होंने कहा कि इससे निश्चित रूप से गांव में खुशहाली के साथ-साथ इनसे सम्बंधित मुकदमों में भी भारी कमी आयेगी। उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी ने शुभकामनाएं देने के साथ ही आपको अपने पद की जिम्मेदारियों एवं दायित्वों का एहसास भी कराया है। लोगो को न्याय मिल सके, इसलिए सरकार ने बहुत सारी व्यवस्थाओं को बनाया है। प्रधानमंत्री जी व मुख्यमंत्री जी के द्वारा उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए लगातार किए जा रहे कार्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सांसद ने कहा कि भारत देश को विकसित देश बनाने में आपका भूमिका अग्रणी होगी, यह मेरा विश्वास है। विधायक बारा डॉ. वाचस्पति ने कार्यक्रम में नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले लेखपालों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नियुक्ति पत्र प्राप्त करना खुशी की बात है, परंतु यदि इस तरह के बड़े सार्वजनिक कार्यक्रम में नियुक्ति पत्र प्राप्त हो, तो गर्व की अनुभूति होती है। उन्होंने कहा कि आपने निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया के तहत यह नियुक्ति पत्र प्राप्त किया है, अतः आप निष्पक्ष रूप से बिना किसी दबाव के समाजहित को ध्यान में रखते हुए गरीबों की जितनी मदद कर सके, उतना करने का प्रयास करें। विधायक फाफामऊ गुरू प्रसाद मौर्या ने कहा कि नियुक्ति पत्र प्राप्त करने के लिए आप सभी को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं है। उन्होंने कहा कि आपको लोगो व समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की सेवा करने का अवसर प्राप्त हो रहा है, उसका आप पूरी ईमानदारी व निष्ठा के साथ निर्वहन करते हुए प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में अपनी भूमिका निभायें। कार्यक्रम के अंत में जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल ने सांसद व विधायकगणों का आभार प्रकट करते हुए नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले सभी लेखपालों को शुभकामनाएं दी व उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आप सभी लोग निष्पक्षता, पारदर्शिता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे और आज के कार्यक्रम में जो प्रेरणा, निर्देश, मार्गदर्शन दिए गए है, उसके अनुरूप अवश्य कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि मैं उम्मीद करता हूं कि जनपद प्रयागराज में लोगो की समस्याओं के निदान में आप एक सफल व महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे। संचालन प्रभाकर त्रिपाठी द्वारा किया गया। इस अवसर पर सभी अपर नगर मजिस्टेज्ट, उपजिलाधिकारी गण, परियोजना निदेशक ए0के0 मौर्या सहित राजस्व विभाग के सम्बंधित अधिकारीगण व अन्य लोग उपस्थित रहे।

न्यूज झरोखा

डिवाइडर से टकराई स्कूटी,हादसे में एक महिला की हुई मौत, बेटी घायल

प्रयागराज। अज्ञात वाहन की टक्कर लग जाने से स्कूटी सवार मां-बेटी डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में महिला की मौत हो गई। वहीं बेटी का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।?उतरांव थाना क्षेत्र के कटहरा गांव निवासी संतोष कुमार सिंह की पत्नी बबीता सिंह (35) अपनी बेटी वैशाली के साथ स्कूटी से बासूपुर की तरफ जा रही थी। कोतवाली के पास अज्ञात वाहन ने स्कूटी में टक्कर मार दिया। बेकाबू हुई स्कूटी डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में बबीता और उसकी बेटी वैशाली गंभीर रूप से घायल हो गई। जिला अस्पताल ले जाने के दौरान महिला की रास्ते में मौत हो गई थी। वैशाली की हालत नाजुक बनी हुई है।

न्यायिक कार्य से विरत रहे अधिवक्ता, समस्याओं का निस्तारण न होने पर फूटा गुस्सा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता बुधवार को न्यायिक कार्य से विरत रहे। यह निर्णय इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने हाईकोर्ट में अधिवक्ताओं की समस्याओं के निस्तारण नहीं होने पर लिया है। अधिवक्ताओं का आरोप है कि मुकदमों को रिवाइज करने की पुरानी पद्धति को न मानकर मनमानी की जा रही है। हाईकोर्ट रूल्स में बिना संशोधन के फाइलिंग और रिपोर्टिंग की प्रक्रिया में बदलाव किया जा रहा है। एडवोकेट रोल संबंधित जानकारी नहीं दी जा रही है। बुधवार को सुबह दस बजे गेट पर जुटे बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने प्रवेश द्वार पर बैरियर लगा कर जाम लगा दिया। उनका कहना था कि जब तक मांगों पर विचार नहीं किया जाता तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

महापौर गणेश केसरवानी ने किया वृक्षारोपण

नैनी। नैनी महापौर प्रयागराज गणेश केसरवानी ने किया वृक्षारोपण महापौर गणेश केसरवानी ने कहा हम सभी का परम कर्तव्य है की एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए। अपने बच्चों की तरह पालन पोषण करके उनके जब तक बड़े ना हो जाए तब तक सेवा करते रहे वृक्ष से ही पर्यावरण शुद्ध किया जा सकता है। इस अवसर पर वरिष्ठ पार्षद मयंक यादव पवन यादव मंजू सिंह संजय पासवान रणविजय सिंह डब्बू संजय श्रीवास्तव जिला उपाध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा प्रयागराज पूर्व कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख बलराज अनूप पमहामंत्री उमेश सेन सुनील केसरवानी नीरज शर्मा आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

बिशप जॉनसन परीक्षा केंद्र के अन्य कर्मचारियों से भी होगी पूछताछ, पेपर लीक से जुड़े पूछे जाएंगे सवाल

प्रयागराज। आरओ-एआरओ पेपर लीक प्रकरण से संबंधित केस की विवेचना में जुटी एसटीएफ बिशप जॉनसन गर्ल्स कॉलेज परीक्षा केंद्र के कुछ अन्य कर्मचारियों से भी पूछताछ करेगी। इन कर्मचारियों से 11 फरवरी को परीक्षा वाले दिन कॉलेज में हुए घटनाक्रम के बाबत सवाल जवाब किए जाएंगे। आरओ-एआरओ का पेपर दो जगहों से लीक हुआ, जिनमें से एक बिशप जॉनसन गर्ल्स कॉलेज कटरा भी है। परीक्षा वाले दिन केंद्र व्यवस्थापक अर्पित विनीत यशवंत की मदद से झूंसी निवासी स्कूल संचालक कमलेश पाल ने कॉलेज में घुसकर पेपर की फोटो खींचकर प्रकरण के मास्टरमाइंड राजीव नयन मिश्रा के करीबी डॉ.शरद सिंह पटेल को भेजा था, जिसके बाद पेपर लीक हो गया था। अर्पित व कमलेश को एसटीएफ जेल भेज चुकी है। जांच में यह बात भी सामने आई है कि परीक्षा नियमों को ताक पर रखकर अर्पित को नियमित कर्मचारी न होते हुए भी केंद्र व्यवस्थापक बनाया गया।इस मामले में तत्कालीन प्रिंसिपल को नोटिस जारी किया जा चुका है। जबकि, कुछ बिंदुओं पर जानकारी के लिए डीआईओएस को भी बुलाया गया है। सूत्रों के मृताबिक, एसटीएफ इस मामले में स्कूल के कुछ अन्य कर्मचारियों से भी पूछताछ की तैयारी में है। इनमें वह कर्मचारी शामिल हैं जो परीक्षा वाले दिन कॉलेज में मौजूद थे। जल्द ही इन्हें नोटिस जारी कर बुलाया जाएगा।

बिशप ने भी लगाया था आरोप : डायोसीस लखनऊ के बिशप मौरिस एडगर दान ने भी गत दिनों प्रिंसिपल की कुर्सी को लेकर चल रहे हंगामे और धक्कामुक्की के बाद तत्कालीन प्रिंसिपल पर आरओ-एआरओ परीक्षा में गड़बड़ी करने का आरोप लगाया था। यह भी कहा कि इनका नाम एसटीएफ की सूची में है। प्रिंसिपल को नोटिस जारी कर उपस्थित होने का आदेश जारी किया गया है।

सोरांव तहसील को मिले 30 नए लेखपाल

सोरांव। छः महीने के लंबे इंतजार के बाद अन्ततः नवनियुक्त लेखपालों को सरकार ने उनका दायित्व सौंप दिया। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जनवरी 2022 में लेखपालों की भर्ती जारी हुई थी तथा 31 जुलाई 2022 को लेखपाल की भर्ती परीक्षा आहूत की गई थी। जिसमे 7720अभ्यर्थी सफल घोषित किये गए थे। जिनकी नियुक्ति फरवरी 2024 में की जानी थी। परंतु कुछ असफल अभ्यर्थियों द्वारा परीक्षा के प्रश्न पत्र को लेकर परीक्षा उच्च न्यायालय में 11 पी आई यल दाखिल कर दिया गया था। जिसमे 6 माह तक उच्च न्यायालय में सरकार व असफल अभ्यर्थियों के बीच लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी गयी। और फैसला सरकार व चयनित लेखपालों के पक्ष में आया जिसके क्रम में सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रतिवादियों की सारी आपत्तियां खारिज करते हुए पूर्व नियुक्ति को सही माना। उच्चतम

न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए योगी सरकार ने सभी जिलों में एक कार्यक्रम कर सभी को नियुक्ति पत्र वितरित करने के आदेश तत्काल जारी कर दिए। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ प्रयागराज के जिलाध्यक्ष राजकुमार सागर संग जिला मंत्री अवनीश पाण्डेय ने बताया कि मुख्य राजस्व अधिकारी कुँवर पंकज ने जिले के सभी उप जिलाधिकारी को आदेश दिया कि लेखपालों को हल्के आवंटित कर उनको उत्तरदायित्व सौप दिया जाए। देर शाम तक सभी नव नियुक्त लेखपालों को हल्का प्रदान कर दिए गए जिला अध्यक्ष ने बताया कि वर्तमान में 950 लेखपाल के सापेक्ष साढे 300 लेखपाल कार्य करते थे । सभी लेखपालों के पास चार से पांच हल्के थे। नए लेखपालों के आ जाने से जिनकी संख्या अब लगभग 580 हो जाएगी। जिससे किसानों का राजस्व संबंधी कार्य समय से तथा जल्द हो सकेगा। और राजस्व कार्यों में तीव्रता आएगी।

दो घंटे की बारिश में झूंसी की सड़कें जलमग्न

नाला निर्माण के कार्य में सुस्ती से बड़ी समस्या

अखंड भारत संदेश

झूंसी। नगर निगम की ओर से जल निकासी की समस्या समाधान के दावों पर दो घंटे की बारिश ने पानी फेर दिया। बुधवार की दोपहर अचानक हुई मूसलाधार बारिश से झूंसी की सड़के जलमग्न हो गई। जिसकी वजह से राहगीरों को मुशीबत का सामना करना पड़ा। उमस भरी गर्मी में सोमवार को दोपहर हुई झमाझम बारिश से राहत तो मिल गई पर झूंसी की अधिकांश सड़कों पर एक से डेढ़ फीट तक पानी भर गया। छतनाग रोड व पुरानी झूंसी से नई झूंसी जाने वाले मार्ग का तो बहुत ही बुरा हाल था। दोनो सड़को पर नाला निर्माण व सड़क निर्माण कार्य इतना धीमा चल रहा है हल्की सी बारिश में सड़क तालाब में तब्दील हो जाती है। सड़कों पर बने जानलेवा गड्ढे पानी भरने की

वजह से और भी घातक बन जाते है। झूंसी की वीआईपी कॉलोनी में सुमार आवास विकास कॉलोनी योजना तीन और दो के मुख्य मार्ग पर भी लोगों के घुटने तक पानी पहुंच गया। अतुल मिश्रा का कहना है कि जब तक नालो से अवैध अतिक्रम नही हटेगा जल निकासी की समस्या बनी रहेगी। कोहना पार्षद अनिल यादव धुन्नू ने बताया कि लाल चौक पर नाला निर्माण का कार्य जल्द शुरू होगा। जिससे आवास विकास कॉलोनी योजना 3 के मुख्य मार्ग पर जल भराव की समस्या का समाधान हो जाएगा।

नगर आयुक्त द्वारा कुम्भ मेला के कार्यों का निरीक्षण

प्रयागराज। नगर आयुक्त नगर निगम प्रयागराज, श्री चन्द्रमोहन गर्ग द्वारा आज दिनांक 10 जुलाई 2024 को आगामी कुम्भ मेला के दृष्टिगत शहर के विभिन्न स्थलों पर हो रहे कार्यों का निरीक्षण किया गया। सर्वप्रथम नगर आयुक्त द्वारा एम0आर0एफ0 प्लांट अशोक नगर स्थित कैम्पस के अन्दर कार्य कर रही निर्माण एजेन्सी को निर्देशित किया गया कि कैम्पस के अन्दर ही एजेन्सी कार्य करेगी तथा कैम्पस के बाहर नगर निगम द्वारा सड़क मरम्मत तथा निर्माण कार्य किया जाऐगा। लोक सेवा आयोग गेट के निर्माण के दौरान नगर आयुक्त ने निर्देशित किया कि गेट के निर्माण में लगने वाले पत्थर के कलर (रंग) के सम्बन्ध में आयोग के चेयरमैन से बात करने के उपरान्त ही पत्थर लगवाने का कार्य पूर्ण कराया जाए। मजार तिराहे से शिवकुटी पुलिस चौकी तक हो रहे मार्ग प्रकाश स्थापना कार्य के दौरान पोल के पिलर में निर्माण के दौरान बाइब्रेटर मशीन नही चलाई गयी, क्यूरिंग व डेप्थ भी सही नही पायी गयी साथ ही मानक के अनुरूप कार्य व गुणवत्ता भी नही पायी गयी जिसके फलस्वरूप नगर आयुक्त द्वारा पोल के पिलर को तोड़ कर पुनः बनाये जाने के निर्देश दिये साथ मुख्य अभियन्ता को सम्बन्धित फर्म पर अर्थदण्ड लागये जाने के निर्देश दिये गये। गोविन्दपुर पानी की टंकी से शुक्ला मार्केट ईश्वर शरण डिग्री कालेज होते हुए पहलवान बाबा मजार तक ग्रेडेशन मैटेरियल मानक के अनुरूप नही पाया जिससे नगर आयुक्त द्वारा मुख्य अभियन्ता विद्युत को निर्देशित किया कि सम्बन्धित फर्म पर अर्थदण्ड लगाया जाए। सलोरी पावर हाउस ईश्वर शरण होते हुए स्वराज नगर तक सी0सी0 नाली निर्माण के निरीक्षण के दौरान नाली का एलाइन्मेन्ट सही नही पायी गयी जिसे नगर आयुक्त ने तोड़कर पुनः निर्माण कराये जाने के निर्देश मुख्य अभियन्ता को दिये गये, तथा सम्बन्धित फर्म पर अर्थदण्ड आरोपित करते हुए अवर अभियन्ता को कारण बताओ नोटिस निर्गत करने के निर्देश दिये गये। चर्चलेन में इण्टर लॉकिग का कार्य कराया जा रहा था इस कार्य के निरीक्षण के दौरान रोड के चौड़ाई अधिक होने के करण डामर रोड बढ़ाए जाने तथा इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं शिथिल्ता न बरते जाने के निर्देश दिये गये। नगर आयुक्त द्वारा कर्नलगंज इण्टर कालेज से एल0आई0सी0 रोड होते हुए जगत तारण डिगी कालेज तक विद्युत पोल लगाये जाने के कार्य के दौरान मुख्य अभियन्ता विद्युत को निर्देशित किया गया पोल लगाये जाने के कार्य में पिलर की जॉच रिपोर्ट अविलम्ब प्रेषित करें।

राजकीय कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 536 पदों पर होगी भर्ती

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) राजकीय महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 536 पदों पर भर्ती करेगा। उच्च शिक्षा निदेशालय ने भर्ती के लिए आयोग को रिक्त पदों का अधियाचन भेज दिया है। वहीं, उच्च शिक्षा निदेशालय और राजकीय महाविद्यालयों में समूह-ग के तहत शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के रिक्त पदों पर भी भर्ती के लिए निदेशालय ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) को अधियाचन भेजा है। असिस्टेंट प्रोफेसर और समूह-ग के पदों पर भर्ती के लिए क्रमशः यूपी पीएससी और यूपी एसएसएससी की ओर से जल्द ही विज्ञापन जारी किया जा सकता है। राजकीय कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए उच्च शिक्षा निदेशालय ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को दो चरणों में रिक्त पदों का अधियाचन भेजा है। पहले चरण में 384 पदों और दूसरे में 152 पदों का अधियाचन भेजा गया है। अभ्यर्थियों को समूह-ग के पदों पर भी कई वर्षों से भर्ती होने का इंतजार है।उच्च शिक्षा निदेशालय में समूह-ग के 23 पदों पर भर्ती के लिए अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को अधियाचन भेजा गया है। इनमें छह पद स्टेनो और 17 पद कनिष्ठ सहायक के हैं। वहीं, राजकीय महाविद्यालयों में समूह-ग के तहत कनिष्ठ सहायक के 52 पदों पर भर्ती के लिए अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को अधियाचन भेजा गया है। इनमें 22 पद अनारक्षित, 12 पद अन्य पिछड़ा वर्ग, 10 पद अनुसूचित जाति, चार पद अनुसूचित जनजाति और चार पद आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आरक्षित हैं।

आयोग को स्क्रीनिंग परीक्षा नियमावली मंजूर होने का इंतजार : उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को राजकीय महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए अधियाचन तो मिला चुका है। लेकिन, विज्ञापन जारी करने के लिए आयोग को शासन स्तर से स्क्रीनिंग परीक्षा की नियमावली को स्वीकृति मिलने का इंतजार है। असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों पर सीधी भर्ती होती है। अब तक केवल इंटरव्यू में मिले अंकों के आधार पर अभ्यर्थियों का चयन किया जाता था। लेकिन, नई व्यवस्था के तहत अभ्यर्थी के चयन में स्क्रीनिंग परीक्षा के अंक भी जोड़े जाएंगे। स्क्रीनिंग परीक्षा के 75 फीसदी और इंटरव्यू के 25 अंक जोड़कर चयन की मेरिट बनाई जाएगी। स्क्रीनिंग परीक्षा की प्रस्तावित नियमावली को मंजूरी मिलते ही आयोग भर्ती का विज्ञापन जारी करेगा।

स्वास्थ्य विभाग को मिले 70 एनेस्थेटिस्ट :

प्रयागराज। यूपीपीएससी ने चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग (एलोपैथी) में चिकित्साधिकारी ग्रेड-2 एनेस्थेटिस्ट के 460 पदों पर सीधी भर्ती का चयन परिणाम मंगलवार रात जारी कर दिया। आयोग ने 70 अभ्यर्थियों को चयनित घोषित किया है। वहीं, 85 फीसदी पद अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होने के कारण खाली रह गए।एनेस्थेटिस्ट के 460 पदों में 112 पद अनारक्षित श्रेणी, 164 पद अन्य पिछड़ा वर्ग, 127 पद अनुसूचित जाति, 11 पद अनसूचित जनजाति और 46 पद आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित थे। 20, 21 एवं 22 जून को हुए इंटरव्यू के आधार पर आयोग ने 70 अभ्यर्थियों को श्रेष्ठताक्रम के अनुसार चयनित घोषित किया है। सभी चयनित अभ्यर्थी अनारक्षित श्रेणी के हैं।आयोग के संयुक्त सचिव विनोद कुमार सिंह के अनुसार अभ्यर्थी उपलब्ध न होने के कारण बाकी पद खाली रह गए। इनके पुनर्विज्ञापन की संस्तुति की गई है।

जिले के 157 लेखपालों को बांटा गया नियुक्ति पत्र

सीएम द्वारा नव नियुक्त लेखपालों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का हुआ सजीव प्रसारण

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया के अन्तर्गत चयनित नव नियुक्त लेखपालों को नियुक्ति पत्र का वितरण लोक भवन लखनऊ में किया जिसका सजीव प्रसारण तुलसीसदन (हादीहाल) सभागार में आयोजित किया गया। नियुक्ति पत्र के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण का अवलोकन विधायक विश्वनाथगंज जीत लाल पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, मुख्य राजस्व अधिकारी राकेश कुमार गुप्ता, विधायक सदर प्रतिनिधि अरूण कुमार मौर्य, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश त्रिपाठी, समस्त तहसीलों के उपजिलाधिकारी व नवनियुक्त

नियुक्ति पत्र के साथ लेखपाल, विधायक, सीआरओ व एसडीएम।

लेखपालों द्वारा किया गया।

इसी क्रम में तुलसीसदन सभागार में नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें जनपद के नवनियुक्त लेखपालों क्रमशः तहसील सदर के 29, पट्टी तहसील के 32, रानीगंज के 13, लालगंज के 32 व कुण्डा तहसील के 51 लेखपालों को नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया। इस प्रकार से जनपद के कुल 157 लेखपालों को जनप्रतिनिधियों/मुख्य राजस्व अधिकारी द्वारा नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया।

इस अवसर पर विधायक विश्वनाथगंज जीत लाल पटेल ने नवनियुक्त लेखपालों को बधाई एवं शुभकामना देते हुये कहा कि लेखपालों की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण होती है, वह अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी एवं पारदर्शी ढंग करें, लोगों के बीच में अच्छी छवि बनाये, कोई गलत कार्य न करें, अपने कार्यकाल में बेहतरीन कार्य करने का प्रयास करते रहे जिससे आपकी अच्छाईयों को लोग याद करें। पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि राजस्व मामलों में लेखपाल का पद बहुत ही महत्वपूर्ण होता है इसलिये नवनियुक्त लेखपाल गरीब, असहाय व्यक्तियों के जमीन सम्बन्धी विवादों का निस्तारण ईमानदारी पूर्वक करे जिससे उनके चेहरे पर खुशी आ सके, यदि किसी भी प्रकार की समस्या आये तो अपने वरिष्ठ अधिकारियों को संज्ञान में लाये जिससे उसका निराकरण कराया जा सके। आपकी पहचान आपके कार्यो एवं परिश्रम से जानी जायेगी। मुख्य राजस्व अधिकारी राकेश कुमार गुप्ता ने कहा कि नवनियुक्त लेखपालों को बधाई एवं शुभकमानायें देते हुये कहा कि नवनियुक्त लेखपाल सौंपे गये कार्यो में खरे उतरे, समाज के समाने अपनी अच्छी छवि प्रस्तुत करें एवं लोगों के विश्वास पर खरे उतरे, अच्छे कार्यो से ही देश व समाज को ऊपर ले जा सकेगें। उन्होने कहा कि राजस्व या अन्य सम्बन्धी आनलाइन जो भी आवेदन आये उसका निस्तारण प्राथमिकता एवं निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत किया जाये। इसके अतिरिक्त विधायक सदर प्रतिनिधि अरूण कुमार मौर्य एवं लेखपाल संघ के जिला अध्यक्ष एनुल हसन ने नवनियुक्त लेखपालों को बधाई दी एवं अपने-अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन डा0 मो0 अनीस ने किया।

कांग्रेसियों ने सदर विधान सभा के बूथों पर किया पौधरोपण

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। राजीव गांधी वृक्षारोपण अभियान के तहत बुधवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सदर के प्रभारी मो.वसीम के नेतृत्व में सदर विधानसभा क्षेत्र के पूरे पितई करनपुर व मकंदूगंज पंजाबी मार्केट में अमरूद, जामुन, आंवला व सहजन फलदार पौधा रोपित किया गया।

इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सदर ब्लॉक प्रभारी मो. वसीम के नेतृत्व में नगर के पूरे पितई करनपुर बूथ नो 41, 42 व मकंद्रूगंज पंजाबी मार्केट बूथ नो 22 में पूर्व प्रधानमन्त्री भारत रत्न स्व.राजीव गांधी जी की याद में पौधा रोपण का कार्य किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने प्रकृति को बचाने के संकल्प के साथ रोपे गए पौधों को संरक्षित करने का वचन लिया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राधेश्याम दूबे ने कहा कि पर्यावरण को बचाने और प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने के लिए पौधारोपण जरूरी है, प्रति बूथ एक वृक्ष लगाने के लिए जनपद के सभी बूथ अध्यक्षों को निर्देशित किया गया। पौधारोपण के दौरान पूरे पितई करनपुर बूथ (41) अध्यक्ष एजाज अहमद, पूरे पितई करनपुर बूथ (42) अध्यक्ष मो.साहिल, मकंदूगंज पंजाबी मार्केट बूथ (22) अध्यक्ष मो.शमीम, मो0 सईद, नौशाद आलम, मो0 जावेद, राजा, बशीर, शाकिर, मो0 नौशाद, सलामत, विवेक, मो0 अली, मो0 जैद, मो जीशान सहित अनेक कांग्रेस जन मौजूद रहे।

विद्यालय में जहरीले सांप निकलने से बच्चों में मची भगदड़

सोशल मीडिया पर हो रहा है वीडियो वायरल

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। तहसील क्षेत्र के अंतपुर गांव में स्थित कंपोजिट विद्यालय में जहरीले सांप देख बच्चों में भगदड़ मच गई। अध्यापक किसी तरह सांप को बाहर निकालें तब जाकर राहत की सांस ली। बता दें की सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। जिसमें विद्यालय परिसर में जहरीला सांप दिखाई दे रहा है।

यह वीडियो अंतपुर कंपोजिट विद्यालय का बताया जा रहा है।

विद्यालय में घूमता जहरीला सांप।

मंगलवार की सुबह बच्चे विद्यालय आए हुए थे क्लास के अंदर बेंच के नीचे जहरीला सांप देख बच्चों में चीख पुकार मच गई। यह सब देख अध्यापक गण मौके पर आए, और जहरीले सांप को किसी तरह बाहर निकालें तब जाकर राहत की सांस ली। वही पट्टी तहसील क्षेत्र में प्राथमिक विद्यालय व उच्च माध्यमिक विद्यालय के आस-पास साफ सफाई न होने के चलते जहरीले जंतु विद्यालय में सरण लेते हैं। और क्षेत्र में सफाई कर्मी नियुक्ति होने के बावजूद भी विद्यालय के आस-पास साफ सफाई नहीं की जाती है। इस संबंध में एबीएसए से संपर्क करने की कोशिश की गई तो उनका मोबाइल बंद बता रहा था।

वृद्धाश्रम में वृद्धजनों ने अपने नाम का किया पौधरोपण

क्लब ने वृद्धाश्रम में रह रहे वृद्ध दादा दादी के नाम किया पौधरोपित

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। एलायंस क्लब द्वारा चलाए जा रहे पौधारोपण-पौध वितरण अभियान के क्रम में आज वृद्धाश्रम महुली के वृद्ध दादा दादी से मिलकर उनका आशीर्वाद लिया। पौधरोपण अभियान का नेतृत्व कर रहे क्लब के इंटरनेशनल डायरेक्टर समाजसेवी रोशनलाल उमरवैश्य ने बताया कि क्लब जनमानस को जागरूक कर सभी से अपील कर रहा है कि एक पौधा अपनी मां के नाम लगाकर उसकी सुरक्षा करें।

इसी क्रम में आज क्लब के नेतृत्व में वृद्धजनों ने वृक्षारोपण किया

वृद्धाश्रम में पौधरोपण करते क्लब के पदाधिकारी।

और संकल्प लिया कि 20 जुलाई को हम सब अपनी मां के नाम पौधरोपित कर उसकी देखरेख करने की पूरी कोशिश करेंगे। रोशनलाल ने बताया कि क्लब का पौधारोपण अभियान निरंतर 15 अगस्त तक चलता रहेगा। बृहद पौधरोपण-पौधवितरण अभियान 20 जुलाई को किया जाएगा। जिसमें जनमानस के साथ-साथ वृद्धाश्रम के वृद्धजन अपनी मां के नाम पौधरोपित करेंगे और सभी जनमानस से अपील है कि पौधरोपित कर उसे उसी तरह देखरेख करें जैसे मां अपने बेटे का करती हैं। जिससे पर्यावरण बचाया जा सके और जिले में जिला प्रशासन की पहल पर डीएफओ एवं वनराज अधिकारी सदर का विशेष सहयोग क्लब को मिल रहा है। सबसे बुजुर्ग 102 वर्ष के दादा जयराम के नाम से पौधरोपित कर शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात सभी वृद्धजनों ने पौधरोपित किया। पौधरोपित करने वालों में शिव बाबू मिश्रा, आशिक अली, रामकुमार, काशी प्रसाद, रामगोपाल गुप्ता, शिवचंद्र शुक्ला, रामबोध, राम बहादुर मौर्य, राम गरीब, प्रभु देवी, गोमती देवी, सरिता देवी, शीला, ललिता, माला देवी आदि के द्वारा पौधरोपित किया गया। वृद्धाश्रम के प्रबंधक अंबिका प्रसाद ने कहा कि एलायंस क्लब के डायरेक्टर रोशनलाल उमरवैश्य के द्वारा किए गए कार्य बहुत ही सराहनीय है। इस अवसर पर अंबिका प्रसाद, वनराज अधिकारी अनूप कनौजिया, डॉ0 दयाराम मौर्य, परियोजना अधिकारी शिवम यादव, डिप्टी रेंजर केपी यादव, लक्ष्मीकांत द्विवेदी, छेदीलाल, संतोष कुमार, देवानंद, आदर्श कुमार, विवेक कुमार, शिवेश शुक्ला, परमानंद मिश्रा, सूरज उमवैश्य, आशीष, ऋषभ, शनि महाराज, सोनू महाराज, अर्चना खंडेलवाल, सुधा अग्रवाल, पूनम गुप्ता, रेखा उमरवैश्य, ज्योति आदि अभियान में लगकर जगह-जगह पौधरोपण-पौधवितरण कर रहे हैं।

जिले में गरज के साथ हुई वर्षा, गर्मी व उमस से मिली राहत

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। दो दिनों से भयंकर उमस व गर्मी से लोग परेशान थे। बुधवार को भी तेज धूप निकली लेकिन अपरान्ह में लगभग सवा चार बजे तेज आवाज के साथ आसमान गरजा और फिर गरज के साथ वर्षा शुरु हो गई। इससे गर्मी व उमस से लोगों को राहत ही नहीं मिली बल्कि तीन दिनों से वर्षा न होने से किसान भी चिन्तित थे कि उनकी बेहन कहीं सूख न जाए लेकिन बुधवार को वर्षा ने जहां गर्मी से लोगों को राहत दी, वहीं किसानों के भी चेहरे खिल गये। बताया जाता है कि आज 25 मिलीमीटर वर्षा हुई और अधिकतम तापमान 37.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27.5 डिग्री रहा।

जिला विद्यालय निरीक्षक ने विद्यालय का किया औचक निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

पट्टी प्रतापगढ़। स्थानीय रामराज इंटर कॉलेज में बुधवार को शिक्षण के दौरान अचानक पहुंचे जिला विद्यालय निरीक्षक ओमकार राणा द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक ने विद्यालय के अभिलेख, छात्र उपस्थित पंजिका,कक्षावार टाइम टेबल,अध्यापक उपस्थित पंजिका तथा एमडीएम में बन रहे भोजन की गुणवत्ता का निरीक्षण किया और अध्यापकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक ने छात्रों के पठन-पाठन व खेलकूद,विद्यालय परिसर में साफ सफाई तथा विद्यालय में आयोजित की जाने वाली विभिन्न प्रतियोगिता में बढ चढकर भाग लेने के लिये प्रेरित तथा जागरूक किया। जिला विद्यालय

डीआईओएस को माला पहनाकर सम्मानित करते प्राचार्य।

निरीक्षक ने विद्यालय में छात्रों एवं अध्यापकों की निर्धारित समय पर शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराये जाने तथा छात्रों को निर्धारित ड्रेस में विद्यालय आने के सम्बंध में कठोर कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया। वही निरीक्षण के बाद जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा विद्यालय के शिक्षण व्यवस्था व अभिलेखों के रख रखाव और विद्यालय में छात्र संख्या देखकर प्रधानाचार्य की काफी सराहना किया गया। विद्यालय में शिक्षण का माहौल सुचारू रूप से बनाया जाना चाहिए जिससे छात्रों को बेहतर शिक्षा प्रदान किया जा सके। इस दौरान विद्यालय के प्राचार्य रमेश चंद्र मिश्र ने जिला विद्यालय निरीक्षक को माला पहनाकर स्वागत किया।

दुर्घटना में बाल-बाल बचे लालगंज प्रमुख, कार हुई क्षतिग्रस्त

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। तीव्र गति से आ रही बोलेरो ने कार को टक्कर मार दी। दुर्घटना में कार में सवार लालगंज ब्लाक प्रमुख इं. अमित प्रताप सिंह पंकज बाल बाल बच गये। वहीं कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी। अनियंत्रित बोलेरो भी खडढ में जा गिरी। लालगंज प्रमुख अमित सिंह मंगलवार की रात करीब दस बजे बेलहा से लालगंज अपने घर वापस आ रहे थे। लालगंज कालाकांकर हाइवे पर अझारा के समीप तीव्र गति से आ रही बोलेरो ने कार को टक्कर मार दिया। हालांकि ब्लाक प्रमुख बाल बाल बच गये। जानकारी होने पर बुधवार की सुबह क्षेत्रीय प्रधानों, बीडीसी सदस्यों व स्थानीय लोग बड़ी संख्या में प्रमुख के घर पहुंचकर उनका कुशलछेम लिया।

परियावां मुस्लिम बस्ती में बज बजा रही नालियां, दो सफाई कर्मियों की गांव में है तैनाती

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। विकास क्षेत्र कालाकांकर की सबसे बड़ी आवादी वाली ग्राम पंचायत परियावां मे दो दो सफाई कर्मियों की डियूटी होने के बाबजूद भी परियावां बस्ती के अंदर नालिया बज बजा रही है जिसको कोई साफ करने वाला नही है जब कि अगले हफ्ते मोहर्रम का त्योहार भी है जिसमे ताजिया जुलुस निकाला जायेगा ऐसे मे गंदगी के बीच त्योहार को देखते हुए ग्रामवासियो मे आक्रोश है।

बुधवार को बजबज़ा रही नालिया की सफाई कराने के लिए मोहल्ले के लोगो ने 20 -20 रुपया हर घर से चंदा लेकर बाहरी मजदूर से चोक व गंदगी से भरी हुई नालियों की सफाई कराया जब कि गांव मे दो सफाई कर्मियों की डियूटी लगाई गई है फिर भी उनको

मुस्लिम बस्ती में लगा गंदगी का अम्बार।

बज बजा रही नाली नही दिखाई दे रहा है। ग्राम वासियो ने कालाकांकर खंड विकास अधिकारी प्रवीन कुमार श्रीवास्तव व प्रभारी एडीओ पंचायत सुशील कुमार जायसवाल का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुए मोहर्रम त्योहार के पहले मुस्लिम बस्ती की सभी नालियों की सफाई टीम भेजकर कराने की मांग की है बिजली साफ सफाई के बीच त्योहार सम्पन्न हो सके। ग्राम वासियों में लाल मिया, शहजादे, मुन्ना, फारूक, वकील, अकरम अंसारी, मुन्ना पंडा, अमृत मौर्या, बाबादीन, गनेश चैरसिया आदि लोग रहे।

वरिष्ठ व्यापारी के आकस्मिक निधन पर जताया गया शोक

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर के वरिष्ठ व्यापारी श्यामलाल जायसवाल 70 का गंभीर बीमारी के चलते मंगलवार की रात आकस्मिक निधन हो गया। निधन की जानकारी मिलने पर बुधवार को बाजार में शोक छा गया। इसके चलते अधिकांश प्रतिष्ठान दोपहर तक बंद दिखे। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी तथा क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना ने स्वर्गीय श्यामलाल के निधन को दुखद ठहराते हुए कोरोनाकाल में उनके दिये गये सामाजिक योगदान को अविस्मरणीय बताया। वहीं चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल, अनिल त्रिपाठी महेश ने भी श्यामलाल के आवास पर पहुंचकर संवेदना प्रकट की। इधर व्यापारियों की हुई शोकसभा में भी वरिष्ठ साथी श्यामलाल जायसवाल के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। अध्यक्षता उद्योग व्यापार मण्डल के अध्यक्ष उदयशंकर दुबे व संचालन अंजनी कौशल ने किया। इस मौके पर डा. ओमप्रकाश जायसवाल, सभासद दारा सिंह, सभासद आशीष कौशल, पूर्व सभासद रमेश जायसवाल, सदाशिव जायसवाल, विजय कौशल, केदार जायसवाल, दिनेश सिंह, एबादुर्रहमान, ओंकार वैश्य, राजकुमार मिश्र, मुन्ना तिवारी, पप्पू जायसवाल आदि रहे।

किशोरी का अपहरण, तीन के खिलाफ मुकदमा

लालगंज, प्रतापगढ़। किशोरी के अपहरण को लेकर लालगंज पुलिस ने तीन आरोपियो के खिलाफ केस दर्ज किया है। कोतवाली के जेंवई निवासी छोटे लाल के पुत्र गुल्ली सरोज ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती आठ जुलाई को रात्रि आठ बजे गांव के ही विशाल सरोज ने उसकी सत्रह वर्षीया पुत्री को भगा ले गया। तहरीर में कहा गया है कि किशोरी के अपहरण में आरोपी की बहन मीना तथा चाचा सुरेश सरोज भी शामिल रहा। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मंगलवार की रात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

चोरों के हौसले बुलंद, पुलिस से उठा भरोसा

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। जिले के संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र में बीते तीन दिनों से आये दिन हो रही चोरियों का सिलसिला जारी है स्थानीय थाना क्षेत्र के परिहार का पुरवा गांव में मंगलवार की बीती रात अज्ञात चोरों ने जयप्रकाश सिंह के घर के पीछे दीवार काट कर घर में रखा 10 हजार रुपया नगदी समेत जेवरात ले जाने में सफल रहे जिसमें चोरों ने पायल झुमका अंगूठी आदि सामान पर हाथ साफ किया वैसे तो जयप्रकाश सिंह पुत्र स्वर्गीय फतेह बहादुर सिंह रोजी-रोटी कमाने के वास्ते गुजरात में पूरे परिवार के साथ रहकर प्राइवेट नौकरी करते हैं घर पर उनकी मां अकेली रहती है। इसी क्रम में थाना क्षेत्र के कालू सिंह का पुरवा बीते 3 दिन पूर्व रात को अज्ञात चोरों ने दीवार फाद कर चार घरों के नगदी एवं आभूषण घर के अंदर घुस कर कमरों में बंद तालों की कुंडी काटकर नगदी गहने और कपड़े इत्यादि कीमती सामान ले जाने में सफल रहे बता दे कि संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के कालू सिंह का पुरवा निवासी संगम लाल पटेल के घर से 20 हजार की नगदी एवं समेत लाखों कर के आभूषण उठा ले जाने में सफल रहे इसी प्रकार इसी गांव निवासी देवकी यादव, रमेश कुमार शुक्ला, हरकेश पटेल के घर में चोरों ने दीवार फादकर घुसे और लाखों का सामान लेकर भागने में सफल रहे अगली रात संग्रामगढ बाजार में बिल्डिंग मटेरियल कमलेश यादव पुत्र रामपाल यादव निवासी पानिगौ थाना मानिकपुर की दुकान में लाखों रुपए के लोहा एवं कटर मशीन ले जाने में सफल रहे घटना की जानकारी जब लोगों को सुबह तब हुई जब सुबह लोग सो कर उठे तभी गृह स्वामी ने संग्रामगढ़ थाने में पहुंचकर लिखित प्रार्थना पत्र देकर घटना के संबंध में बताया इस मामले में थाना प्रभारी सत्येंद्र सिंह भदोरिया से पूछे जाने पर बताया कि चार घरों में चोरी हुई है जिसकी जांच पड़ताल की जा रही है।

कच्चे मार्ग पर खड़ंजा कराएं जाने के लिए डीएम से मांग

पट्टी, प्रतापगढ़। प्राथमिक विद्यालय से बस्ती में जाने वाले कच्चे मार्ग पर खड़ंजा बिछाए जाने के लिए ग्राम प्रधान सहित सैकड़ों ग्रामीणों ने जिला अधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। जिससे आवागमन सुचारू रूप से हो सके। विकास खंड शिवगढ़ के अंतर्गत ग्राम पंचायत विष्णुपुर कला में प्राथमिक विद्यालय से गांव में जाने के लिए एक कच्चा मार्ग है। जिस पर ग्रामीण लगभग 60-70 वर्षों से आते जाते हैं। लेकिन उस पर खड़ंजा न होने से ग्रामीणों को बरसात में भारी कठिनाइयों का सामान करना पड़ता है तथा बच्चे स्कूल भी नहीं जा पाते। जबकि प्राथमिक विद्यालय तक खड़ंजा लगा हुआ है। इस कच्चे मार्ग पर प्राथमिक विद्यालय से बस्ती में जाने के लिए लगभग 150 मीटर खड़ंजा लगवाने के लिए गांव के ग्राम प्रधान रन्जू मिश्रा, शंकर लाल पटेल, विजय बहादुर, जगन्नाथ, अवधेश राम नरेश, राज बहादुर महेंद्र कुमार नितिन सहित दो दर्जन से अधिक लोगों ने जिला अधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर कच्चे मार्ग पर खड़ंजा लगवाएं जाने की मांग की है।

डीएम ने दो उपजिलाधिकारी का किया स्थानान्तरण

तीन नायब तहसीलदारों को प्रभारी तहसीलदार के पद पर किया नामित

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी/जिला मजिस्टेट्रट संजीव रंजन ने जनपद में तैनात दो उपजिलाधिकारी का स्थानान्तरण कर दिया है। उन्होने उपजिलाधिकारी/उप जिला मजिस्टेट्रट लालगंज प्रवीण कुमार द्विवेदी को अपर उपजिलाधिकारी (प्रथम) प्रतापगढ़ के पद पर स्थानान्तरित किया है तो वहीं अपर उपजिलाधिकारी (प्रथम) प्रतापगढ़ शैलेन्द्र कुमार वर्मा को उपजिलाधिकारी/उप जिला मजिस्टेट्रट लालगंज के पद पर स्थानान्तरित किया है। जिले में कार्यरत तहसीलदारों का अन्यत्र जनपद में स्थानान्तरण हो जाने के कारण जनपद के कई तहसीलों में तहसीलदार का पद रिक्त हो गया है। ऐसी दशा में जिलाधिकारी/जिला मजिस्टेट्रट ने जनहित एवं कार्यहित में तीन नायब तहसीलदारों को प्रभारी तहसीलदार के पद पर नामित किया है। उन्होने नायत तहसीलदार पट्टी पवन कुमार सिंह को प्रभारी तहसीलदार पट्टी के पद पर, नाय तहसीलदार कुण्डा अजय कुमार सिंह को प्रभारी तहसीलदार कुण्डा के पद पर एवं नायब तहसीलदार सदर आनन्द कुमार को प्रभारी तहसीलदार सदर के पद नामित किया है। उन्होने नामित प्रभारी तहसीलदारों को निर्देशित किया है कि अपनी तहसील में तहसीलदार के दायित्वों का निर्वहन करते हुये धारा-67 उ0प्र0रा0सं0 के वादों को छोड़कर अन्य वादों का निस्तारण भी सुनिश्चित करेंगे।

ट्रेन से कटकर मार्केटिंग इंस्पेक्टर की मौत

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिले के मानधाता क्षेत्र में तैनात मार्केटिंग इंस्पेक्टर सुरेन्द्र सिंह की बुधवार की भोर में मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से कटकर मौत हो गई। बताया जाता है कि वह काशी विश्वनाथ टेड्रन पकड़कर अपने घर सोनभद्र जाना चाहते थे। उनका पैर फिसला और वह ट्रेन के नीचे आ गये। इससे उनकी दुखद मौत हो गई। उनके मौत की सूचना पर रेलवे पुलिस सक्रिय हुई और टेड्रन जाने के बाद उनका कटा हुआ शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिये

सुरेन्द्र सिंह (फाइल फोटो)।

भेजा गया। इसकी सूचना घरवालों को भेज दी गई है। बताया जाता है कि घर में कोहराम मच गया है।

नव-नियुक्त 38 लेखपालों को वितरित किया नियुक्ति-पत्र

जनपद कौशाम्बी को कुल 38 लेखपाल मिलें, जिसमें मंझनपुर तहसील को 16, सिराथू-17 एवं चायल को 05

अखंड भारत संदेश

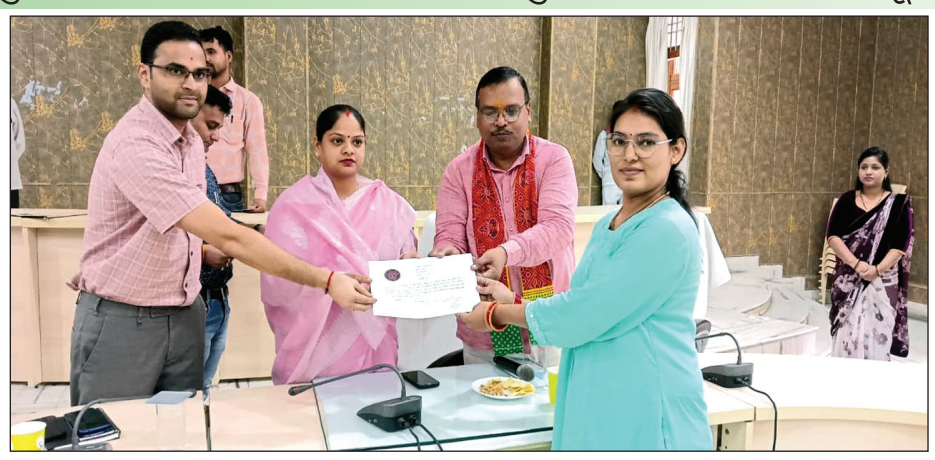

कौशाम्बी। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लोकभवन, लखनऊ में आयोजित नियुक्ति-पत्र वितरण कार्यक्रम में उ0प्र0 अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित 7720 लेखपालों को नियुक्ति-पत्र वितरित किया। इसका सजीव प्रसारण उदयन सभागार कौशाम्बी में आयोजित कार्यक्रम में किया गया तथा उपस्थित चयनित लेखपालों ने मुख्यमंत्री के उद्बोधन को सुना। अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती कल्पना सोनकर, भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य एवं जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने नव-नियुक्त 38 लेखपालों को नियुक्ति-पत्र वितरित करते हुए लेखपालों को बधाई एवं उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकॉमनायें दीं। जनपद कौशाम्बी को कुल 38 लेखपाल मिलें हैं, जिसमें मंझनपुर तहसील को 16, सिराथू-17 एवं चायल को 05 लेखपाल मिलें हैं। अध्यक्ष जिला पंचायत ने नव नियुक्त लेखपालों से कहा कि आप लोग अपनी मेहनत एवं परिश्रम से यहॉ तक पहुॅचे हैं। नियमानुसार शासकीय कार्यों का सम्पादन करें। उन्होंने नव-नियुक्त लेखपालों को बधाई एवं उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकॉमनायें दी।भाजपा जिलाध्यक्ष ने नव-नियुक्त लेखपालों को हार्दिक शुभकॉमनायें देते हुए कहा कि आप लोग अपने परिश्रम एवं मेहनत से इस अवसर को प्राप्त कियें हैं। उन्होंने कहा कि गॉव में राजस्व से जुड़ी हुई छोटी-छोटी समस्याओं के निस्तारण में आप महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्होने नव नियुक्त लेखपालों से अपेक्षा की कि अपने कार्यों को जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करते हुए लोगों की समस्याओं को जमीनी स्तर पर ही निस्तारित करेंगे। जिलाधिकारी ने नव-नियुक्त लेखपालों से कहा कि आप लोगों को सरकारी कर्मचारी के रूप में कार्य करने का सुनहरा अवसर मिला है कि अपने कार्यों से छोटी-छोटी समस्याओं का निस्तारण करते हुए उत्कृष्ट कीर्तिमान स्थापित करें। लेखपाल राजस्व विभाग की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। लोगों से विनम्रतापूर्वक संवाद करें। पारदर्शी तरीके से अपने कार्यों को सम्पादित करें। उन्होंने कहा कि राजस्व संहिता का विधिवत अध्ययन करें एवं समय-समय पर जारी शासनादेश को विधिवत पढ़ें, जिससे गॉव में राजस्व से जुड़ी हुई छोटी-छोटी समस्याओ को नियमानुसार आसानी से निस्तारित कर सकें।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अरूण कुमार गोंड, उप जिलाधिकारी मंझनपुर आकाश सिंह, सिराथू महेन्द्र कुमार श्रीवास्तव एवं चायल योगेश कुमार गौड़ उपस्थित रहे।

बरियावाँ गांव की तरफ भाग रही नीलगाय की गोली मारकर हत्या

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के नेवादा ब्लाक के ग्राम सभा बरियावां में रविवार को किसी ने एक नीलगाय की गोली मारकर हत्या कर दी। जानकारी के मुताबिक ससुर खदेरी नदी की तरफ से बरियावाँ गांव की तरफ भाग रही नीलगाय को गोली मार दी गई है घायल अवस्था में नीलगाय पुलिस चौकी के बगल में गरीब पटेल के घर के सामने दम तोड दिया है गोली चलने की आवाज सुनकर तमाम लोग मौके पर पहुंच गए हैं बताया जाता है कि गांव के चर्चित शख्स ने लाइसेंसी असलहे से नीलगाय को गोली मारा है। वन विभाग के एक वन्य जीव संरक्षक बताते हैं कि 2013 से लेकर अब तक पूरे प्रदेश में 100 नीलगाय भी नहीं मारी जा सकी हैं. इसमें 'वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम-1972' ही आड़े आ रहा है. इस अधिनियम की धारा 39 में यह व्यवस्था है कि नीलगाय का वध करने के बाद उसके शव पर वन विभाग का ही अधिकार होगा लेकिन वन विभाग के अफसर नहीं पहुंचे हैं नीलगायों को मारने पर रोक लगाने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम इस पर सीधे रोक नहीं लगा सकते. एनिमल वेलफेयर बोर्ड और कुछ एनजीओ की अर्जी पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि इसके लिए सरकार के पास जाना होगा।

राज्य या केंद्र सरकार ही करेगी फैसला :

नीलगाय, बंदर और जंगली सुअरों को मारने के सरकार के आदेश पर रोक लगाने से इनकार करते हुए कोर्ट ने कहा कि इसके लिए केंद्र या राज्य सरकार के पास जाना होगा। पशु अधिकारों के लिए लड़ रहे एक समर्थक ने याचिका देकर बिहार उत्तरप्रदेश उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में इन जानवरों को मारने के आदेश पर रोक लगाने की मांग की थी।

सूखी नहरों में टेल तक जलापूर्ति की सकिपा ने की मांग

अजय सोनी ने कहा कि जल्द ही सूखी नहरों में जलापूर्ति न हुई तो सैकड़ों किसानो के साथ सड़क पर उतरकर होगा प्रदर्शन .

कौशाम्बी समर्थ किसान पार्टी के नेता एवं जिला पंचायत सदस्य अजय सोनी ने जिले के आला अधिकारियों एवं सिंचाई विभाग के अधियारियों से सूखी नहरों में टेल तक जलापूर्ति करने की मांग की है। बुधवार को समर्थ किसान पार्टी के नेता अजय सोनी ने सिराथू ब्लॉक के कई गांवो जैसे जगन्नाथपुर, गंभीरा पूर्व, कलुआपूर, अदमापुर आदि का भ्रमण किया और किसानो से वार्ता की। किसानो ने बताया कि नहरों में पानी न आने से धान की रोपाई नही हो पा रही है। जुलाई का महीना गुजर रहा है और धान की बेहन खराब हो रही है जबकि नहरें सूखी हैं। इस अवसर पर किसान नेता अजय सोनी ने जिले के आला अधिकारियों एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों से मांग किया कि जल्द ही जिले की सभी सूखी नहरों में जलापूर्ति की जाए ताकि किसानो की धान रोपाई हो सके। इस अवसर पर अजय सोनी ने कहा कि समय पर नहरों में जलापूर्ति नही हुई तो किसानो की धान की रोपाई नही हो पाएगी और किसानो का भारी नुकसान होगा। आगे कहा कि नहरों में जल्द ही जलापूर्ति न हुई तो सैकड़ों किसानो के साथ सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया जायेगा। इस अवसर पर करन यादव, लवकुश, शिवबाबू, राकेश विश्वकर्मा, जुम्मन अली आदि मौजूद रहे।

विभागीय योजनाओं में शत-प्रतिशत प्रगति करें सुनिश्चित : राज्यमंत्री

अखंड भारत संदेश

राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) ने की विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा

कौशाम्बी। प्रदेश के राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग नरेन्द्र कश्यप द्वारा बुधवार को कांशीराम गेस्ट हाउस, ओसा में प्रयागराज मण्डल के विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई। बैठक में राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) ने पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं-पूर्व दशम छात्रवृत्ति योजना, दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं प्रतिपूर्ति योजना, शादी अनुदान योजना एवं ओ-लेवल व सी0सी0सी0 कम्प्यूटर प्रशिक्षण योजना तथा दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं-दिव्यांग भरण पोषण अनुदान व कुष्ठावस्था पेंशन योजना, दिव्यांग भरण पोषण अनुदान योजना व कुष्ठावस्था पेंशन योजनान्तर्गत फेमली आईडी/राशन कार्ड रहित दिव्यांग पेंशनर के सत्यापन की स्थिति, दुकान निर्माण/संचालन योजना की प्रगति, शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना की प्रगति, कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण योजनान्तर्गत चिन्हांकन/पंजीकरण की स्थिति आदि योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा के दौरान सभी अधिकारियों से कहा कि विभागीय योजनाओ में लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित कर पात्र लोगों को लाभान्वित किया जाय। राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) ने कहा कि विगत वर्षों में ओ-लेवल व सीसीसी कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले लाभार्थियों को रोजगार मिला या नहीं, इस पर विशेष ध्यान देते हुए प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकें लाभार्थियों के रोजगार की स्थिति की नियमित समीक्षा करते रहें। उन्होंने कहा कि दिव्यांग पेंशन के आवेदन प्राप्त होते ही सत्यापन कराकर पात्र लोगों को लाभान्वित किया जाय। इसके साथ ही उन्होंने कुष्ठावस्था पेंशन व लाभार्थियों की भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों से कहा कि दिव्यांगजनों को सशक्त एवं सक्षम बनाने के लिए रोजगार से जोड़ने का कार्य किया जाय, इसके लिए रोजगार मेले का भी आयोजन किया जाय तथा उन्हें कौशल विकास का प्रशिक्षण भी दिलाया जाय। सरकार दिव्यांगजनों को सशक्त एवं सक्षम बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बैठक में उप निदेशक पिछड़ा वर्ग शिखी यादव एवं उप निदेशक दिव्यांग अभय श्रीवास्तव सहित मण्डल के सभी जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी एवं जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यूज झरोखा

बाइक सवार को डीजे ने मारा टक्कर अस्पताल ले जाते वक्त मौत

कौशांबी। करारी थाना क्षेत्र के छिमिरछा गांव निवासी जियालाल उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र रामनिवास बाइक से पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र जा रहे थे जैसे ही बाइक सवार पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के घोषरा गांव के पहुंचे तेजगति डीजे चालक ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया जिससे बाइक सवार जियालाल बाइक समेत सड़क पर गिर पड़े हैं और गम्भीर घायल हो गए हैं हादसे के बाद मौके पर आसपास के लोग पहुंचे मामले की सूचना एंबुलेंस और पुलिस को दी गई है मौके पर पहुंची एंबुलेंस घायल जियालाल को इलाज के लिए अस्पताल ले जा रहे थे रास्ते में उनकी मौत हो गई है अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृतक घोषित कर दिया है जानकारी मिलते ही परिवार के लोग भी रोते बिलखते पहुंच गए हैं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

डंफर ने मारी टक्कर बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

कौशाम्बी। जानकारी के मुताबिक बाइक सवार धर्मेंद्र सिंह यादय उम्र लगभग 28 वर्ष पुत्र धारा सिंह यादव निवासी टिकरी ऊपरहार सफदरगंज थाना पूरामुफ्ती प्रयागराज बुधवार की रात 8 बजे टिकरी से मनौरी किसी काम से बाइक द्वारा जा रहा था सामने से आ रही डंफर ने बाइक को टक्कर मार दिया जिससे बाइक सवार का पेट के नीचे का शरीर छत विक्षत हो गया , मौके पर मौजूद लोगो ने 108 डायल पर फोन करके एंबुलेंस बुलाया और हॉस्पिटल भिजवा दिया सूचना पर पिपरी पुलिस भी घटना स्थल पर पहुंच गई डंफर ड्राइवर मौके से फरार हो गया डंफर को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है मामले की जानकारी मिलने के बाद परिवार के लोग भी अस्पताल पहुंच गए।

ढाई लाख रुपए के जेवर नगदी लेकर के आशिक के साथ भागी विवाहिता

कौशाम्बी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के कादीपुर गांव के मजरा बचानी का पूरा के एक युवक की शादी 3 वर्ष पहले ग्राम चकिया धमवा में हिंदू रीति रिवाज से हुई थी युवक की पत्नी 22 जून को रात्रि में अपने आशिक और उसके साथी के साथ घर से ढाई लाख रुपये के सोने चांदी का जेवर और 20 हजार रुपए नगद लेकर ससुराल छोड़कर फरार हो गई है मामले की सूचना युवक ने 23 जून को मंझनपुर कोतवाली पुलिस को दी है आरोप है कि आशिक के भाई पिता और माता युवक को गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं विवाहिता अपने आशिक को छोड़ने को तैयार नहीं है पीड़ित युवक ने मामले की सूचना 10 जुलाई को फिर पुलिस अधीक्षक को देकर विवाहिता को खोजने और उसके आशिक पर कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत निस्तारण बनी मजाक

कौशाम्बी। मुख्यमंत्री पोर्टल आइजीआरएस पर शिकायत करने के बाद निष्पक्ष न्याय पूर्ण तरीके से न्याय की उम्मीद करना मजाक बन गया है जांच के नाम पर जांच अधिकारी झूठी रिपोर्ट लगाकर शिकायतों का निस्तारण कर देते हैं जिससे लोगों की समस्याओं का समाधान नहीं होता है नेवादा ब्लाक के ग्राम पचायत दरहा में सफाई कर्मी की शिकायत सीएम हे0लाईन पर ग्रामीणों ने दर्ज कराई लेकिन ग्राम प्रधान पंचायत सचिव ने मिलकर सीएम हेल्पलाइन की शिकायत में झूठी रिपोट लगा कर शिकायत का निस्तारण कर दिया है जिससे समस्या का समाधान नहीं हुआ है और गांव में सफाई व्यवस्था नहीं शुरू हो सकी है बरसात का दिन शुरू हो गया है जगह-जगह कीचड़ और गंदा पानी भरा हुआ है शिकायतों के निस्तारण में लगे जिम्मेदार अधिकारियों कर्मचारियों को शासन प्रासाशन से जरा डर नही है सच तो यह है की सफाई कर्मी ग्राम प्रधान के घर के आसपास के अलावा कही सफाई नही करता अगर इसी शिकायत की जाँच जिले के अधिकारी से कराया जाए तो नेवादा ब्लाक के सचिव से लेकर कई लोगो की कुर्सी खतरे में पड़ जायेगी।

परिवार परामर्श केंद्र द्वारा दोनों पति-पत्नी को कराया गया सुलह समझौता

कौशाम्बी। परिवार परामर्श केंद्र द्वारा पति-पत्नी के बीच सुलह समझौता करा कर मिलाया गया है।बुधवार दिनांक 10 जुलाई को परिवार परामर्श केंद्र में महिला अपराध शाखा प्रभारी निरीक्षक महेश सिंह के सहयोग से व हेड कांस्टेबल राम बहादुर पाल व महिला हेड कांस्टेबल पूनम, महिला कांस्टेबल कमला यादव व महिला कांस्टेबल नीतू के माध्यम से 8 फाइलों की काउंसलिंग किया गया जिसमें काउंसलिंग के दौरान 02 फाइल में पति-पत्नी व उनके परिजनों की सहमति से सुलह समझौता किया गया । दोनों पक्षों को परिवार परामर्श केंद्र द्वारा पति-पत्नी को उनके जीवन की पारिवारिक कर्तव्य को बताते हुए समझाया गया। दोनों पति-पत्नी द्वारा बताया गया कि अब हम दोनों के बीच किसी प्रकार का कोई मनमुटाव नहीं रह गया है। अब हम दोनों अपनी खुद की सहमति से सुलह समझौता करना चाहते हैं। परिवार परामर्श केंद्र द्वारा दोनों पति-पत्नी को सुलह समझौता कराया गया । दोनों पक्षों द्वारा व्यक्त किया गया, कि अब हम दोनों एक दूसरे के साथ प्रेम पूर्वक अपना जीवन यापन करेंगे।

बीच बचाव करने पहुंचे भाई भयाहू पर हमला

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र के समसपुर गांव में अपने माता पिता को गाली गलौज कर रहे युवक को उसके छोटे भाई धीरेंद्र कुमार यादव उर्फ पपलू यादव ने मना किया जिससे गाली गलौज कर रहे बड़े भाई प्रदीप यादव ने धीरेंद्र और उसकी पत्नी पर हमला कर दिया जिससे धीरेंद्र के सिर पर गंभीर चोट है और पत्नी भी घायल है घायल धीरेंद्र ने बताया कि छोटी छोटी बातों को लेकर बड़ा भाई प्रदीप अक्सर मां बाप को मारता पीटता है रविवार को वह माता-पिता के साथ गाली गलौज कर रहा था जिस पर बीच बचाव करने पहुंचे धीरेन्द्र की बात प्रदीप को खराब लगी तो गली गलौज देते हुए लोहे की रेती से छोटे भाई धीरेंद्र के सिर पर उसने वार कर दिया है जिसमे धीरेंद्र का सिर फट गया हैं और वह जमीन पर गिर गया बीच बचाव करने उसकी पत्नी पिंकी पहुँची तो उसे भी प्रदीप ने लात घूसों डंडे से मारपीट दिया है जिसमे उसके शरीर में चोटे आई है पीड़ित ने मामले की सूचना थाना पुलिस को दिया है।

जिलाधिकारी ने उद्यमियों की समस्याओ को सुनकर अधिकारियों को निस्तारित करने के दिये निर्देश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी द्वारा उदयन सभागार में सम्बन्धित अधिकारियों के साथ जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक की गई। जिलाधिकारी ने उद्यमियों की समस्याओं को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दियें। बैठक में उपायुक्त उद्योग ने बताया कि निवेश मित्र पोर्टल पर विगत एक माह में कुल 439 प्रकरण प्राप्त हुए है, जिसमें से 15 प्रकरण विभिन्न विभागों के स्तर पर लम्बित है, जिसमें से आबकारी विभाग के-03, प्रदूषण एवं नियन्त्रण बोर्ड के-06, खाद्य एवं औषधि विभाग के-03 एवं कृषि विभाग के-03 सम्मिलित हैं, जिस पर जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर प्रकरण को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिये। बैठक में उपायुक्त उद्योग ने बताया कि पी0एम0ई0जी0पी0 योजना के तहत बैंको द्वारा 02 आवेदन स्वीकृत हो चुकें हैं। इसी प्रकार एमवाईएसवाई योजना के तहत 76 लक्ष्य के सापेक्ष 19 तथा ओडीओपी योजनान्तर्गत 21 लक्ष्य के सापेक्ष 02 आवेदन बैंको द्वारा स्वीकृत हो चुके हैं, जिस पर जिलाधिकारी ने अग्रिम आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। बैठक में उपायुक्त उद्योग ने ग्राम-सुल्तानपुर ख्वाजा कड़क में नये औद्योगिक क्षेत्र विकसित किये जाने के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया कि अधिशासी अभियंता उ0प्र0 लघु उद्योग निगम द्वारा दिनांक 13.10.2023 को स्थलीय सर्वे कर आख्या दिया गया है कि भूमि उद्योग स्थापनार्थ तकनीकी एवं वित्तीय दृष्टिकोण से लाभप्रद हैं। अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत दारानगर को एन0ओ0सी0 उपलब्ध कराये जाने के लिए पत्र निर्गत किया गया था, जिस पर ई0ओ0 ने अवगत कराया कि बोर्ड की बैठक के माध्यम से स्वीकृत हो चुका हैं। उपायुक्त उद्योग ने बताया कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत लक्ष्य 1200 के सापेक्ष पोर्टल पर कुल 27917 आवेदन प्रत्र प्राप्त हुए हैं। अभी तक ग्राम प्रधान/अधिशासी अधिकारी द्वारा पोर्टल पर 19039 आवेदन पत्र सत्यापित कर ऑनलाइन जिला स्तरीय समिति को प्रेषित किया गया है। जिला स्तरीय समिति द्वारा विभिन्न खण्ड विकास अधिकारियों तथा सम्बन्धित तहसील से प्राप्त रिपेर्ट के आधार पर 4293 आवेदन पत्रां को संस्तुति कर राज्य स्तरीय समिति को प्रेषित किया गया हैं, शेष ग्रामीण क्षेत्र के आवेदन पत्रों के सत्यापन के लिए खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया गया हैं इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी, अपर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार वर्मा सहित अन्य अधिकारीगण तथा व्यापारी-प्रान्तीय महामंत्री रमेश अग्रहरि, जिलाध्यक्ष प्रवेश केसरवानी नरोत्तमदास सुधीर केसरवानी राधेश्याम विपिन कुमार आदि उपस्थित रहे।

अफसर के मैडम की गाड़ी चलाता है सफाई कर्मी

कौशाम्बी। नेवादा ब्लॉक के औधन गांव में तैनात एक सफाई कर्मी सरकार से प्रत्येक महीने वेतन लेने के बाद ब्लॉक के अफसर के मैडम की गाड़ी चलाता है जिससे गांव की सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो गई है गांव में चारों तरफ गंदगी का अंबार लगा है सड़क और गली में कीचड़ भरा हुआ है गांव में सफाई न होने से गांव वाले परेशान है और बार-बार सफाई कर्मी को गांव भेज कर सफाई करने की मांग कर रहे हैं मामले की कई बार शिकायत शासन प्रशासन से हुई लेकिन अफसर की मैडम सफाई कर्मी को छोड़ने को तैयार नहीं है जिससे ब्लॉक के यह अफसर भी परेशान दिखाई पड़ रहे हैं अब सवाल उठता है की सफाई कर्मी को सरकारी वेतन दिया जाता है उसकी फर्जी उपस्थिति दर्ज की जाती है अफसर का कितना प्रभाव है कि सफाई कर्मी के उपस्थित न होने पर उसे अनुपस्थित नहीं किया जा रहा है सवाल उठता है कि सरकारी वेतन से सफाई कर्मी कब तक अफसर की मैडम की गाड़ी चलाता रहेगा मामले को शासन प्रशासन को गंभीरता से लेना होगा और सफाई कर्मी के साथ-साथ मैडम के अफसर पर भी कार्यवाही करनी होगी।

एसडीएम सीओ नियमित रूप से व्यापार मण्डल की बैठक कर व्यापारियो की समस्याओं का करें निस्तारण

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी द्वारा उदयन सभागार में जनपद स्तरीय व्यापार बन्धु समिति की बैठक की गई। जिलाधिकारी ने व्यापारियों की समस्याओं को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दियें।बैठक में जिलाधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक माह नियमित रूप से उप जिलाधिकारी एवं सीओ के साथ व्यापार मण्डल की बैठक कर व्यापारियां की समस्याओं का निस्तारण किया जाय। बैठक में देवीगंज के व्यापारियों ने बताया कि प्राइवेट व सरकारी स्कूल की छुट्टी के समय जाम की समस्या बन जाती है, होमगार्ड के अतिरिक्त ट्रैफिक पुलिस की व्यवस्था किये जाने के अनुरोध पर जिलाधिकारी ने अपर पुलिस अधीक्षक को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दियें। बैठक में व्यापारियों द्वारा लखनऊ जाने वाली सरकारी बस का स्टापेज देवीगंज चौराहे पर किये जाने एवं मंझनपुर से वाया शीतलाधाम देवीगंज से अयोध्या के लिए बस सेवा की शुरूआत किये जाने की मॉग पर जिलाधिकारी ने एआरएम रोडवेज को पत्र प्रेषित करने के निर्देश दियें। बैठक में व्यापारियों द्वारा देवीगंज में सैनी रोड से लेहदरी मार्ग तक नाली निर्माण कराये जाने की मॉग पर जिलाधिकारी ने ई0ओ0 को प्रस्ताव तैयार कराये जाने के निर्देश दियें। बैठक में जिला व्यापार मण्डल नगर इकाई सिराथू द्वारा नगर पंचायत सिराथू के चन्दबहार में सरकारी जमीन पर खेल का मैदान बनाये जाने की मांग पर जिलाधिकारी ने ईओ को उप जिलाधिकारी सिराथू से सरकारी जमीन के सम्बन्ध में रिपोर्ट प्राप्त करने के निर्देश दियें। बैठक में सचिव, मण्डी समिति ने बताया कि मण्डी परिसर में पूर्व में जो दुकाने आवंटित की गई थी, उसकी रजिस्ट्री की जा रहीं है। बैठक में युवा व्यापार मण्डल द्वारा नगर पंचायत सराय अकिल में स्थित मोक्षधाम परिसर के कुछ हिस्से में छावनी कराये जाने की मांग पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी को व्यापारियां के साथ भ्रमण कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दियें। बैठक में व्यापारियों द्वारा बताया गया कि भरवारी रेलवे फाटक पर जाम की स्थिति बनी रहती है, जिस पर जिलाधिकारी ने डीआरएम को पत्र प्रेषित करने के निर्देश दियें। बैठक में बताया गया कि मंझनपुर नगर पालिका के वार्ड नं0-10 में पेयजल की समस्या बनी हुई है, जिस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी को आ रही समस्याओं का निस्तारण कराते हुए पेयजल की समस्या का समाधान कराने के निर्देश दियें। जिलाधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारियों को रोस्टर बनाकर नालियों की सफाई कराने के निर्देश देते हुए कहा कि रोस्टर के प्रति व्यापार मण्डल के पदाधिकारियां को भी उपलब्ध करा दिया जाय।

नाप करने के बाद राजस्व कर्मियों ने कब्रिस्तान छोड़कर पूर्व विधायक को बनाने का दिया निर्देश

कोखराज कौशाम्बी। नगर पालिका परिषद भरवारी के वार्ड नंबर 24 शहीद गुलाब सेन नगर के बिशुई गांव में महमूदा बेगम पत्नी कुतुबुद्दीन की पुश्तैनी कब्रिस्तान पर पूर्व विधायक दयाराम और उनकी बहु नगर पालिका अध्यक्ष कविता पासी द्वारा जबरिया निर्माण किया जा रहा था जिस पर रविवार को हंगामा हुआ था हंगामा के बाद अधिकारियों के निर्देश पर राजस्व टीम में कानून गो सुरेंद्र सिंह लेखपाल पवन सिंह सुमित केसरवानी कब्रिस्तान की जमीन की नाप करने पहुंचे जमीन की नाप करने के बाद गलत निर्माण कर रहे पूर्व विधायक को निर्देशित किया कि वह कब्रिस्तान की जमीन छोड़कर के निर्माण करें तथा पूर्व विधायक को धारा 24 के अंतर्गत नोटिस जारी की गई है और नाप के बाद निर्धारित जमीन पर चूना डालकर जमीन का चिन्हीकरण किया गया है तथा कब्रिस्तान की जमीन पर जो निर्माण किया गया था उसे समतलीकरण किया गया है अंधेरगर्दी की हद तो तब हो गई जब कब्रिस्तान की जमीन पर भी कब्जा करने से यह लोग बाज नहीं आ रहे है,प्रशासन के आदेश के बावजूद पूर्व विधायक के गुर्गे जबरन कब्रिस्तान की जमीन पर ट्रैक्टर चला रहे थे,जमीन के जिम्मेदारों को पता चला तो महिला मौके पर पहुंची थी,महिला के पहुंचने और बहस के बाद गुर्गे ट्रैक्टर लेकर और फावड़ा छोड़कर फरार हो गए नगर पालिका परिषद भरवारी के वार्ड नंबर 24 शहीद गुलाब सेन नगर के बिसुई में भरवारी कस्बे की पुरानी बाजार मोहल्ले की रहने वाली महमूदा बेगम पत्नी कुतुबुद्दीन की पुश्तैनी जमीन है जिसमें पूर्व विधायक दयाराम जबरन कब्जा करने का काम कर रहे थे महिला ने आरोप लगाया कि पूर्व विधायक दयाराम के गुर्गे रविवार को सुबह से ही कब्रिस्तान की जमीन पर ट्रैक्टर चला रहे थे,जैसे ही जानकारी मिली वह मौके पर पहुंची और जमीन पर ट्रैक्टर चला रहे मजदूरों और गुर्गों ने पूर्व विधायक दयाराम का नाम बताया,शोर मचाया कागजात मांगने पर उन लोगो ने फोन पर किसी से बात की और सभी लोग चले गए। महिला ने आरोप लगाया कि इसके पूर्व भी पूर्व विधायक दयाराम उनकी पुश्तैनी कब्रिस्तान की जमीन पर जबरन कब्जा करने का प्रयास कर चुके है,जिसकी शिकायत एडीएम से करने पर यथास्थित बनाए रखने का आदेश भी दिया गया,लेकिन इसके बावजूद पूर्व विधायक दयाराम एवं नगर पालिका परिषद भरवारी की अध्यक्ष के पति आशीष जबरन कब्रिस्तान की जमीन पर कब्जा करने का लगातार प्रयास कर रहे है।वही महिला ने बताया कि पूर्व विधायक दयाराम ने उस जगह पर 4 बिस्वा जमीन की रजिस्ट्री कराई थी,जिसको उन्होंने लोगो के हाथ बेच दिया है,इसके बावजूद अब वह कब्रिस्तान की जमीन पर जबरन कब्जा करना चाहते है।

संपादक की कलम से

जनसंख्या नियंत्रण के लिये क्रांति का शंखनाद हो

प्रतिवर्ष विश्व जनसंख्या दिवस 11 जुलाई को मनाया जाता है, यह दिवस 11 जुलाई, 1987 से मनाया जाता है, जब दुनिया की आबादी 5 अरब हो गयी थी। यह दिवस जनसंख्या वृद्धि, इसके विकास एवं स्थिरता पर प्रभाव के जटिल मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए समूची दुनिया को एकजुट करता है और आयोजनात्मकता से आगे बढ़कर वैश्विक जनसंख्या वृद्धि की चुनौतियों और अवसरों पर वैश्विक संवाद और कार्रवाई को उत्प्रेरित करता है। यह सतत और संतुलित भविष्य प्राप्त करने एवं शिक्षा, चिकित्सा, पर्यावरण के वैश्विक प्रयासों में योगदान देता है। वर्तमान में सम्पूर्ण विश्व की जनसंख्या आठ अरब 11 करोड़ 88 लाख के लगभग है जो वर्ष 2023 से 0.91 प्रतिशत के हिसाब से बढ़ी है। इसी अवधि में भारत की जनसंख्या एक अरब 44 करोड 17 लाख है जो वर्ष 2023 से 0.92 प्रतिशत के हिसाब से बढ़ी है। भारत जनसंख्या के हिसाब से चीन को पीछे छोड़ कर विश्व में पहले नंबर पर आ गया है। चीन की वर्तमान जनसंख्या 1 अरब 42 करोड़ 51 लाख है। जनसंख्या में वृद्धि संसाधनों और सेवाओं पर दबाब डालती है। जनसंख्या जिस तीव्र गति से बढ़ रही है, उस गति से आर्थिक विकास एवं अन्य विकास नहीं हो रहा है, जो एक गंभीर समस्या के रूप में बड़ी चुनौती है। बात जब जनसंख्या वृद्धि की हो रही है तो दुनिया में भारत की बढ़ती जनसंख्या न केवल चौंका रही है, बल्कि एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आ रही है। भारत अब दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला मुल्क हो गया है, परेशानी में डालने वाली इस खबर के प्रति सचेत एवं सावधान होने के साथ सख्त जनसंख्या नियंत्रण नीति लागू करने की अपेक्षा है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत साल 2023 में ही चीन से ज्यादा आबादी वाला देश हो गया था। जबकि पहले यह अनुमान लगाया जा रहा था कि साल 2027 में भारत दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाला देश होगा। बढ़ती जनसंख्या की चिन्ता में डूबे भारत के लिये चार साल पहले ही दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला देश होना कोई गर्व की बात नहीं है। भारत के लिये बढ़ती आबादी एवं सिकुड़ते संसाधन एक त्रासदी है, एक विडम्बना है, एक अभिशाप है। क्योंकि जनसंख्या के अनुपात में संसाधनों की वृद्धि सीमित है। जनसंख्या वृद्धि ने कई चुनौतियों को जन्म दिया है किंतु इसके नियंत्रण के लिये कोरे कानूनी तरीके को एक उपयुक्त कदम नहीं माना जा सकता। इसके लिये सरकार को जनसंख्या पर तुरंत पारदर्शी एवं सख्त नियंत्रण के कदम उठाने के साथ, भारत के लिये प्रभावी जनसंख्या नीति को लागू करना, आम जनता की सोच एवं संस्कृति में बदलाव लाना होगा, लेकिन दुर्भाग्य से अभी कुछ हो ही नहीं रहा है।

पूरी दुनिया की आबादी में अकेले एशिया की 61 फीसदी हिस्सेदारी है। यह रिपोर्ट साफ इशारा करती है कि जहां कम आबादी है, वहां ज्यादा संपन्नता है। भारत में दिन-प्रतिदिन जनसंख्या विस्फोट हो रहा है, इसी से बेरोजगारी बढ़ रही है, महंगाई भी बढ़ने का कारण यही है, संसाधनों की किल्लत भी इसी से बनी हुई है। यही एक कारण भारत को दुनिया की महाशक्ति बनाने की सबसे बड़ी बाधा है। ऐसे में सबको नौकरी मिलना इतना आसान नहीं। इसलिए सरकार शीघ्र सुसंगत जनसंख्या नीति लागू करे। जिसको दिक्कत हो और ज्यादा बच्चे पैदा करके मनमानी करनी हो, उनके खिलाफ कानूनी सजा के प्रावधान किये जाये। यह एक अराष्ट्रीय सोच है कि अधिक बच्चे पैदा करके उनकी जिंदगी कष्ट में झोंकना। जब बच्चे को सुखी जिंदगी नहीं दे सकते, तो दूसरों के भरोसे उन्हें पैदा करने की प्रवृत्ति शर्मनाक है। यह देखने में आ रहा है कि आज के वैज्ञानिक युग में भी कुछ समुदाय बच्चे पैदा करने को लेकर रूढ़िवादी नजरिया अपनाए हुए हैं और उनकी प्रतिक्रिया में अन्य समुदायों के नेता भी ज्यादा से ज्यादा बच्चे पैदा करने की वकालत करने लगे हैं। यह बेहद खतरनाक स्थिति है। इस तरह जनसंख्या बढ़ोतरी की पैरोकारी करने वालों की निंदा की जानी चाहिए, चाहे वे किसी मजहब के हों। क्योंकि देश की तरक्की की सबसे बड़ी बाधा बढ़ती जनसंख्या ही है।

भारत में बढ़ती जनसंख्या को नियंत्रित करने में राजनीति एवं तथाकथित स्वार्थी राजनीतिक सोच बड़ी बाधा है। अधिकांश कट्टरवादी मुस्लिम समाज लोकतांत्रिक चुनावी व्यवस्था का अनुचित लाभ लेने के लिए अपने संख्या बल को बढ़ाने के लिये सर्वाधिक इच्छुक रहते हैं और इसके लिये कुछ राजनीतिक दल उन्हें प्रेरित भी करते हैं। ऐसे दलों ने ही उद्घोष दिया है कि ह्लजिसकी जितनी संख्या भारी सियासत में उसकी उतनी हिस्सेदारी।ह्ल जनसंख्या के सरकारी आकड़ों से भी यह स्पष्ट होता रहा हैं कि हमारे देश में इस्लाम सबसे अधिक गति से बढ़ने वाला संप्रदाय-धर्म बना हुआ हैं। इसलिए यह अत्यधिक चिंता का विषय है कि ये कट्टरपंथी अपनी जनसंख्या को बढ़ा कर देश के लिये बड़ी समस्या खड़ी कर रहे हैं।

भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुरूप हो इस वर्ष का बजट

वित्तीय वर्ष 2024-25 का पूर्णकालिक बजट माननीय वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा भारतीय संसद में 23 जुलाई 2024 को पेश किया जा रहा है। वर्तमान में भारत सहित विश्व के लगभग समस्त देशों में पूंजीवादी नीतियों का अनुसरण करते हुए अर्थव्यवस्थाएं आगे बढ़ रही हैं। परंतु, हाल ही के वर्षों में पूंजीवादी नीतियों के अनुसरण के कारण, विशेष रूप से विकसित देशों को, आर्थिक क्षेत्र में बहुत भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और यह देश इन समस्याओं का हल निकाल ही नहीं पा रहे हैं। नियंत्रण से बाहर होती मुद्रा स्फीति की दर, लगातार बढ़ता कर्ज का बोझ, प्रौढ़ नागरिकों की बढ़ती जनसंख्या के चलते सरकार के खजाने पर बढ़ता आर्थिक बोझ, बजट में वित्तीय घाटे की समस्या, बेरोजगारी की समस्या, आदि कुछ ऐसी आर्थिक समस्याएं हैं जिनका हल विकसित देश बहुत अधिक प्रयास करने के बावजूद भी नहीं निकाल पा रहे हैं एवं इन देशों का सामाजिक तानाबाना भी छिनभिन्न हो गया है। पूंजीवादी अर्थव्यवस्था के अंतर्गत चूंकि व्यक्तिवाद हावी रहता है अतः स्थानीय समाज में विभिन्न परिवारों के बीच आपसी रिश्ते केवल आर्थिक कारणों के चलते ही टिक पाते हैं अन्यथा शायद विभिन्न परिवार एक दूसरे से रिश्तों को आगे बढ़ाने में विश्वास ही नहीं रखते हैं। कई विकसित देशों में तो पति-पत्नि के बीच तलाक की दर 50 प्रतिशत से भी अधिक हो गई है। अमेरिका में तो यहां तक कहा जाता है कि 60 प्रतिशत बच्चों को अपने पिता के बारे में जानकारी ही नहीं होती है एवं केवल माता को ही अपने बच्चे का लालन-पालन करना होता है, जिसके कारण बच्चों का मानसिक विकास प्रभावित हो रहा है एवं यह बच्चे अपने जीवन में आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं, समाज में हिंसा की दर बढ़ रही है तथा वहां की जेलों में कैदियों की संख्या में तीव्र वृद्धि देखी जा रही है। इन देशों के नागरिक अब भारत की ओर आशाभारी नजरों से देख रहे हैं एवं उन्हें उम्मीद है कि उनकी आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं का हल भारतीय सनातन संस्कृति में से ही निकलेगा। अतः इन देशों के नागरिक अब भारतीय सनातन संस्कृति की ओर भी आकर्षित हो रहे हैं। भारत में वर्ष 1947 में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात कुछ हद्द तक वामपंथी नीतियों का अनुसरण करते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था को विकास की राह पर ले जाने का प्रयास किया गया था। परंतु, वामपंथी विचारधारा पर आधारित आर्थिक नीतियों ने बहुत फलदायी परिणाम नहीं दिए अतः बहुत लम्बे समय तक यह नीतियां आगे नहीं बढ़ सकीं। हालांकि बाद के खंडकाल में तो वैश्विक स्तर पर वामपंथी विचारधारा ही धराशायी हो गई एवं सोवियत रूस कई टुकड़ों में बंट गया। आज तो रूस एवं चीन सहित कई अन्य देश जो पूर्व में वामपंथी विचारधारा पर आधारित आर्थिक नीतियों को अपना रहे थे, ने भी पूंजीवादी विचारधारा पर आधारित आर्थिक नीतियों को अपना लिया है।

जम्मू-कश्मीर की चिंता

- अरविन्द मोहन

जम्मू इलाके को अपेक्षाकृत शांत मानकर वहां से फौज की संख्या कम की गई थी और यह रिपोर्ट भी है कि पाकिस्तान से जिन 70 से 80 आतंकियों के घुसपैठ का अनुमान है उनमें से ज्यादातर अभी इसी इलाके में हैं। वे चार-चार, पांच-पांच की टोली बनाकर अपनी गतिविधियां चला रहे हैं। और यह बताने का मतलब नहीं है कि वे घाटी को छोड़ गए हैं और जब बर्फ पड़ेगी तो घाटी वाली सीमा ही उनके लिए घुसपैठ का रास्ता बनती है। जम्मू-कश्मीर और खास तौर से जम्मू क्षेत्र को आतंकी क्यों वारदातों के लिए चुन रहे हैं। जम्मू और कश्मीर से लगातार जो खबरें आने लगीं यही वे चिंता से भी ज्यादा डर पैदा करती हैं। डर इस बात का नहीं है कि हमारी फौज के जवानों का हौसला पस्त होगा या हमारी सरकार ही कमजोर पड़ जाएगी और आतंकियों तथा उनके पीछे बैठे उनके पाकिस्तानी आकाओं का हौसला इतना बढ़ जाएगा कि वे हमें लंबे समय तक भारी परेशान कर देंगे। लेकिन जो कुछ हो रहा है वह इतना तो बताता ही है कि आतंकियों ने हथियार नहीं डाला है, पाकिस्तान से घुसपैठ हो रही है, पाक मदद जारी है और हमारे अपने कश्मीरी समाज से आतंकियों को मदद मिले न मिले लेकिन हमारे खुफियातंत्र को उनसे जरूरी सूचनाएं नहीं मिल रही है। ऐसा जाना-बूझकर हो रहा है या फौजी उपस्थिति का दबदबा और खौफ ऐसा करा रहा है, यह मालूम नहीं है। लेकिन खुफिया सूचनाओं में फौजी तंत्र को पर्याप्त फीड नहीं है, तभी हमले हो रहे हैं। कठुआ के बनडोटा गांव के पास आतंकियों ने जिस तरह घात लगाकर फौजी वाहन पर हमला किया और चार जवानों को मारने के साथ ही अनेक को घायल कर दिया उसमें उनको एक स्थानीय आतंकी के पूरा सहयोग मिलने की बात सामने आ रही है।

उससे ज्यादा चिंता की बात यह है कि इस बार घाटी से भी ज्यादा वारदातें जम्मू इलाके में हो रही हैं। अकेले जून में ही चार बड़ी वारदातें जम्मू इलाके में हो चुकी हैं। बल्कि मई में तो वायु सेना के दो हेलीकाप्टरों तक को निशाना बनाया गया जिसमें एक जवान की मौत भी हुई। कठुआ के ही हीरन नगर में सेदा सोहल गांव में जब फौज और आतंकियों में मुठभेड़ हुआ तो केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का एक जवान और दो आतंकी मारे गए थे। बनडोटा में कई जवान घायल हैं और लेख के लिखे जाने तक भी आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई जारी थी। दो जवान गंभीर रूप से घायल थे और उनको बिलावर के अस्पताल में भेजा गया था। उल्लेखनीय है कि जम्मू इलाके को अपेक्षाकृत शांत मानकर वहां से फौज की संख्या कम की गई थी और यह रिपोर्ट भी है कि पाकिस्तान से जिन 70 से 80 आतंकियों के घुसपैठ का अनुमान है उनमें से ज्यादातर अभी इसी इलाके में हैं। वे चार-चार, पांच-पांच की टोली बनाकर अपनी गतिविधियां चला

रहे हैं। और यह बताने का मतलब नहीं है कि वे घाटी को छोड़ गए हैं और जब बर्फ पड़ेगी तो घाटी वाली सीमा ही उनके लिए घुसपैठ का रास्ता बनती है। जम्मू-कश्मीर और खास तौर से जम्मू क्षेत्र को आतंकी क्यों वारदातों के लिए चुन रहे हैं इसको समझना मुश्किल नहीं है। धारा 370 हटे और राज्य का विभाजन हुए पांच साल होने को आए हैं, और सुप्रीम कोर्ट का फैसला है कि सितंबर के पहले जम्मू और कश्मीर में चुनाव हो जाने चाहिए। राज्य में विधानसभा की सीटों के पुनर्गठन का काम भी पूरा हो चुका है और इसे लेकर भी हल्की नाराजगी है। आतंकवादियों की गतिविधियों से इस चुनाव का साफ रिश्ता है। हमने यह भी देखा है कि लंबा चले लोक सभा चुनाव में भी आतंकी घटनाएं बढ़ने लगी थीं। यहां हम लद्दाख क्षेत्र के चुनाव और राज्य का बंटवारा करने वाली पार्टी के प्रदर्शन की चर्चा नहीं करेंगे। जम्मू और कश्मीर घाटी में राज्य का बंटवारा मुद्दा था और उससे भी उल्लेखनीय खुद चुनाव था जिसमें लोगों की भागीदारी तो ठीक-ठाक हुई लेकिन स्थापित दलों की हालत खराब रही। बड़े-बड़े नेता ढेर रहे। नेशनल कांफ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन तथा पीडीपी के नेता तो चुनाव लड़े और हारे लेकिन भाजपा और उसके दुलारे गुलाम नबी आजाद की पार्टी तो घाटी के चुनाव मैदान में उतारने से डर गई और मैदान ही छोड़ दिया। लोगों ने मतदान में हिस्सा लेकर जिन्हे जिताया और जिन्हें हराया उन सबके माध्यम से अपना जनादेश साफ कर दिया। केंद्र में बैठे नेताओं ने इस जनादेश को ठीक समझा हो ऐसा नहीं लगता। हार या जीत को सीधे फेस करने और चुनाव में हिस्सा लेकर जो संदेश दिया जा सकता था(राजीव-फारुख समझौते के बाद हुए चुनाव में अपनी पराजय के बाद राजीव गांधी ने बड़ी शालीनता से जनादेश को स्वीकार किया था) वह तो दूर, जाने क्या-क्या दावे किए जाते रहे। रक्षा मंत्री और गृह मंत्री तो यह बयान भी देते रहे कि पाक अधिकृत कश्मीर खुद ब खुद हमारी ओर आने वाला है क्योंकि हमने जो उपलब्धियां हासिल की हैं(और पाकिस्तान कटोरा लेकर घूम रहा है) उसे देखकर ही कश्मीरी लोग लट्टू हो गए हैं। अभी तक राज्य में लाखों की संख्या में जवान तैनात हैं। निश्चित रूप से इसके कारण पहले की तुलना में हाल तक ज्यादा शांति रही है। उनके खर्च की बात छोड़ भी दें तो निवेश से लेकर शेष देश के जुड़ाव के जो सपने दिखाए गए थे, वे कहां हैं यह कोई भी पूछ सकता है? चुनाव में भी इस तरह के पिटे मोहरों और भगोड़े दस्तों पर लोग कितना भरोसा करेंगे कहना मुश्किल है। चुनाव कराने के क्रम में ऐसी सख्ती नहीं रखी जा सकती। आतंकी इस ताक में थे और हथियार-गोला-बारूद तथा प्रशिक्षण पा रहे थे। वारदातें बढ़ना उसी का प्रमाण है। और याद रखें कि अब सामान्य गैर-मुसलमान लोग या प्रवासी निशाने पर नहीं हैं। रियासी में तीर्थयात्रियों वाली बस को निशाना बनाने तक ऐसी रणनीति दिखती थी। अब तो सीधे फौज के लोग निशाने पर हैं।

एक थ्योरी यह चल रही है कि पाक अधिकृत कश्मीर में वहां के एक रिटायर ब्रिगेडियर और आईएसआई के आपरेटर आमीर हमजा समेत 21 कश्मीरी आतंकियों की रहस्यमय हत्या के बाद से ही ये वारदातें और घुसपैठ बढ़ी है। हमजा 2018 में सुनजवां सैनिक कैम्प पर हुए से जुड़ा था। उसकी और इन 21 लोगों की हत्या कुछ अनाम बंदूकधारियों ने कर दी थी। ये हत्यारे कौन थे, इसकी तरह-तरह की व्याख्या है पर न तो किसी ने इसका श्रेय लेने का दावा किया है न कोई पक्के प्रमाण ही सामने आए हैं। कहा जाता है कि इसके बाद से ही आईएसआई ने लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर सैफुला सज्जाद जट्टा, जो उसके एक दस्ते का नेतृत्व कर रहा है, को इसका बदला लेने का जिम्मा सौंपा है। घटनाएं इसी के कारण बढ़ी हैं। अब इस थ्योरी को मानने का मतलब पीओके में रा की गतिविधियों को बड़ा और सही मानना होगा पर बीच चुनाव में ऐसा होगा यह अविश्वसनीय लगता है।

भारत की धीमी औद्योगिक वृद्धि के पीछे कम एफडीआई प्रवाह ही मुख्य कारण

- नन्तू बनर्जी

नयी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को आने वाले वार्षिक बजट में देश में बड़े पैमाने पर एफडीआई प्रवाह के लिए सभी बाधाओं को दूर करने का ईमानदारी से प्रयास करना चाहिए। दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश होने के बावजूद, 2023-24 में मौजूदा कीमतों पर भारत का सकल घरेलू उत्पाद केवल 35.2खरब डॉलर होने का अनुमान लगाया गया है।

यह अजीब लग सकता है कि औद्योगिक महाशक्ति और एक प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने की आकांक्षा रखने वाले भारत को पिछले साल केवल 28अरब अमेरिकी डॉलर का कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्राप्त हुआ, जबकि छोटे से सिंगापुर में 160अरब डॉलर और हांगकांग में 113अरब डॉलर के एफडीआई का प्रवाह हुआ। व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) के अनुसार, आर्थिक मंदी और बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारत में एफडीआई प्रवाह में 43प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि वैश्विक स्तर पर इसमें दो प्रतिशत की गिरावट आई है और यह 13खरब डॉलर रह गया है। भारत को वास्तव में मजबूत अर्थव्यवस्था बनने के लिए अगले 10 वर्षों में कम से कम 150-200बिलियन डॉलर की वार्षिक आवश्यकता होगी। नयी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को आने वाले वार्षिक बजट में देश में बड़े पैमाने पर एफडीआई प्रवाह के लिए सभी बाधाओं को दूर करने का ईमानदारी से प्रयास करना चाहिए। दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश होने के बावजूद, 2023-24 में मौजूदा कीमतों पर भारत का सकल घरेलू उत्पाद केवल 35.2खरब डॉलर होने का अनुमान लगाया गया है। इसके विपरीत, पड़ोसी चीन का सकल घरेलू उत्पाद 2023 में 1260.6खरब युआन था, जो 178.9खरब अमेरिकी डॉलर के बराबर है। भारत की मौजूदा आर्थिक वृद्धि का रुझान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पूर्व के लक्ष्य से दूर है जिसमें चालू वित्त वर्ष के अंत में 50 खरब डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद के निशान को छूने का लक्ष्य रखा गया था। भारत को अपनी गरीबी और बेरोजगारी से निपटने के लिए कई वर्षों तक दोहरे अंकों की वार्षिक आर्थिक वृद्धि की आवश्यकता है। देश को अपनी अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ाने के लिए बड़े निवेश की आवश्यकता होगी। अधिशेष धन वाले मुी भर घरेलू औद्योगिक निवेशक ऐसी आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकते। चीन का विशाल आर्थिक उत्थान देश में साल दर साल बड़े पैमाने पर एफडीआईप्रवाह द्वारा संभव हुआ है। 2021 में, चीन में एफडीआई प्रवाह 344 अरब डालर के शिखर पर पहुंच गया। दूसरी ओर, चीनी बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी) द्वारा अन्य देशों में निवेश 2023 में पूरा हुआ। चीन से आउटबाउंड ग्रीन फील्ड एफडीआई 140अरब डालर से अधिक था, जिसने एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया।

यह आउटबाउंड चीनी विलय और अधिग्रहण में गिरावट के बाद है क्योंकि पश्चिमी सरकारों ने प्रस्तावित चीनी विलय और अधिग्रहण सौदों की जांच तेज कर दी है। चीन स्वच्छ ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में नये बाजारों में विस्तार कर रहा है। नवीनतम रिपोर्टों से पता चलता है कि भारत का तेजी से विस्तार करने वाला अडानी समूह, जो सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का एक प्रमुख प्राप्तकर्ता है, ने अपनी महत्वाकांक्षी सौर विनिर्माण परियोजना में मदद के लिए आठ चीनी कंपनियों का चयन किया है। गुजरात में चीन से जुड़ी एमजी मोटर्स भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन और बिक्री को बढ़ावा दे रही है। संयोग से, दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था संयुक्त राज्य अमेरिका एफडीआई का शीर्ष प्राप्तकर्ता बना हुआ है, जो 2023 में कुल 341अरब डॉलर था। अमेरिका में एफडीआई प्रवाह 2015 और 2016 में क्रमशः 484अरब डॉलर और 480अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। हाल ही में अमेरिका में एफडीआई प्रवाह में काफी कमी आई है। शीर्ष-20 मेजबान अर्थव्यवस्थाओं में, एफडीआई प्रवाह में सबसे बड़ी गिरावट फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, चीन, अमेरिका और भारत में दर्ज की गई।

भारत सरकार के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा जारी किये गये आंकड़ों में बताया गया है कि उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में उच्च ब्याज दरों और देश में विभिन्न क्षेत्रों में सीमित अवशोषण क्षमता जैसे बाहरी कारकों के कारण 2023-24 में एफडीआई पांच साल के निचले स्तर पर आ गया। विडंबना यह है कि भारत में एकमात्र ऐसा क्षेत्र है जो तेजी से बढ़ रहा है, वह है शेयर बाजार। शेयर बाजार में जुआ खेलने वाले उच्च उपभोक्ता मुद्रास्फीति के बावजूद सूचीबद्ध शेयरों की कीमतों में और उछाल देखने के लिए कम ब्याज दरों के लिए अभियान चला रहे हैं। यह बहुत चिंता की बात है कि रिजर्व बैंक और सरकार ऐसे अभियानों के झांसे में आ सकते हैं।

भारत-रूस मित्रता को जीवंतता देने का सार्थक प्रयास

- ललित गर्ग -

भारत-रूस की मैत्री को नये आयाम देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं राष्ट्रपति पूतिन ने न केवल मैत्री के धागों एवं द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूती दी है, बल्कि आर्थिक गतिविधियों को नये शिखर देने का प्रयास किया है। उनकी यह यात्रा दोनों देशों के लिये एक नए सोच के साथ नये सफर का आगाज है। एक ऐसे समय में, जबकि यूक्रेन-रूस युद्ध को पश्चिमी देशों के विरोध के कारण रूस दुनिया में अलग-थलग है, प्रधानमंत्री मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल की शुरूआत में पहले विदेश यात्रा के लिये रूस का चयन करके जता दिया है कि भारत-रूस की मैत्री अक्षुण्ण है और किसी भी तरह के दुनिया के दबाव में यह दोस्ती कमजोर नहीं पड़ने वाली है। भारत ने जहां मैत्री को प्रगाढ़ बनाने की दिशा में उल्लेखनीय उपक्रम किये हैं, वहीं अपने मित्र देश को युद्ध के खिलाफ और शांति के पक्ष में अपना स्पष्ट रुख भी जताया है। मोदी की इस यात्रा की एक बड़ी निष्पत्ति यह है कि रूस में अब दो नये वाणिज्यिक दूतावास खुलने जा रहे हैं, जिससे हमारी आर्थिक गतिविधियां तेजी से एवं ज्यादा बढ़ेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस रूस यात्रा को लेकर पश्चिमी देशों ने विरोध जताया है। लेकिन प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट किया कि भारत के लिए रूस की मैत्री बहुत महत्वपूर्ण है। भारत अपने मैत्री-मूल्यों को किसी भी दबाव में कमतर नहीं होने देगा। भले ही यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की इस यात्रा पर अपनी निराशा जाहिर करते हुए इसे शांति प्रयासों को झटका तक बता चुके हो या अमेरिका ने भी यात्रा को लेकर अपनी चिंता जता दी हो। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी अपनी युद्ध विरोधी सोच के चलते ही यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से रूस नहीं गए थे। दोनों देशों के बीच होने वाली सालाना द्विपक्षीय शिखर बैठक भी 2022 के बाद से नहीं हो पाई थी। इससे रूस के कुछ हलकों में यह धारणा बनने लगी थी कि भारत अमेरिका और पश्चिमी देशों के प्रभाव में रूस से दूरी बनाए रखना चाहता है। दुनिया में बन रही इस नई धारणा को तोड़ना जरूरी था, इसी दृष्टि से इस यात्रा के पीछे जहां द्विपक्षीय रिश्तों को संदेहों और अविश्वासों से मुक्त करने का ध्येय था, वहीं अंतरराष्ट्रीय हलकों में यह स्पष्ट संदेश भेजना था कि भारत को किसी

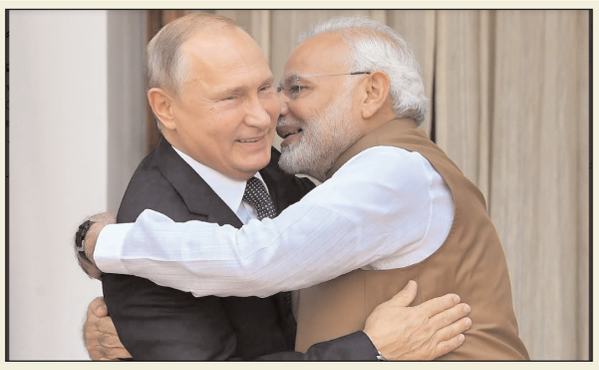

तरह के दबाव के जरिए इस या उस पक्ष में झुकाना संभव नहीं है।

खुद प्रधानमंत्री मोदी ने भी राष्ट्रपति पूतिन के साथ बातचीत में इसका जिक्र किया कि उनके रूस आने पर पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हैं। दुनिया भर में इस यात्रा को गहरी उत्सुकता से देखा जा रहा है। मौजूदा अंतरराष्ट्रीय हालात को ध्यान में रखें तो यह कोई अचरज वाली बात भी नहीं है। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से ही अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों का जोर इस बात पर रहा है कि भारत रूस से अपनी करीबी खत्म करे। भारत अब एक स्वतंत्र ताकत है, दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, बड़े शक्तिशाली देशों के लिये भी भारत एक बाजार है। इसलिये भारत किसी भी दबाव में न आते हुए शुरू से ही यह स्पष्ट कर रखा है कि वह अपने राष्ट्रहित पर आधारित स्वतंत्र विदेश नीति पर कायम रहेगा। रूस समर्थकों ने भले ही यह दशार्ना चाहा हो कि मोदी की यात्रा से भारत ने पश्चिम को चुनौती दी है और इससे पश्चिमी देश ह्यईर्ष्या से जल रहे हैंह्ल, परंतु असल में भारत ऐसा कोई मंतव्य नहीं रखता है।

यह यात्रा अनेक कारणों एवं दृष्टिकोणों से महत्वपूर्ण रही, यात्रा के दौरान दोनों देशों में सहयोग बढ़ाने के समझौते तो हुए ही, प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मित्र राष्ट्र को मैत्रीपूर्ण सलाह देते हुए पूरी बेबाकी से कहा, ह्ययुद्ध के मैदान से कोई हल नहीं निकलता।ह्ल यह प्रधानमंत्री मोदी का वैसा ही बयान है जैसा दो साल पहले समरकंद में पूतिन से बातचीत के दौरान उन्होंने दिया था कि ह्ययह युद्ध का दौर नहीं हैह्ल। असल में भारत हमेशा से शांति के उजालों एवं युद्ध के अंधेरों से मुक्ति का ही समर्थक रहा है। भारत की स्पष्ट मान्यता है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। भारत ने बम-बंदूक के बजाय शांति-वार्ता के जरिये समाधान की बात दोहराई। मोदी ने साहस एवं निर्भयता से पुतिन को दो टूक कहा था कि यह युग युद्ध का नहीं। चूंकि भारतीय प्रधानमंत्री की मास्को यात्रा के मौके पर ही रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव में बच्चों के अस्पताल को भी निशाना बनाया, इसलिए उन्होंने बिना किसी संकोच यह भी कह दिया कि युद्ध या संघर्ष अथवा आतंकी हमलों में जब मासूम बच्चों की मौत होती है तो हृदय छलनी हो जाता है। देखना यह है कि यूक्रेन युद्ध पर भारतीय प्रधानमंत्री की फिर से खरी बात पर रूसी राष्ट्रपति कितना ध्यान देते हैं, लेकिन भारत को रूस के साथ अपनी मित्रता जारी रखते हुए यह स्पष्ट करते रहना होगा कि वह रूस-यूक्रेन युद्ध को यथाशीघ्र समाप्त होते हुए देखना चाहता है। यह केवल भारत ही नहीं, बल्कि विश्व शांति के भी हित में है। इसी के साथ भारत ने अपने मित्र देश को अपनी तकलीफ को साझा करते हुए यह एहसास दिलाने की भी कोशिश की गई कि चीन के साथ उसकी नजदीकी परोक्ष रूप से पाकिस्तान को उत्साहित करती है, जो भारतीय जमीन पर आतंकी गतिविधियों को खाद-पानी मुहैया कराने का काम करता है।

रूस भारत के सहयोग के लिये तत्पर रहता है, इसबार भी यह खबर भी सुकून देने वाली है कि रूस ने भारत के आग्रह पर न केवल रूसी सेना के सपोर्ट स्टाफ के रूप में भारतीयों की नियुक्ति रोकना स्वीकार कर लिया है बल्कि नियुक्त किए जा चुके युवाओं को स्वदेश भेजने पर भी मान गया है। इस दृष्टि से प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा सफल कूटनीति के एक उत्तम उदाहरण के रूप में याद रखी जाएगी। भारतीय हितों की वकालत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विश्व मानवता की बात करना इसी रणनीति का हिस्सा था। अन्य पहलू है, इस द्विपक्षीय रिश्ते में कौन-कौन से नए क्षेत्र शामिल किए जा सकते हैं, ताकि यह संबंध एक नई ऊंचाई पर पहुंच सके। विज्ञान-प्रौद्योगिकी और ह्यपीपुल-टु-पीपुल कॉन्टैक्टह्ल यानी आम लोगों के स्तर पर आपसी संबंध को आगे बढ़ाने पर रजामंदी को इसी नजरिये से देखा जाना चाहिए। इस यात्रा का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों की वजह से आने वाली दिक्कतों को दूर करना। भुगतान की टिकाऊ व्यवस्था पर जोर इसकी एक बानगी है। अच्छी बात यह भी रही कि ईंधन के मामले में भारत को स्थिरता प्रदान करने में रूसी योगदान की प्रधानमंत्री मोदी ने खुलकर सराहना की, जो उचित भी था, क्योंकि अब हम खाड़ी देशों के बजाय सबसे अधिक तेल रूस से ही आयात करने लगे हैं।

भारत-रूस की मैत्री का व्यापक महत्व है। यह पुराना मित्र देश का भारत की ताकत रहा है, मार्गदर्शक रहा है, हर सुख-दुःख का साथी रहा है। नेहरु युग से ही भारत-रूस के बीच घनिष्ठ संबंध रहे हैं। दोनों देशों की संस्कृति, संगीत, कला, साहित्य के बीच भी गहरा आत्मीय लगाव रहा है। भारतीय फिल्में रूस में बड़े चाव से देखी जाती रही है। कश्मीर के मसले पर भारत जब-जब अलग-थलग पड़ता रहा, तब तब रूस ने भारत का साथ दिया। 1955 में रूस के राष्ट्रपति निकिता ख्रुश्चेव ने कश्मीर पर भारतीय संप्रभुता के लिए समर्थन की घोषणा करते हुए कहा था, ह्यहम इतने करीब हैं कि अगर आप कभी हमें पहाड़ की चोटियों से बुलाएंगे तो हम आपके पक्ष में खड़े होंगे।ह्ल आश्वासन सिर्फ मुंहजबानी नहीं था बल्कि सोवियत संघ ने 1957, 1962 और 1971 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उन प्रस्तावों को वीटो कर दिया था, जिसमें कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप की बात कही गई थी। भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष के दौरान भी जब पाकिस्तान के पक्ष में अमेरिका भारत पर लगभग आक्रमण करने ही वाला था, तब रूस द्वारा भारत के पक्ष में भेजी गई सैन्य सहायता ने ही अमेरिका को अपने कदम पीछे खींचने पर मजबूर किया था। भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में भी रूस का अनूठा योगदान रहा है। रूस ने ही भारत को सैन्य हथियारों व अन्य साजोसामान की आपूर्ति करके अपने दुश्मनों का सफलतापूर्वक सामना करने में समर्थ बनाया है। ऐसे भरोसेमंद देश के साथ जब बीच के दौर में आर्थिक कारणों व वैश्विक दबावों के चलते दूरी आने लगी थी तो दोनों ही देशों की जनता ने मांग उठायी कि ऐसे विश्वसनीय सहयोगी को खोना उचित नहीं होगा।

89 लेखपालों को मिले नियुक्ति पत्र

सरकार की योजनाओं को धरातल पर पहुंचायें: डीएम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। मिशन रोजगार के तहत उप्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने निष्पक्ष व पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया से प्रदेश के 7720 लेखपालों को नियुक्ति पत्र मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में बांटकर लाइव प्रसारण दिखाया। जिले में मानिकपुर-मऊ विधायक अविनाश चंद्र द्विवेदी, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, भाजपा जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी, डिस्टिक कोऑपरेटिव बैंक अध्यक्ष पंकज अग्रवाल आदि जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में जिले में 89 नवनियुक्त लेखपालों को नियुक्ति पत्र बांटे गये।

लेखपालों को नियुक्ति पत्र देते विधायक-डीएम व जिलाध्यक्ष आदि।

बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विधायक ने कहा कि मेहनत से नियुक्त पाये हैं। जिलाधिकारी के निर्देश पर कार्य करेंगे। जनता से कोई शिकायत नहीं आनी चाहिए। क्षेत्र में ढंग से कार्य करें। जिलाधिकारी ने नवनियुक्त लेखपालों को बधाई देते हुए कहा कि जिले में लेखपालों की कमी से राजस्व कार्यों में बाधा हो रही थी। अब कार्यों में प्रगति आयेगी। ट्रेनिंग महत्वपूर्ण होती है। उपजिलाधिकारी ध्यान देंगे। अच्छे से तकनीकी कार्य समझेंगे। जमीन की समस्याओं का निस्तारण करायेंगे। कोई लेखपाल गलत कर देता है, कार्य खराब होता है। गांव में वैमनस्य होता है। क्षेत्र में लेखपाल का अहम भूमिका होती है। विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र तहसील स्तर से दिये जाते हैं। बहुत से लोग क्षेत्र में लालच देंगे, अपने पथ से न हटें। क्षेत्र में समाज व लोगों की मदद करें। लेखपालों की आख्या कमिशनरी व हाईकोर्ट तथा सुप्रीम कोर्ट तक जाती है। पारदर्शी ढंग से कार्य करें। लेखपाल राजस्व की रीढ होते हैं, सरकार की योजनायें निचले स्तर तक ले जाने में भूमिका होती है।

भाजपा जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी ने कहा कि जनता की सेवा के लिए तैनाती दी गई है। बेरोजगारी सबने देखी है, क्षेत्र में बेहतर ढंग से कार्य करें। लेखपाल नियुक्ति पत्र वितरण में एसडीएम सदर सौरभ यादव, राजापुर प्रमोद कुमार झा, मानिकपुर पंकज वर्मा, मऊ राकेश कुमार पाठक आदि मौजूद रहे।

पॉलिटेक्निक में प्रवेश को 12 से होगी काउंसलिंग

अखंड भारत संदेश

बरगढ़/चित्रकूट। पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा 2024 के नतीजे घोषित होने पर प्रथम चरण की ऑनलाइन काउंसलिंग 12 से 14 जुलाई तक विकल्प भरे जायेंगे। सीट अलॉटमेंट 15 जुलाई को होगा। जिन अभ्यर्थियों को सीट आवंटित होगी, उन्हें लॉगिन से तीन हजार रुपये सीट मंजूरी फीस जमाकर सीट एलॉटमेंट लेटर प्रिंट करना होगा।

बुधवार को जिले के राजकीय अथवा अनुदानित पॉलिटेक्निक में सहायता केन्द्र पर सभी मूल शैक्षिक व आरक्षण बाबत अभिलेख वेरिफिकेशन 16 से 19 जुलाई के बीच कराना होगा। डॉक्यूमेंट सत्यापन बाद बचे शुल्क लॉगिन से छात्र पुनः जमा करेंगे। ऑनलाइन ही प्रोविजनल एडमिशन लेटर प्राप्त कर लेंगे। प्रोविजनल एडमिशन लेटर व सभी शैक्षिक अभिलेख, टीसी, चरित्र प्रमाण पत्र, मेडिकल प्रमाण पत्र, नवीनतम आय, जाति प्रमाण पत्र लेकर छात्र जिस संस्था में प्रवेश हुआ है, वहां जाकर प्रवेश की कार्रवाई पूरी करेंगे। द्वितीय चरण की काउंसलिंग 22 जुलाई व तृतीय चरण की काउंसलिंग दो अगस्त से होगी। राजकीय पॉलिटेक्निक बरगढ़ के प्रधानाचार्य संतोष वैश्य ने बताया कि प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले सभी नये छात्रों की कक्षायें 21 अगस्त से शुरू होंगी। जिले में छात्र-छात्राओं की मदद को राजकीय पॉलिटेक्निक बरगढ़ व मानिकपुर में सहायता केन्द्र बनाया है। छात्रों को काउंसलिंग बाबत जानकारी दी जाती है। छात्र/छात्रायें इच्छुक हैं तो विकल्प भी यहां से भरा दिये जाते हैं। इस वर्ष की काउंसलिंग की प्रक्रिया में कई बदलाव हुए हैं। छात्र के दिये विकल्पों में कोई भी सीट आवंटित होने पर छात्र को दोबारा अवसर नहीं मिलेगा। छात्र-छात्रायें वही विकल्प भरें, जिसमें वह प्रवेश लेने को इच्छुक हों।

सरैंया पुलिस ने चार जुआरी दबोचे

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ जारी कार्यवाही में चैकी प्रभारी सरैंया की टीम ने रात में बेलौंहापुरवा मजरा सरैंया के पास हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेलते चार जुआरियों को दबोचा है।

बुधवार को सरैंया पुलिस ने छापेमारी कर जुआरी महेश प्रसाद पुत्र कामता प्रसाद, लवकुश मिश्रा पुत्र मुबुन्दीलाल पयासी बेलौंहापुरवा, जाबिर खान पुत्र बदरुद्दीन व बरकत अली पुत्र सलीम बक्श मुस्लिम पुरवा को दबोचकर मालफड़ से 3460 रुपये व ताश के 52 पत्ते, जामा तलाशी में 1440 रुपये तथा तीन फोन और तीन मोटरबाइक बरामद की। बरामद बाइकों को एमवी एक्ट में सीज किया। जुआरियों पर जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। टीम में चैकी प्रभारी सरैंया यदुवीर सिंह, सिपाही मनोज कुमार, राज मंगल व अनुज दुबे शामिल रहे।

पुलिस गिरफ्त में जुआरी।

तमंचा-कारतूस समेत एक दबोचा

अखंड भारत संदेश

पुलिस गिरफ्त में तमंचाधारी।

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ जारी कार्यवाही में कर्वी कोतवाल उपेन्द्र प्रताप सिंह की अगुवाई में दरोगा मेवालाल मौर्य चैकी सीतापुर की टीम ने भुक्कू उर्फ भिक्कू पुत्र नत्थू केवट मलकाना डिलौरा को एक तमंचा 315 बोर व कारतूस समेत दबोचा है। उसके खिलाफ थाने में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। टीम में दरोगा मेवालाल मौर्य, सिपाही लल्लू प्रसाद व रविशंकर शामिल रहे।

तबादले न होने से सचिवों की मनमानी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। एक ही ब्लाक में कई वर्षों से तैनात सचिवों के तबादले क्यों नहीं किये जा रहे। एक ही ब्लाक में जमे सचिवों के तबादले न होने से मनमानी जारी है। गांवों में वर्षों से तैनात सचिव क्यों नहीं हटाये जा रहे। बुधवार को सदर ब्लाक कर्वी व मानिकपुर ब्लाक में सचिवों की मनमानी जारी है। शासन के निर्देशों का खुला उल्लंघन कर सचिव गांवों में नहीं जाते। कई वर्षों से एक ही गांव में तैनात हैं। ग्राम्य विकास विभाग व पंचायती राज विभाग में सचिवों की मनमानी चलती है। इससे तबादले नहीं हो रहे। जिम्मेदार अधिकारियों को सचिव मोटी रकम दे रहे हैं। इससे उनके तबादले नहीं हो रहे। सत्ता व रसूख के बूते भी सचिवों के तबादले नहीं हो रहे। जिम्मेदार अधिकारियों की मनमानी से सचिव आम जनता पर हावी हैं।

कार्यकर्ता ही हैं भाजपा की सबसे बडी ताकतः आरके सिंह पटेल

मतदाता सम्मान समारोह सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। भाजपा ने भजन संध्या स्थल पर चित्रकूट विधानसभा के मतदाता सम्मान समारोह की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी ने की।

बुधवार को भजन संध्या स्थल पर बतौर मुख्य अतिथि पूर्व सांसद आरके सिंह पटेल ने कहा कि कार्यकर्ता सबसे बड़ी ताकत हैं। मतदाता ने जिस ढंग से भाजपा को समर्थन व विश्वास दिया है, उससे हम और मजबूत- संकल्पित होकर मतदाताओं के हित में कार्य करने को प्रेरित हुए हैं। सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत से भाजपा की तीसरी बार सरकार बनी है। ये विजय रथ आगे जारी रहेगा। समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी ने कहा कि सभी के लिए गर्व का विषय है कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केंद्र में तीसरी बार एनडीए की सरकार बनी है। मोदी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों से प्रभावित देश के मतदाताओं ने भाजपा के प्रति विश्वास जताया है। पूर्व राज्यमंत्री चंद्रिका प्रसाद उपाध्याय ने कहा कि सभी मतदाताओं का अभिनंदन तथा जनप्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं का आभार, जिन्होंने रात-दिन मेहनत कर भाजपा को जिताया है।

समारोह में बोलते पूर्व सांसद।

इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, दिनेश तिवारी, पंकज अग्रवाल, शिवशंकर सिंह, ब्रजेश पांडेय, अर्पित जायसवाल, रामबाबू गुप्ता, राजेश्वरी द्विवेदी, अखिलेश रैकवार, विनीता द्विवेदी, हेमन्त सिंह, सच्चिदानंद गर्ग, श्रवण पटेल, रवि गुप्ता, विनोद पांडेय, रामप्रताप सिंह, योगेंद्र सिंह, सुरेश अनुरागी, अनूप त्रिपाठी, राधे सिंह परिहार आदि मौजूद रहे।

प्रधान ठान लें तो गांव में नहीं होगी बीमारीः डीएम

संचारी रोग नियंत्रण में हुई जागरूकता

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने संचारी रोग नियंत्रण के संचालन बाबत ब्लॉक स्तरीय बैठक में प्रधानों से कहा कि संचारी रोग नियंत्रण में लोगों को जागरूक करें।

बुधवार को कर्वी ब्लाक के प्रधानों की तहसील सभागार में हुई बैठक में डीएम ने कहा कि गांव के हर बच्चे बाबत सतर्कता बरतेंगे तो कोई बच्चा बीमार नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को कार्यक्रम निर्धारित किया है। जिले में दवाओं की कमी नहीं है। प्रभारी चिकित्साधिकारियों से संपर्क कर दवायें प्राप्त करें। एंटी लारवा पर्याप्त है। गांव में अभियान चलाकर छिड़काव करायें। गांव को साफ-स्वच्छ रखें। स्कूलों में शिक्षा विभाग की ओर से बच्चों को जागरूक किया जा रहा है। ब्लॉक के मुखिया हैं। प्रधान ठान लें तो गांव में बीमारी नहीं फैलने देंगे। बीमारी रोकने को नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई, जल भराव न होने दें, साफ पानी में भी डेंगू मच्छर पनपता है। गांव में लोगों को जागरूक करें। कूलर आदि के पानी को बदलते रहें। गांव में फागिंग मशीन न होने पर ग्राम निधि से खरीदें। प्रत्येक दिन शाम को फागिंग करायें। सीएमओ डॉ भूपेश द्विवेदी ने कहा कि प्रत्येक वर्ष शासन के निर्देश पर वर्ष में तीन बार संचारी रोग अभियान चलता है। एएनएम, आशा घर-घर जाकर ओआरएस घोल आदि दवा देंगी, ताकि गांव में कोई बीमार न हो।

बैठक में निर्देश देते डीएम।

डीसी मनरेगा धर्मजीत सिंह ने कहा कि विकासखंड कर्वी में 92 गांव हैं। 60 गांवों में सफाई कर्मियों की टोली सफाई कार्य कर रही है। दवाओं का छिड़काव कराया है। फागिंग मशीन सभी गांव में है। एंटी लारवा बांटा गया है। शिवरामपुर, चकला राजरानी, पुरवा तरौंहा व नगर पालिका कर्वी के कुछ वार्डों पर पिछले वर्ष बीमारियां हुई थी। प्रधानों को ईओ नगर पालिका ने ज्यादा फोकस कर दवायें व छिड़काव कराने को कहा है। बैठक में सीबीओ डॉ सुभाष चंद्र, जिला विद्यालय निरीक्षक संतोष कुमार मिश्रा, बीएसए बीके शर्मा, डीपीआरओ इंद्र नारायण सिंह, ईओ नगर पालिका लालजी यादव, जिला मलेरिया अधिकारी लाल साहब समेत संबंधित अधिकारी व प्रधान मौजूद रहे।

लाभार्थियों को दें शत-प्रतिशत लाभः डीएम

जिला स्तरीय सलाहकार समिति बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने जिला स्तरीय सलाहकार समिति व डीएलआरसी बैठक में पूर्व कार्यों की चर्चा बाद जमा अनुपात बाबत कहा कि 2024 कार्य योजना बढ़ाये। जो लक्ष्य मिले हैं, 2025 तक पूरा करें। बुधवार को कलेक्टेट्रट सभागार में बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम शिवशरणप्पा जीएन ने सभी बैंक अधिकारियों को निर्देश दिये कि एनपीए में गिरावट दर्ज हुई है। शत-प्रतिशत वसूली कर प्रगति बढ़ायें। किसान क्रेडिट कार्ड बाबत जानकारी ली। उप कृषि निदेशक को निर्देश दिये कि प्रगति बढायें। कृषि उन्नति व प्रधानमंत्री रोजगार सृजन बाबत सभी बैंकों को निर्देश दिये कि जो लक्ष्य मिले हैं, प्रगति करायें। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत कहा कि ये योजना डैशबोर्ड पर ऑनलाइन है। वित्तीय वर्ष में प्रस्तावों का निस्तारण समय से करायें। प्रधानमंत्री जनधन योजना, सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना व आधार सीडिंग प्रगति बाबत डीएम ने कहा कि ये शासन की महत्वपूर्ण योजना है। शत-प्रतिशत लाभार्थियों को लाभ दिलायें।

उन्होंने सभी बैंक अधिकारियों को निर्देश दिये कि फसल बीमा योजना में रबी की फसलों का बीमा 31 जुलाई तक करायें। आरसेटी के विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। बैठक में अग्रणी जिला प्रबंधक इंडियन बैंक अनुराग शर्मा, उप कृषि निदेशक राजकुमार, बीएसए बीके शर्मा, डीडी नाबार्ड संदीप कुमार, जीएमडीआईसी एसके केसरवानी, जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी राजेंद्र प्रसाद आदि मौजूद रहे।

एलईडी वैन से गैर संचारी रोगों के बचाव की दी जानकारी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। ममता हेल्थ इंस्टीट्यूट ऑफ मदर एंड चाइल्ड प्रोजेक्ट जाग्रति परियोजना के तहत मानिकपुर व पहाडी ब्लाक के रुकमाखुर्द, ददरीमाफी, मदना, तीरधुमाई सुर्की, गढचपा, चिल्लीमल, सुरसेन, गडवारा समेत सैकड़ो गांवों में गैर संचारी रोगों के बचाव को एलईडी वैनशो से लोगों को जागरूक किया।

बुधवार को ममता संस्था के जिला समन्वयक राजीव कुमार पाठक ने बताया कि एलईडी वैन शो से गांव में लोगों को गैर संचारी रोगो कैंसर, उच्च रक्तचाप, मधुमेह व मानसिक रोग बाबत जागरूक करते हैं। समुदाय के लोगों को लक्षण, दुष्परिणामों बाबत जानकारी देते हैं। कोई पुरुष-महिला गैर संचारी रोगों का शिकार न हो। संस्था के जिला समन्यवक राजीव कुमार पाठक ने स्वस्थ्य जीवन शैली बाबत बताया कि बढ़ती उम्र के साथ बीमारियों से बचने के उपाय व लक्षण बतायें। बीमारियों में उच्च रक्तचाप धीरे-धीरे मारने वाला रोग है। नियमित जांच करवाने से इलाज सम्भव हैं। ये रोग अधिक वजन बढने, शराब, तम्बाकू, गुटखा आदि सेवन से होता है। मौसम अनुसार ताजे फल-सब्जियां खाते रहें। संतुलित आहार स्वस्थ्य जीवन शैली की कुंजी है। सवेरे भोजन में साबूत चीजों का सेवन करें। भोजन मे सलाद का प्रयोग अधिक करें। रोज योगाभ्यास करें। समय-समय पर जांच कराते रहे। शरीर के सामान्य रक्तचाप का स्तर 120/80 रहना चाहिए। इसका स्तर 140/90 से ऊपर रहता है तो नजदीकी अस्पताल में दिखायें। एलईडी दौरान समुदाय से दस सवाल पूंछे गये। सही जवाब देने वाले को पुरस्कृत किया।

वैन शो से रोगों से बचाव की जानकारी देते।

राजापुर कस्बे के राजकीय बालिका इंटर कालेज बनवाने की मांग

अखंड भारत संदेश

राजापुर/चित्रकूट। केंद्र व प्रदेश सरकार के संयुक्त प्रयास से शासकीय जर्जर भवनों की मरम्मत को प्रोजेक्ट अलंकार योजना के तहत राजापुर तहसील क्षेत्र के जर्जर भवनों को चिन्हित कर राजस्व व शिक्षा विभाग की टीमें जिलाधिकारी के निर्देश पर सर्वे कर रही हैं। राजापुर कस्बे के इकलौते राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सदियों से जिला पंचायत के जर्जर भवन में चल रहा है। इस विद्यालय को जिला प्रशासन व शिक्षा विभाग के आला अधिकारी अनदेखा कर रहे हैं।

जर्जर भवन में पढती छात्रायें।

बुधवार को तुलसी जन्मस्थली राजापुर में जिला पंचायत के जर्जर भवन में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज चलने का खुलासा हुआ। बताया गया कि छात्रायें टीनशेड व जर्जर बरामदे तथा जर्जर कमरों में हादसे को दावत दे रहे विद्यालय में मजबूरी में शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। 2008-2009 की सरकार ने नया विद्यालय बनवाने को 98 लाख रुपये दिये थे। ठेकेदार ने अर्धनिर्मित गुणवत्ताविहीन भवन बनाकर फरार हो गया था, तब से अर्धनिर्मित जर्जर भवन सफेद हाथी की तरह खड़ा है। 16-17 साल बीतने के बाद भी शासन-प्रशासन जांच की हिम्मत नहीं जुटा सका। ठेकेदार को क्या राजनैतिक संरक्षण प्राप्त है। इससे ठेकेदार पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। एक हजार छात्रायें जिला पंचायत के जर्जर भवन में पठन-पाठन कर जोखिम उठा रही हैं। उमस भरी गर्मी व बरसात में टीनशेड के नीचे पढ़ने को मजबूर हैं। उमस भरी गर्मी में बिना पंखे के छात्राओं के बीमार होने का अंदेशा बना है। भाजपा युवा मोर्चा पूर्व जिला उपाध्यक्ष अमित मिश्रा व समाजसेवी समीर विश्वकर्मा, सुनील मिश्रा, पूर्व सभासद अशोक सोनकर, सभासद शंकरदयाल जायसवाल ने बताया कि पहले कई शिकायती पत्रों से जिला विद्यालय निरीक्षक व जिलाधिकारी को ठेकेदार के 98 लाख रुपये बंदरबांट करने की शिकायत की थी। आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। प्रदेश सरकार व जिलाधिकारी से मांग किया कि बडे पैमाने पर भ्रष्टाचार का खुलासा कर छात्राओं के हित में प्रोजेक्ट अलंकार योजना से नया भवन बनवाया जाये।

निर्माणाधीन पुल से बाइक टकराने से युवक की मौत

मानिकपुर/चित्रकूट। बारात जा रहे बाइक सवार युवक निर्माणाधीन पुल से टकरा गया। इससे उसकी मृत्यु से परिजनों में हाहाकार मच गया। ये हादसा मंगलवार को बम्भिया-इटवा निर्माणाधीन पुल पर हुआ। बताया गया कि हीरू (23) पुत्र शिवचरण गुर्दवान निवासी गोविंदनगर मानिकपुर मौसी के लड़के की बारात बरुवा मझगवां से मड़ैयन बहिलपुरवा जा रही थी। वह बाइक में पीछे बैठा था। अचानक पुल के पास बाइक के पहुंचने पर ब्रेक लगाने पर बाइक पुल से टकरा गई। बाइक चालक व बैठे युवक दोनो गंभीर रूप से घायल हो गये। सूचना पर पहुंचे परिजन दोनों को बिड़ला अस्पताल सतना ले गये। डॉक्टरों ने आईसीयू में युवक को इलाज को ले गये। युवक की मृत्यु हो गयी। बाइक चालक का इलाज जारी है। मृतक एक जुलाई को दिल्ली से मौसी के लड़के की बारात करने आया था। दिल्ली में स्टील फैक्ट्री में मृतक नौकरी करता था। बुधवार को मृतक का शव यहां आया।

जनसुनवाई में अव्वल आई जिला पुलिस, 75 जिलों में मिला पहला स्थान

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जनसुनवाई पोर्टल पर समस्याओं के जल्द निस्तारण की समीक्षा शासन स्तर पर प्रतिदिन होती है। जून में जनसुनवाई पोर्टल में मिली शिकायतों के निस्तारण बाबत समीक्षा में जिला पुलिस को प्रदेश के 75 जिलों में में पहला स्थान मिला है।

बुधवार को पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देश पर एएसपी/ नोडल अधिकारी आईजीआरएस चक्रपाणि त्रिपाठी व निरीक्षक/प्रभारी आईजीआरएस प्रदीप कुमार यादव ने उच्चाधिकारियों से मिले निर्देशों का पालन करते हुये जून में मुख्यमंत्री संदर्भ, जिलाधिकारी/जनसेवा संपूर्ण समाधान/ थाना दिवस में जिला पुलिस ने सभी शिकायतों पर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया। आईजीआरएस शाखा में तैनात सिपाही मानवेन्द्र सिंह व महिला सिपाही अनीशा बानो, महिला सिपाही मीरा यादव ने जिले के सभी थानों/क्षेत्राधिकारी कार्यालयों में आईजीआरएस पोर्टल देख रहे पुलिस कर्मियों ने सभी संदर्भों की ऑनलाइन फीडिंग की। शिकायत निस्तारण में अहम भूमिका निभायी। जनसुनवाई के मामलों में चित्रकूट को पहला स्थान मिला है। सभी संदर्भों की ऑनलाइन फीडिंग व निस्तारण में जिले के 12 थानों में दस थानों को पहला स्थान मिला है। प्राप्त शिकायतों से असंतुष्ट फीडबैक का प्रतिशत महज 0.23

ईरान ने उत्तर पश्चिम सीमा पर 'आतंकवादी टीम' को नष्ट किया

तेहरान । ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशन कॉर्पस की सेनाओं ने देश की उत्तर- पश्चिमी सीमाओं पर एक 'आतंकवादी टीम' को नष्ट कर दिया है। यह जानकारी आधिकारिक समाचार एजेंसी आईआरएनए ने दी । आईआरएनए ने बेस के एक बयान के हवाले से कहा कि 'काउंटर - क्रांतिकारी आतंकवादी टीम के सदस्यों ने उत्तर-पश्चिमी सीमाओं के माध्यम से ईरान में प्रवेश करने की कोशिश की, लेकिन मंगलवार तड़के पश्चिम अजरबैजान प्रांत में आईआरजीसी बलों के हमजेह सैय्यद अल-शोहदा बेस की सेनाओं ने घात लगाकर हमला कर दिया।

आतंकवादियों के साथ संघर्ष में तीन सैनिक शहीद

इस्लामाबाद। देश की सेना ने एक बयान में कहा कि देश के उत्तर पश्चिम खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकवादियों के साथ झड़प में तीन पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर- सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि यह घटना प्रांत के दक्षिण रस्त जब आतंकवादियों ने सैनिकों के साथ गोलीबारी की। बयान में कहा गया है कि इलाके में पाए जाने वाले किसी भी आतंकवादी को खत्म करने के लिए सफाया अभियान चलाया जा रहा है। प्रांत में सुरक्षा बलों पर यह दूसरा हमला था। इससे पहले हुए हमले में पड़ोसी उत्तरी वजीरिस्तान जिले में आतंकवादियों के साथ झड़प में एक सैन्य अधिकारी की मौत हो गई थी।

शहबाज ने ईरान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति पेजेशकियान को दी बधाई

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईरान में हाल के राष्ट्रपति चुनावों में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान को उनकी जीत पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने यहां एक बयान जारी कर-के यह जानकारी दी। बयान में कहा गया है कि श्री पेजेशकियान के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान श्री शरीफ ने उनके सफल कार्यकाल की कामना की और पाकिस्तान - ईरान
संबंधों को और मजबूत करने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने की इच्छा व्यक्त की। श्री शरीफ ने कहा कि वह ईरान के साथ व्यापार, ऊर्जा और क्षेत्रीय सुरक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के लिए तत्पर हैं। बयान में कहा गया है कि श्री
पेजेशकियान ने प्रधानमंत्री को उनकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ करने की इच्छा व्यक्त की। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय मुद्दों पर भी चर्चा की और घनिष्ठ समन्वय एवं परामर्श जारी रखने पर सहमति व्यक्त की।

चीन के बारे में क्या सोचते हैं अलग-अलग देशों के लोग

प्यू रिसर्च सेंटर के एक नए सर्वेक्षण के अनुसार, चीन के बारे में अमीर और मध्यम आय वाले देशों के लोगों के बीच राय बंटी हुई है. सर्वेक्षण में 35 देशों के लोगों से बात की गई।
अमेरिकी सर्वेक्षण संस्था प्यू रिसर्च सेंटर ने 35 देशों के लोगों के बीच एक सर्वे में यह जानने की कोशिश की कि वहां के लोग चीन के बारे में क्या सोचते हैं. सर्वेक्षण में धनी और मध्यम आय वाले देश शामिल थे. 18 धनी देशों में से 15 के लोगों ने चीन के प्रति नकारात्मक राय जाहिर की। जापान और ऑस्ट्रेलिया में 80 फीसदी से अधिक लोगों ने चीन को नकारात्मक रूप में देखा. इसके उलट, 17 मध्यम-आय वाले देशों में से 14 के लोगों ने चीन के प्रति सकारात्मक राय जाहिर की. थाईलैंड में 80 फीसदी वयस्कों ने चीन के प्रति अच्छी राय जाहिर की।
यह रिपोर्ट मंगलवार को जारी की गई जब नाटो देशों के नेता वॉशिंगटन में यूक्रेन युद्ध और चीन को लेकर चिंता व्यक्त करने के लिए जमा हुए. पश्चिमी देशों का सैन्य गठबंधन नाटो खासतौर पर जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के साथ सहयोग को गहरा करना चाहता है क्योंकि ये देश चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने में उसकी मदद कर सकते हैं।

इंडो-पैसिफिक के लोग ज्यादा चिंतित

अमेरिका इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए समान विचारधारा वाली सरकारों के साथ गठबंधन बना रहा है. प्यू की रिपोर्ट के अनुसार, क्षेत्र के कई देश चीन के क्षेत्रीय विवादों को लेकर चिंतित हैं। उदाहरण के लिए फिलीपींस का दक्षिण चीन सागर में सेकंड थॉमस शोल को लेकर चीन से विवाद चल रहा है. वहां के लोग चीन को लेकर सबसे ज्यादा नकारात्मक राय रखते हैं. लगभग 90 फीसदी फिलीपीनी नागरिकों ने चिंता व्यक्त की।
दक्षिण कोरिया और जापान में भी इतने ही प्रतिशत लोगों ने चिंता जाहिर की. ऑस्ट्रेलिया में लगभग 80 फीसदी लोगों की चीन के बारे में नकारात्मक राय है. ये तीनों देश इंडो-पैसिफिक में नाटो के चार साझीदारों के एक अनौपचारिक समूह के सदस्य हैं. चौथा देश, न्यूजीलैंड, प्यू के सर्वेक्षण का हिस्सा नहीं था।
इन तीन देशों के साथ-साथ भारत भी एशिया-प्रशांत क्षेत्र के सर्वेक्षण में शामिल ऐसे देशों में से है, जहां के लोग मानते हैं कि वैश्विक शांति और स्थिरता में चीन का योगदान सबसे कम है. भारत में 78 फीसदी लोगों ने चीन के योगदान पर संदेह जताया. भारत और चीन के बीच भी सीमा विवाद के कारण तनाव है. हाल ही में दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने इस विवाद को सुलझाने के लिए कोशिश करने पर सहमति जताई थी।
थाईलैंड, जिसका चीन के साथ कोई क्षेत्रीय विवाद नहीं है, सबसे कम चिंतित है. वहां के लगभग 40 फीसदी लोगों ने चीन के क्षेत्रीय विवादों पर चिंता जताई. 80 प्रतिशत थाई लोगों ने कहा कि चीन वैश्विक शांति और स्थिरता में योगदान देता है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में समग्र रूप से, जापान, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया, फिलीपींस और भारत ने चीन के प्रति सबसे अधिक नकारात्मक दृष्टिकोण रखा, जबकि थाईलैंड, सिंगापुर, मलेशिया और श्रीलंका ने चीन के प्रति सबसे अधिक सकारात्मक राय जाहिर की।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

इंडोनेशियाः भूस्खलन में दबे लोगों की तलाश तेज, कम से कम 23 लोगों की मौत

पालुः इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर एक अनधिकृत सोने की खदान में हुए घातक भूस्खलन में फंसे लोगों की तलाश के प्रयास बुधवार को तेज कर दिए गए. इस खदान में सप्ताहांत में 23 लोगों की मौत हो गई. रविवार को गोरोंटालो प्रांत के सुदूर और पहाड़ी गांव बोन बोलांगो में 100 से अधिक ग्रामीण सोने के कण खोजने के लिए खुदाई कर रहे थे, तभी आसपास की पहाड़ियों से भारी मात्रा में मिट्टी गिर गई और उनके अस्थायी शिविर उसमें दब गए। प्रांतीय खोज एवं बचाव कार्यालय ने बुधवार को बताया कि 81 ग्रामीण भूस्खलन से बच निकलने में सफल रहे. उनमें से कई को बचावकर्मियों ने बाहर निकाल लिया, जिनमें से 18 घायल हैं. इसने बताया कि 23 शव बरामद किए गए हैं, जिनमें एक 4 वर्षीय बच्चा भी शामिल है, जबकि 33 अन्य लापता हैं।
राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी के संचालन निदेशक एडी प्रकोसो ने बताया कि खोज प्रयासों को बढ़ाने के लिए सेना के जवानों सहित 1,000 से अधिक कर्मियों को तैनात किया गया है. उन्होंने कहा कि

इंडोनेशियाई वायु सेना एक हेलीकॉप्टर भेजेगी क्योंकि भारी बारिश, मिट्टी और ऊबड़-खाबड़ इलाकों के कारण बचाव अभियान में बाधा उत्पन्न होने के कारण यह एकमात्र तरीका था।
इंडोनेशिया में अनौपचारिक खनन कार्य आम बात है. हजारों लोगों को ऐसी परिस्थितियों में काम करने के लिए मुश्किल आजीविका प्रदान करता है, जिनमें गंभीर चोट या मृत्यु का उच्च जोखिम होता है. भूस्खलन, बाढ़ और सुरंगों का ढहना खनिकों के सामने आने वाले कुछ खतरे हैं. सोने के अयस्क प्रसंस्करण में अत्यधिक विषैले पारा और साइनाइड का उपयोग होता है, जिसमें श्रमिक अक्सर बहुत कम या बिल्कुल भी सुरक्षा का उपयोग नहीं करते हैं। देश में खनन से जुड़ी आखिरी बड़ी दुर्घटना अप्रैल 2022 में हुई थी. उस वक्त उत्तरी सुमात्रा के मंडेलिंग नटाल जिले में एक अवैध सोने की खदान में भूस्खलन हुआ था. इसमें सोना खोजने गई 12 महिलाओं की मौत हो गई थी. पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने देश भर में इस तरह के काम को बंद करने के लिए सालों से अभियान चलाया है. खासकर सुलावेसी में जहां हाल के सालों में यह प्रथा बढ़ी है. रविवार को हुए भूस्खलन ने उनकी आवाज को फिर से सुलगा दिया।
पर्यावरण निगरानी संस्था जेएटीएएम (खअळअट) के कानूनी प्रभाग के प्रमुख मुहम्मद जमील ने कहा कि स्थानीय सरकार ने इस क्षेत्र में अवैध सोने के खनन की गतिविधियों को जारी रखने की अनुमति दी है, जिससे यह घातक आपदा आई है. उन्होंने कहा कि सोने के खनन में कई लोग शामिल हैं जो दोषी हैं. अल्फा रिसर्च एंड डेटासेंटर के खनन और ऊर्जा शोधकर्ता फेर्डी हसीमन ने कहा कि खदानों के प्रसार को लंबे समय से अपस्ट्रीम क्षेत्रों में पर्यावरणीय क्षति के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता रहा है. इसके कारण डाउनस्ट्रीम में बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं बढ़ गई हैं. हसीमन ने कहा कि अगर अवैध खनन और वनों की कटाई जारी रही तो बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं जारी रहेंगी. हम स्थानीय और केंद्रीय सरकार से देश भर में अवैध सोने के खनन को बंद करने के अपने प्रयासों का विस्तार करने का आह्वान करते हैं।

पीएम मोदी पहुंचे ऑस्ट्रिया, चांसलर कार्ल नेहमर ने की पहली मुलाकात, हुआ भव्य स्वागत

वियना : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस के बाद दो दिन के दौरे पर ऑस्ट्रिया पहुंच गए हैं. ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना में पीएम नरेन्द्र मोदी का भव्य स्वागत हुआ है. ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर ने पीएम मोदी की मेजबानी की. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर थ्रील्लल्लं में दोनों नेताओं की एक साथ तस्वीरें पोस्ट की. उन्होंने कहा, "**भारत-ऑस्ट्रिया साझेदारी में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर!**
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऑस्ट्रियाई Chancellor Karl Nehammer ने निजी मुलाकात की मेजबानी की. यह दोनों नेताओं के बीच पहली बैठक है. द्विपक्षीय साझेदारी को साकार करने पर आगे चर्चा होगी." ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर ने एक्स पर पीएम नरेन्द्र मोदी के साथ तस्वीर पोस्ट करते हुए कहा, "वियना में आपका स्वागत है. ऑस्ट्रिया में आपका स्वागत करना हमारे लिए खुशी और सम्मान की बात है.

Austria और भारत दोस्त व साझेदार हैं. मैं आपकी यात्रा के दौरान हमारी राजनीतिक और आर्थिक चर्चाओं का इंतजार कर रहा हूं.। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रिया के चांसलर Karl Nehammer को 'गर्मजोशी से स्वागत के लिए' धन्यवाद दिया. इसके साथ ही कहा कि वह कल होने वाली हमारी चर्चाओं के लिए भी उत्सुक हैं. हमारे देश विश्व की भलाई के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे." पीएम मोदी ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में कहा, "चांसलर कार्ल नेहमर, Vienna में आपसे मिलकर खुशी हुई. India Austria की दोस्ती मजबूत है और आने वाले समय में यह और भी मजबूत होगी."
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऑस्ट्रिया यात्रा के दौरान दोनों देश अपने संबंधों को और मजबूत बनाने तथा विभिन्न भू-राजनीतिक चुनौतियों पर सहयोग के तरीकों पर विचार करेंगे. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पीएम मोदी आज ऑस्ट्रिया में कई अलग-अलग कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे. वह वियना में उद्योगपतियों से भी मुलाकात करेंगे. इसके अलावा पीएम मोदी Austria में रह रहे भारतीय नागरिकों से भी बातचीत करेंगे।

जी-7 शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी, जानिए ग्लोबल साउथ के लिए क्यों महत्वपूर्ण

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को इस साल के ग्रुप ऑफ सेवन (ए7) शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इटली के लिए रवाना होंगे. ऐसे में आज की दुनिया में बहुपक्षवाद में भारत की भूमिका और वैश्विक दक्षिण की आवाज को बढ़ावा देने का महत्व फिर से ध्यान में आता है. लोकसभा चुनावों के मद्देनजर तीसरी बार पदभार संभालने के बाद मोदी की यह पहली विदेश यात्रा होगी. यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत को जी20 की अध्यक्षता मिले एक साल से भी कम समय हुआ है। 2019 के बाद से यह जी7 शिखर सम्मेलन में मोदी की लगातार पांचवीं भागीदारी होगी. अब तक भारत ने जी7 शिखर सम्मेलन के आउटरीच शिखर सम्मेलन में 11 बार भाग लिया है. गुरुवार को यहां प्रस्थान से पहले मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने कहा कि 14 जून इस साल के ए7 शिखर सम्मेलन के आउटरीच शिखर सम्मेलन का मुख्य दिन है.
क्वात्रा ने कहा कि, जी-7 शिखर सम्मेलनों में भारत की नियमित भागीदारी स्पष्ट रूप से वैश्विक चुनौतियों को हल करने के लिए भारत द्वारा लगातार किए जा रहे प्रयासों की बढ़ती मान्यता और योगदान को दशार्ती है. इसमें शांति, सुरक्षा, विकास और पर्यावरण संरक्षण शामिल हैं. ए-7 शिखर

सम्मेलन में भारत की भागीदारी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत ने हाल ही में जी-20 की अध्यक्षता की है. भारत ने अब तक वॉयस ऑफ द ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन के दो सत्र आयोजित किए हैं.
यहां यह उल्लेखनीय है कि पिछले साल सितंबर में नई दिल्ली में आयोजित ए-20 शिखर सम्मेलन के दौरान, भारत ने अफ्रीकी संघ को अंतर-सरकारी मंच पर लाने की पहल की थी. इसमें पहले 19 संप्रभु राष्ट्र और यूरोपीय संघ शामिल थे, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था से संबंधित प्रमुख मुद्दों जैसे कि अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय स्थिरता, जलवायु परिवर्तन शमन और सतत विकास को संबोधित करने के लिए काम करता है. अफ्रीकी देश वैश्विक दक्षिण के अधिकांश देशों में शामिल हैं.
क्वात्रा ने कहा कि, जी -7 शिखर सम्मेलनों में, हम (भारत) हमेशा वैश्विक दक्षिण के मुद्दों को उठाते हैं. विदेश सचिव ने आगे बताया कि, इस वर्ष 13 से 15 जून तक इटली के अपुलिया में आयोजित होने वाले जी 7 शिखर सम्मेलन में चार महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा. रूस और यूक्रेन के बीच तथा पश्चिम एशिया में इजरायल और हमास के बीच युद्ध, विकासशील देशों के साथ संबंध, विशेष रूप से अफ्रीका और हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना, जलवायु परिवर्तन और खाद्य सुरक्षा से जुड़े प्रवासन, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई).
क्वात्रा ने कहा कि, जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा जी 7 देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने की भी उम्मीद है. उन्होंने कहा कि इनके विवरण निर्धारित होने पर साझा किए जाएंगे. भारत के अलावा, मेजबान देश इटली ने जी7 शिखर सम्मेलन के लिए आउटरीच देशों के रूप में अल्जीरिया, अर्जेंटीना, ब्राजील, मिस्र, केन्या, मॉरिटानिया, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, ट्यूनीशिया, तुर्की और संयुक्त अरब अमीरात (वअए) को भी आमंत्रित किया है. क्वात्रा ने कहा कि इटली की यात्रा के दौरान मोदी और उनकी इतालवी समकक्ष जॉर्जिया के बीच द्विपक्षीय बैठक भी निर्धारित है।

जी-7 क्या है और इसके वार्षिक शिखर सम्मेलन क्यों महत्वपूर्ण हैं?

.जी7 एक अंतर-सरकारी राजनीतिक और आर्थिक मंच है जिसमें कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, यू.के. और यू.एस. शामिल हैं. इसके अतिरिक्त, यूरोपीय संघ (एव) एक 'गैर-गणना सदस्य' है. यह बहुलवाद, उदार लोकतंत्र और प्रतिनिधि सरकार के साझा मूल्यों के इर्द-गिर्द संगठित है..जी7 के सदस्य प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष उन्नत अर्थव्यवस्थाएं हैं। 1973 में वित्त मंत्रियों की एक तदर्थ सभा से शुरू होकर,.जी7 तब से प्रमुख वैश्विक मुद्दों, विशेष रूप से व्यापार, सुरक्षा, अर्थशास्त्र और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्रों में समाधानों पर चर्चा और समन्वय के लिए एक औपचारिक, उच्च-प्रोफाइल स्थल बन गया है. प्रत्येक सदस्य के सरकार या राज्य के प्रमुख, यूरोपीय संघ के आयोग के अध्यक्ष और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष के साथ, जी7 शिखर सम्मेलन में सालाना मिलते हैं..जी7 और एव के अन्य उच्च-रैंकिंग अधिकारी पूरे वर्ष मिलते हैं।

नेपाल के युवाओं की भी रूसी सेना से हो रही वापसी, 138 युवा वापसी को तैयार

काठमांडू। रूस की सेना में अवैध रूप से भर्ती किए गए नेपाल के युवाओं की भी स्वदेश वापसी की अनुमति मिल गई है। मास्को स्थित नेपाली दूतावास के सहयोग से अब तक 138 नेपाली युवाओं की नेपाल वापसी हो रही है। करीब एक दर्जन और नेपाली युवकों ने स्वदेश वापसी के लिए दूतावास में संपर्क किया है।
काठमांडू स्थित विदेश मंत्रालय की सचिव सेवा लम्साल ने बुधवार को बताया कि 138 युवाओं का ट्रेवल डॉक्यूमेंट बनाया जा चुका है और उनकी वापसी के लिए विशेष विमान की बात चल रही है। धीरे-धीरे नेपाल वापस होने वाले युवाओं की संख्या बढ रही है। अभी 13 युवाओं ने फिर से नेपाली दूतावास से संपर्क कर नेपाल वापसी की इच्छा जताई है। विदेश सचिव ने यह भी बताया कि रूसी सेना में कार्यरत जो नेपाली युवा वापस होना चाहते हैं उनको रूसी सेना की तरफ से जाने की इजाजत दी जा रही है।
रूस-युक्रेन युद्ध के क्रम में गत वर्ष हजारों नेपाली युवाओं को चीनी कंपनी के जरिए विभिन्न देशों में काम दिलाने के बहाने से रूस पहुंचाया गया था जहां कुछ दिनों की ट्रेनिंग के बाद ही उन सबको रूसी सेना में सहायक के रूप में भर्ती कर लिया गया था। यह मामला तब उजागर हुआ जब युद्ध के दौरान कई नेपाली युवाओं की मौत हो गई और सैकड़ों युवाओं को युक्रेन ने अपने यहां युद्ध बंदी बना कर रखा। इधर नेपाल में रूसी सेना में कार्यरत युवाओं के परिवार की तरफ से लगातार नेपाल सरकार पर दबाब डाला जा रहा था।
उल्लेखनीय है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने दो दिवसीय रूस दौरे में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के समक्ष भारतीय युवाओं के रूसी सेना में अवैध तरीके से भर्ती किए जाने का मुद्दा उठाया था। इस दौरान बातचीत में रूस भारतीय युवाओं की स्वदेश वापसी पर सहमत हो गया था।

खान यूनिस में स्कूल पर इजरायली हमले में 25 फिलिस्तीनियों की मौत

गाजा : दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस शहर में एक स्कूल को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हवाई हमले में कम से कम 25 फिलिस्तीनी मारे गए और कुछ अन्य घायल हो गए. दरअसल स्कूल के कैंपस में टेंट लगाकर कुछ लोग रह रहे थे जब इजरायल ने हमला किया. सुरक्षा सूत्रों ने मंगलवार को सिन्हुआ समाचार एजेंसी को बताया कि इजरायली विमानों ने मिसाइल से अल-अवदा स्कूल के गेट को निशाना बनाया. खान यूनिस के पूर्व में अबासन अल-कबीरा शहर में सैकड़ों विस्थापित लोग रह रहे हैं।
सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि फिलिस्तीनी कार्यकताओं द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर साझा किए गए वीडियो में दर्जनों शव खून से लथपथ जमीन पर पड़े हुए दिखाई दे रहे हैं. चिकित्सा सूत्रों ने बताया कि इजरायली हवाई हमले में महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 25 लोग मारे गए और दर्जनों लोग घायल हुए. सूत्रों ने सिन्हुआ को बताया कि क्षेत्र में विस्थापित लोगों की अधिक भीड़ के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ने की संभावना है।
इस घटना के बारे में इजरायली सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई है. यह हमला पिछले चार दिनों में गाजा में शेल्टर के रूप में इस्तेमाल किए जा रहे स्कूल भवन पर किया गया चौथा इजरायली हमला है और यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब इजरायल ने खान यूनिस और गाजा शहर के कुछ हिस्सों को खाली करने के नए आदेश जारी किए हैं. इसके कारण हजारों लोगों को भागने पर मजबूर होना पड़ा है और तीन प्रमुख अस्पतालों को बंद करना पड़ा है

चीन के सिचुआन प्रांत में भूस्खलन में तीन लोगों की मौत

बीजिंग। चीन के सिचुआन प्रांत में एक वाहन के भूस्खलन की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गये। बाझोंग में टोंगजियांग काउंटी के स्थानीय अधिकारियों ने आज यहां
बताया कि दुर्घटना कल शाम करीब 07:30 बजे सिचुआन के बाझों शहर में एस204 राजमार्ग पर तब हुई, जब वाहन राजमार्ग से गुजर रहा था। भूस्खलन के कारण एक बड़ा चट्टान पहाड़ी से लुढ़कर वाहन से टकरा गया। इसमें तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी और दो लोग घायल हो गये। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

गाजा में इजरायली हवाई में 25 फिलिस्तीनियों की मौत

गाजा । दक्षिणी गाजा के खान यूनिस शहर में एक स्कूल को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हवाई हमले में कम से कम 25 फिलिस्तीनी मारे गए और कुछ अन्य घायल हो गए। यह जानकारी फिलिस्तीनी सूत्रों ने दी। सुरक्षा सूत्रों ने सिन्हुआ से कहा कि इजरायली विमानों ने मिसाइल का उपयोग करके खान यूनिस के पूर्व में अबासन अल-कबीरा शहर में अल-अवदा स्कूल के गेट को निशाना बनाया, जिसमें सैकड़ों विस्थापित लोग रहते हैं।
फिलिस्तीनी कार्यकताओं द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर साझा किए गए वीडियो में दर्जनों शव जमीन पर खून से लथपथ पड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। चिकित्सा सूत्रों ने कहा कि इजरायली हवाई हमले में महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 25 लोग मारे गए और दर्जनों लोग घायल हो गए। सूत्रों ने सिन्हुआ से कहा कि इलाके में भीड़भाड़ के कारण पीड़ितों की संख्या बढ़ने की आशंका है।